वर्ष 69 अंक 101 पृष्ठ 12
भोपाल, गुरुवार 08 जनवरी, 2026
माघ कृष्ण पक्ष 06, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

सबसे जरूरी बात यह है कि लोगों को प्रेरित करने की कोशिश की जाए, ताकि वे जो भी करना चाहें उसमें महान बन सकें।
- कोबी ब्रायंट

ऑफ बीट
नई डिवाइसः बिना दवा पुराने दर्द में देगी राहत

तेलंगाना के एक स्टार्टअप ने 'क्यूरापॉड' नाम की एक ऐसी डिवाइस लॉन्च की है, जो बिना किसी दवा के शरीर के पुराने दर्द से राहत देने का दावा करती है। कंपनी के अनुसार, यह डिवाइस जोड़ों के दर्द, गठिया, मांसपेशियों की समस्या और खेल से जुड़ी चोटों में उपयोगी हो सकती है। खास बात यह है कि इसे लगाने के बाद लंबे समय तक दर्द निवारक दवाइयों की जरूरत नहीं पड़ती। क्यूरापॉड तैयार करने में 'मेडिकल-ग्रेड फोटोपायो मॉड्यूलेशन तकनीक' का इस्तेमाल किया गया है। इस तकनीक के तहत रेड और नियर-इन्फ्ररेड लाइट के जरिए कोशिकाओं को सक्रिय किया जाता है। यह डिवाइस प्रभावित हिस्से में सेल्स की मरम्मत को तेज करती है और रक्त संचार बेहतर बनाती है, जिससे दर्द में राहत मिलती है। इस डिवाइस को पहनने के महज 30 मिनट के भीतर उपयोगकर्ता को दर्द में राहत महसूस होने लगती है। डिवाइस कंपनी की वेबसाइट पर करीब 8,500 रुपये की कीमत पर उपलब्ध है।

अंदर के पन्नों पर

- मेट्रो की अंडरग्राउंड लाइन के लिए स्टेशन बॉक्स बनाने... (पेज-03)

- देश-विदेश की 25 महिला विभूतियों को ऊर्जस्विता सम्मान...(पेज-05)
- वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में शतक लगाने वाले सबसे युवा...(पेज-10)

- अमेरिका ने जब्त किए दो जहाज, एक पर लगा था रूसी...(पेज-11)
- इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैली...(पेज-12)

प्रदेश के आठ शहरों में प्रदूषण का स्तर इतना खतरनाक कि बुजुर्गों को ठंड में हो सकता है ब्रेन स्ट्रोक
490 करोड़ खर्च, पर घटने के बजाय और बढ़ गया प्रदूषण

कपिल तुलसानी, भोपाल

मध्य प्रदेश के 8 बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। हालांकि प्रदूषण पर लगाम के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल (सीपीसीबी) ने प्रदेश को 570 करोड़ 50 लाख रुपए की भारी भरकम राशि दी है, जिसमें से प्रदेश ने 489 करोड़ 76 लाख रुपए खर्च भी कर दिए। इस 85.85 फीसदी रकम के खर्च होने के बावजूद प्रदेश में प्रदूषण का स्तर कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है।

सीपीसीबी ने प्रदेश को यह राशि वित्त वर्ष 2018-19 से 2022-23 के बीच जारी की है, लेकिन इस अवधि में प्रदेश द्वारा प्रदूषण को रोकने के लिए किए गए तमाम उपाय नाकाफी साबित हुए हैं, जिसके वजह से कोल्ड डे और कोल्ड वेव के दौरान प्रदेश में स्मॉग के कारण धुंध छाने और पीएम 2.5, पीएम 10 और हाइड्रोकार्बन जैसे प्रदूषकों का वायुमंडल में पैमाना खतरनाक स्तर से बढ़ता है, जिसकी वजह से बुजुर्गों को ब्रेन स्ट्रोक होने का खतरा पैदा होता है।

यह जानकारी प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता राशिद नूर खान द्वारा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की सेंट्रल जोन बेंच में लगाई गई याचिका के बाद सामने आई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एनजीटी ने राज्य सरकार व अन्य एजेंसियों को नोटिस जारी करते हुए छह हफ्ते के भीतर जवाब तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई इसी वर्ष 18 मार्च को निर्धारित की गई है।

खर्च की गई राशि (करोड़ रुपए में)

जिले का नाम	दिया गया फंड	खर्च हुआ फंड	प्रतिशत
भोपाल	173.85	166.44	95.74
इंदौर	191.75	166.64	86.90
जबलपुर	112.25	102.86	91.63
देवास	5.62	4.96	88.26

(सभी आंकड़े पोर्टल फॉर रेग्युलेशन ऑफ एयर पॉल्युशन इन नॉन अटैनमेंट सिटी से लिए गए हैं)

प्रदेश की 8 नॉन अटैनमेंट सिटी लगातार प्रदूषित

प्रदेश के आठ शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, देवास, सागर और सिंगरौली को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा 'नॉन-अटैनमेंट सिटी' घोषित किया गया है। सीपीसीबी द्वारा नॉन अटैनमेंट सिटी उस शहर को घोषित किया जाता है, जहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों से अधिक बना रहता है। वायु गुणवत्ता के लगातार खराब होने के चलते ही इन शहरों में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीपीसीबी फंड जारी करता है।

भोपाल एक्यूआई 300 से ऊपर तक

आंकड़े बताते हैं कि भोपाल में पीएम 10 का वार्षिक औसत स्तर 130 से 190 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तथा पीएम 2.5 का स्तर 80 से 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पाया गया है, जो निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक है। वहीं कई रातों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 से ऊपर दर्ज किया गया।

एक नहीं कई कारणों से बढ़ रहा प्रदूषण

प्रदेश में प्रदूषण बढ़ने का कारण कोई एक नहीं है। बल्कि पराली जलाने, निर्माण एवं विध्वंस कार्यों से उड़ती धूल, वाहनों के उत्सर्जन, खुले में कचरा जलाने, लैंडफिल साइट की आग, पटाखों के उपयोग तथा औद्योगिक गतिविधियों के संयुक्त प्रभाव से उत्पन्न हो रहा है।

छात्रावास अधीक्षक पर भड़के कलेक्टर, कहा-2 जूते मारूंगा

देर रात वीडियो जारी कर गुप्ता ने जताया खेद

जागरण, भोपाल। विदिशा जिले की गंजबसौदा तहसील के उदयपुर में आदिवासी छात्रावास के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को यहां बच्चे नजर नहीं आए। इस पर उन्होंने अधीक्षक से सवाल किया। अधीक्षक के जवाब से कलेक्टर भड़क उठे और मर्यादा भूलकर अधीक्षक से कहा- दो जूते मारूंगा। हालांकि कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने देर रात इस मामले में एक वीडियो जारी कर इस घटना पर खेद जताया है।

दरअसल बुधवार को कलेक्टर अंशुल गुप्ता निरीक्षण पर निकले थे। उदयपुर में आदिवासी आश्रम शाला में कक्षा 1 से पांचवी तक पढ़ने वाले बच्चे नहीं दिखे। इस पर छात्रावास अधीक्षक चैन सिंह चिढ़ार ने दो दिन की छुट्टी होने की बात कही। तो कलेक्टर ने कहा- छुट्टी तो स्कूलों के लिए घोषित की गई थी, छात्रावास के लिए नहीं। जवाब में अधीक्षक चिढ़ार का कहना था आवासीय विद्यालय में स्कूल और छात्रावास की छुट्टी के नियम एक जैसे ही हैं। इस पर कलेक्टर का पारा चढ़ गया और उन्होंने अधीक्षक को दो जूते लगाने की बात कह डाली। इस घटना पर प्रतिक्रिया के लिए अंशुल गुप्ता से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया।

कलेक्टर ने देर रात जारी वीडियो में कहा कि ग्रामीण ■ शेष पृष्ठ 9 पर

कलेक्टर की फटकारा के बाद अधीक्षक अन्य कर्मचारियों के पीछे दुबक गए। इनसेट में छात्रावास अधीक्षक चिढ़ार।

इधर शहडोल कलेक्टर पर दो लाख का जुर्माना
आंखों पर पट्टी बांधकर कर रहे हैं कामः हाईकोर्ट

जागरण, जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रशासनिक लापरवाही और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के दुरुपयोग के मामले में शहडोल कलेक्टर डॉ केदार सिंह पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसे उन्हें अपने निजी वेतन से जमा करना होगा। साथ ही याचिकाकर्ता पर की गई एनएसए की कारवाई निरस्त कर दी है। जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस एके सिंह की डिविजन बेंच ने कलेक्टर की कार्यप्रणाली की तुलना महाभारत की गांधारी से करते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे कलेक्टर आंखों पर पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं। कोर्ट ने कलेक्टर को अवमानना का नोटिस भी जारी किया ।

मामला शहडोल जिले की ब्यौहारी तहसील के बुढ़वा गांव के निवासी सुशांत सिंह बैस का है। वे अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। रेत माफिया ने साजिश के तहत उनके खिलाफ चोरी और मारपीट के फर्जी मामले दर्ज कराए गए। कलेक्टर ने बिना किसी जांच-परख के उन पर रासुका जैसी गंभीर धारा लगा दी। इस आदेश के बाद सुशांत को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

नर्सिंग कॉलेजों में पुरुष भी बन सकेंगे प्रोफेसर

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और ट्यूटर के पदों पर अब केवल महिलाओं का अधिकार नहीं होगा। पुरुष आवेदक भी इन पदों पर भर्ती हो सकेंगे। कर्मचारी चयन मंडल ने नए सिरे से इसका विज्ञापन जारी कर दिया है। पुरुष उम्मीदवार सरकारी नर्सिंग कॉलेजों के 286 पदों के लिए 13 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। कर्मचारी चयन मंडल के पिछले विज्ञापन को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट की मुख्य बैंच ने मंगलवार को भी मामले की सुनवाई की। इसमें मंडल की ओर से मौखिक रूप से बताया गया था कि संशोधित विज्ञापन आज ही जारी किया जा रहा है। इसमें पुरुषों को भी बराबरी का मौका दिया जा रहा है। अदालत को बताया कि विज्ञापन मंगलवार रात को ही संशोधित कर दिया गया है।

पहले महिलाओं को आरक्षित किए गए थे सभी पद

'राष्ट्रीय युवा उत्सव' में भाग लेने वाले युवाओं से किया मोहन ने संवाद
दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे प्रदेश के युवाः मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश का हर युवा विवेकानंद की तरह ऊर्जावान है। वे दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में तेज गति से युवा शक्ति का विकास हो रहा है। उन्होंने युवाओं से कहा कि कक्षा और पाठ्यक्रम के अलावा भी सीखने के लिए बहुत कुछ है। डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में भाग लेने वाला दल मौजूद था। इस दल में मध्यप्रदेश के 47 युवा, 'विकसित भारत यंग लीडर संवाद' कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इस मौके पर युवाओं ने सीएम से कई तरह के सवाल किए। एक युवा के सवाल के जवाब में सीएम ने कहा कि अब हमारे युवाओं का व्यवसाय के साथ खेती और खासतौर से प्राकृतिक खेती की ओर रुझान दिख रहा है। यह प्रशंसनीय है। राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि कल्याण ■ शेष पृष्ठ 9 पर

सुबह 10 बजे शुरू होने चाहिए सरकारी दफ्तरः सीएम ने कहा है कि पूरे प्रदेश में शासकीय कार्यालयों में सुबह 10 बजे से काम प्रारंभ होना चाहिए। अधिकारी ये भी सुनिश्चित करें कि विकास कार्य और योजना क्रियान्वयन में कोई अनियमितता नहीं होनी चाहिए और जवाबदेही तय की जाए। सीएम वरिष्ठ अधिकारियों को शासकीय कार्यालयों में 5 दिवसीय सप्ताह की कार्य व्यवस्था को लेकर चर्चा कर रहे थे।

षडयंत्र एक तो एफआईआर भी 1 ही काफीः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अन्य ऐतिहासिक फैसले में कहा है अगर एक ही षडयंत्र से बहुत अधिक लोगों के साथ अपराध हुआ हो तो ऐसे मामलों में एक सभी पीड़ितों की अलग-अलग एफआईआर की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में एक ही एफआईआर काफी है। एक एफआईआर दर्ज करके दूसरे पीड़िता को 161 के बयानों के आधार पर उसी एफआईआर में जोड़ लिया जाए। यह निर्णय अदालत ने दिल्ली राज्य यानी एफआईआर की अपील की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने अपील को स्वीकार कर लिया और कहा कि ऐसे मामलों में जहां एक ही आपराधिक साजिश रची गई हो और उसके कारण बड़ी संख्या में निवेशकों के साथ धोखाधड़ी हुई हो तो ऐसे मामलों में एक स्र्ह्वक्रदर्ज करना और दूसरी शिकायतों को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के तहत बयान के तौर पर मान लेना या केस डायरी में दर्ज कर देना कानूनी तौर पर सही है।

उदाहरण के लिए कॉलोनी बनाने के लिए किसी ने कोई फ्रॉड किया तो ऐसे मामलों में सभी पीड़ितों को एफआईआर दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होगी। एक ही एफआईआर में सभी के बयान दर्ज कर लिए जाएंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला निरस्त

शीर्ष अदालत ने वर्ष 2019 में दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को निरस्त कर दिया जिसमें प्रत्येक निवेशक के लिए अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की बात कही गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट का निर्देश
जामा मस्जिद के आसपास अतिक्रमण पर सर्वे होगा

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाई कोर्ट ने शाही जामा मस्जिद के आसपास मौजूद अवैध अतिक्रमण और एमसीडी पार्क से जुड़े मामलों पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने दिल्ली नगर निगम को निर्देश दिया है कि वह मस्जिद के आसपास के क्षेत्रों खासतौर पर पार्क और सार्वजनिक स्थानों का दो महीने के भीतर सर्वे कराए और रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। यदि सर्वे में अवैध निर्माण या अतिक्रमण पाए जाते हैं, तो कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाए। यह आदेश अदालत ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने जामा मस्जिद के गेट नंबर 3, 5 और 7 के आसपास अवैध कब्जे हटाने की मांग की थी।

स्मृति शेष — प्रख्यात कथाकार-संपादक ज्ञानरंजन ने 90 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस
साठोत्तरी कहानी आंदोलन के थे अग्रणी लेखक

जबलपुर, जेएनएन। पहल के संपादक और विख्यात कथाकार ज्ञानरंजन का 7 जनवरी को रात 10.30 बजे जबलपुर में निधन हो गया। वे 90 वर्ष के थे। सुबह ही उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। सातवें दशक के यशस्वी कथाकार ज्ञानरंजन ने 'घंटा', 'बहिर्गमन', 'अमरूद' और 'पिता' जैसी कहानियों के माध्यम से हिंदी कहानी लेखन को एक नया गद्य दिया। मध्यवर्गीय पात्रों के जीवन के तमाम विरोधाभासों को अभिव्यक्त करने का भाषिक हुनर कथाकारों को दिया। उनकी बहुचर्चित कहानियां समकालीन सामाजिक जीवन की अनेकानेक विरूपताओं का खुलासा करती हैं।

मध्यवर्ग की नई पीढ़ी की सोच को ज्ञानरंजन ने बखूबी पकड़ा और अपनी कहानियों में में उसे ढाला भी। उनकी कहानी 'पिता' इस बात की पुष्टि करती है। वस्तुतः आर्थिक विडंबनाओं से घिरा मध्यवर्ग सामान्य जन से न जुड़कर जिन बुराइयों और भटकावों का शिकार है, ज्ञानरंजन की कहानियां उसके विविध पहलुओं का अविस्मरणीय साक्ष्य पेश करती हैं। साथ ही वे समाज के सभी वर्गों की मनः स्थितियों का मंथन करते रहते हैं। साहित्यिक पत्रिका 'पहल' को ज्ञानरंजन के संपादन ने बहुत ऊंचा मुकाम दिलाया। साठोत्तरी प्रगतिशील कथा-साहित्य में ज्ञानरंजन की कहानियों का महत्वपूर्ण स्थान है।

21 नवंबर, 1936 को महाराष्ट्र के अकोला में पैदा हुए ज्ञानरंजन का बचपन और किशोरावस्था अधिकांशतः दिल्ली, अजमेर और बनारस में बीता और उच्च शिक्षा इलाहाबाद में संपन्न हुई। प्रकाशित संग्रह के रूप में ज्ञानरंजन के छह कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं, लेकिन यह बहुचर्चित तथ्य है कि इनकी कहानियों की कुल संख्या 25 है, जो कि सपना नहीं नामक संकलन में एकत्र प्रकाशित हैं। कहानियों के अतिरिक्त भी साहित्य की कई विधाओं में ज्ञानरंजन ने लेखन किया। ज्ञानरंजन की कहानियों का हिंदी से इतर कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद तो हुआ ही इसके अतिरिक्त अनेक विदेशी भाषाओं में भी उनकी रचनाएं अनूदित हो चुकी हैं। भारतीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त ओसाका, लंदन, सैनफ्रांसिस्को, लेनिनग्राद, और हाइडेलबर्ग आदि के अनेक अध्ययन केंद्रों के पाठ्यक्रमों में भी इनकी कहानियां शामिल हैं।

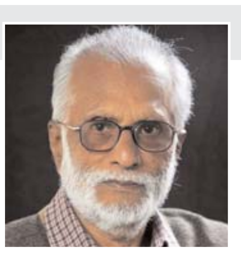

अनेक पुरस्कारों से सम्मानित

ज्ञानरंजन को साहित्य साधना के लिए अब तक 'सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड', उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान का 'साहित्य भूषण सम्मान', 'अनिल कुमार और सुभद्रा कुमारी चौहान पुरस्कार', मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का 'शिखर सम्मान', 'सुदीर्घ कथा साधना', सृजनशीलता और बहुआयामी कार्यनिष्ठा के लिए वर्ष 2001-2002 के राष्ट्रीय 'मैथिलीशरण गुप्त सम्मान' से सम्मानित किया जा चुका है।

फरवरी के प्रथम पखवाड़े में आयोजित हो सकता विधानसभा का बजट सत्र, तैयारियां शुरू

सरकार बताएगी योजनाओं में कितनी राशि हुई खर्च

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभा का बजट सत्र अगले माह फरवरी के प्रथम पखवाड़े में आहुत किया जा सकता है। इसके लिए विधानसभा सचिवालय ने जहां अपनी तैयारी प्रारंभ कर दी हैं, तो वहीं राज्य सरकार का वित्त विभाग भी अगला बजट तैयार करने को लेकर सक्रिय हो गया है। जानकारों की मानें तो सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। सत्र से पहले विभाग पारदर्शिता लाने के लिए योजनाओं को कितना बजट दिया गया, इसके बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराएगी। कृषि कल्याण वर्ष की रणनीति भी तैयार की जा रही है। सरकार ने सभी विभागों से कहा है कि उनके द्वारा एक साल में किन योजनाओं पर कितना बजट खर्च किया है और उससे कितने लोगों को रोजगार मिल सका है इसकी जानकारी दें। सरकार अगले बजट भाषण के दौरान इस बात की जानकारी भी देगी,जिससे

योजनाओं के क्रियान्वयन और पारदर्शिता की बात सार्वजनिक हो सकेगी। वित्त विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों से सवाल पूछा कि उनके द्वारा अगले एक साल में कौन से नवाचार किए जाएंगे और विभाग का राजस्व कैसे बढ़ पाएगा ये सभी जानकारी 15 जनवरी तक मांगी है। इसमें सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अफसरों से कहा गया है कि नई योजनाओं की जानकारी इसमें शामिल की जाएं इसलिए नई योजनाओं की डिटेल भी भेजना है।

19 जनवरी से एसीएस अधिकारियों से करेंगे चर्चा: जानकारों की मानें तो अगले बजट को लेकर वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्षों के साथ चर्चा करेंगे। यह चर्चा 29 जनवरी तक जारी रहेगी। इसके उपरांत बजट को लेकर विभाग मंत्रियों के साथ भी मंत्रणा करेंगे। पहले राज्य के 32 विभागों के साथ होने वाला मंथन 12 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रस्तावित थीं, लेकिन अब इन्हें 19 जनवरी से 29 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा।

रोलिंग बजट पर भी होगी चर्चा: जानकारी के अनुसार अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान अगले वित्तीय बजट वर्ष 2026-27 के अलावा अगले दो वर्ष यानि कि 2027-28 और वर्ष 2028-29 के रोलिंग बजट को लेकर भी मंथन किया जाएगा।

झुग्गीमुक्त शहर बनाने की रणनीति पर भी फोकस

अधिकारियों की मानें तो सरकार ने नगरीय प्रशासन विभाग को साफ तौर पर बता दिया है कि मौजूदा वित्तीय वर्ष में प्रदेश को पूरी तरह से झुग्गी मुक्त राज्य बनाना है। इसके लिए नगरीय प्रशासन के अलावा दूसरे संबंधित विभागों से भी कार्ययोजना मांगी गई है। इसके अलावा गौ-वंश संवर्धन एवं संरक्षण, गौ-चर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं, इसकी जानकारी दी जाए। साथ ही शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए की गई कार्रवाई और कितनी भूमि तथा कितने मूल्य की भूमि अतिक्रमण से मुक्त हुई है, इसका ब्योरा भी देना होगा।

प्राकृतिक उत्पादों के लिए जिला स्तर पर बनाए जाएंगे स्टॉल: मुख्यमंत्री

वीबी-जी रामजी योजना को लेकर प्रदेश सरकार ने रखा पक्ष

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खेती के उत्पादक को बाजार उपलब्ध कराने जिला स्तर पर भी स्टॉल लगाए जाएंगे। सरकार जल्द कृषि वर्ष के दौरान किसानों के हितों के लिए आवश्यक निर्णय लेने के लिए जहां सर्वदलीय बैठक बुलाएगी, तो विशेषज्ञों और किसानों से भी सुझाव लिए जाएंगे। सीएम बुधवार को भाजपा मुख्यालय में पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और सरकार के तीन वरिष्ठ मंत्रियों के साथ वीबी-जी रामजी योजना को लेकर पत्रकारों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को भौगोलिक स्थिति का फायदा जी राम जी बिल के क्रियान्वय के दौरान मिलेगा।

सरकार ने इस योजना में 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई,जबकि मनरेगा में 100 ही काम देने का प्रावधान था। कांग्रेस के शासनकाल में इस योजना में 35 हजार करोड़ मिलते थे, जिसे बढ़ाकर केन्द्र ने 74 हजार करोड़ कर दिए है और अब सुधारों के साथ बजट 95 हजार करोड़ कर दिया है, जो कांग्रेस की सत्ताकाल से तीन गुना अधिक है। प्रधानमंत्री महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को जमीन पर उतार रहे हैं। सीएम ने बताया कि कृषि वर्ष 2026 में कृषि को उद्योग और रोजगार से जोड़कर सरकार किसानों की आय बढ़ाने का कार्य करेगी। कृषि वर्ष में वीबी-जी रामजी योजना से कृषि आधारित उद्योगों को नया विस्तार मिलेगा। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 15 विभागों की संयुक्त कार्ययोजना बनाकर कृषि को रोजगार और उद्योग का सशक्त माध्यम बनाएगी। यह सुधार प्रक्रिया का एक हिस्सा है, कांग्रेस को इस योजना का विरोध की बजाय तथ्यात्मक बात करनी चाहिए। सीएम ने कहा कि नई योजना में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब वर्ष में कभी भी मजदूरी प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र सरकार 60 और राज्य सरकार 40 प्रतिशत की राशि वहन करेगी। कई मामलों में पहले केंद्र सरकार ही निर्णय लेता था, लेकिन अब राज्य सरकारें भी गांवों और ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास को ध्यान में रखकर कार्यों को शामिल कर सकते हैं। प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि वीबी-जी रामजी अधिनियम से गांवों में अधोसंरचना का विकास होगा और विकास की नई क्रांति आएगी। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को धरातल पर उतारने वाला राष्ट्रीय स्तर का मिशन है।

एक मौत भी कष्टदायक : सीएम

एक सवाल पर सीएम डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौत संवेदनशील मुद्दा है। एक व्यक्ति की मौत भी हमारे लिए कष्टदायक है। उन्होंने कहा कि हम आंकड़ो पर नहीं जाएंगे,यह एक संवेदनशील मुद्दा है,जिन लोगों ने पोस्टमार्टम करवाया है,उन सभी को राहत प्रदान की जाएगी।

अतिथि विद्वानों के लिए हरियाणा मॉडल लागू करने बनी कमेटी

स्थायीकरण सहित अन्य सुविधाएं देने की तैयारी कर रहा उच्च शिक्षा विभाग

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के सरकारी कालेजों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए हरियाणा सरकार की तर्ज पर नीति तैयार करने उच्च शिक्षा विभाग ने सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन कर दिया है। कमेटी में एमवीएम कालेज के डॉ अनिल राजपूत को संयोजक और अजय भारद्वाज व डॉ. हरिकृष्ण गर्ग को सदस्य बनाया गया था।

इसमें वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए महिला और आरक्षित वर्ग को शामिल नहीं किया गया। इससे समिति पर सवालिया निशान लगाना शुरू हो गए। इसमें डॅ. राजपूत जूनियर होने के बाद संयोजक बना दिए गए। जबकि डॉ गर्ग को सीनियर होने के बाद भी सदस्य बनाया गया था। गलती का अहसास होने के बाद विभाग ने नई समिति का गठन कर दिया है। इसमें चार कालेजों के सात प्रोफेसरों को रखा गया है। अब समिति का संयोजक एमएलबी कालेज की डॉ. भारती जैन को बनाया गया है। उनके सहयोगी सदस्यों में विषय विशेषज्ञ के तौर पर एक्सीलेंस कॉलेज से डॉ हरिकृष्ण गर्ग और अजय कुमार भारद्वाज, नूतन कॉलेज से डॉ. सीमा हाडिकर और डॉ. डेनियल ग्लांस डैनी, एमबीएम कॉलेज से डॉ. महेंद्र मेहरा और एमएलबी से डॉ. भूपेंद्र झा को शामिल किया गया है। आदेशानुसार समिति को छह और सात जनवरी तक अपनी रिपोर्ट तैयार कर विभाग को सौंपना थी, जो अभी तक नहीं दी गई है। क्योंकि हरियाणा मॉडल का परीक्षण करने में कमेटी को समय लग रहा है, जिसके चलते यह रिपोर्ट अगले सप्ताह विभाग को दी जाएगी। रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद शासन हरियाणा माडल को लागू करने की कार्रवाई शुरू करेगा।

हरियाणा सरकार की पॉलिसी: हरियाणा सरकार ने रिक्त पदों के विरुद्ध पिछले पांच वर्षों से कार्यरत अतिथि विद्वानों को यूजीसी योग्यता के आधार पर न्यूनतम वेतनमान 57 हजार 700 पर रिटायरमेंट उम्र तक स्थायित्व कर दिया है। वर्ष में जनवरी और जुलाई के प्रथम दिन से प्रभावी महंगाई भत्ते की प्रतिशतता के अनुसार वृद्धि का प्रावधान किया है।

पीएम को पटवारी ने लिखा पत्र

विसं, भोपाल। इंदौर में दूषित पानी से हुई मौत मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है। पटवारी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर निवेश के संबंध में श्वेत पत्र जारी करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि फरवरी 2025 में भोपाल में हुए ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के बाद मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निवेश प्रस्ताव के दावे को झूठे आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। पटवारी ने पत्र में लिखा वित्तीय वर्ष 2025 में अप्रैल से दिसंबर के दौरान देशभर में 26.6 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आए। इनमें आंध्र को 25.3 प्रतिशत, ओडिशा को 13.1 प्रतिशत, महाराष्ट्र को 12.8 प्रतिशत, तेलंगाना को 9.5 प्रतिशत और गुजरात को 7.1 प्रतिशत निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

सरकारी दफ्तरों में बिना दस्तावेज नहीं चलेंगे वाहन

विसं भोपाल। अब प्रदेश के किसी भी शासकीय दफ्तरों के वाहन बिना वैध दस्तावेजों के सड़क पर नहीं दौड़ पाएंगे। इस संबंध में परिवहन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। जिसमें विभागों, निगमों एवं निकायों द्वारा अनुबंधित वाहनों के लिए आदेश जारी किए है। आदेश के मुताबिक अब किसी भी शासकीय विभागों द्वारा सीधे अथवा निजी एजेंसियों के माध्यम से उपयोग में लाए जाने वाले मालवाहक एवं यात्री वाहनों के सभी वैधानिक दस्तावेज अनुबंध से पूर्व और वाहन उपयोग की संपूर्ण अवधि के दौरान वैध होना अनिवार्य होगा। विभागों को भुगतान से पहले भी इन दस्तावेजों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में साफ किया है कि खनिज अथवा अन्य सामग्री के परिवहन के लिये जारी की जाने वाली अनुमति संबंधित वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक नहीं होनी चाहिए। अनुबंधित वाहनों द्वारा नियमानुसार मोटरयान कर का भुगतान किया गया होना चाहिए। सभी विभागों, निगमों एवं निकायों को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे अपने यहां अनुबंधित अथवा एजेंसियों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे वाहनों के संबंध में परिवहन आयुक्त कार्यालय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

दुर्घटना में क्षतिपूर्ति सुनिश्चित करने सरकार का बड़ा फैसला

भोपाल में डीजी, स्पेशल डीजी और एडीजी स्तर के सीनियर आईपीएस अफसरों की पदस्थापना पर सवाल

जेल विभाग में दो डीजी, जबकि पीएचक्यू में 6 एडीजी के पास कई ब्रांच

मुख्य संवाददाता, भोपाल। भोपाल में डीजी, स्पेशल डीजी और एडीजी स्तर के सीनियर आईपीएस अफसरों की पदस्थापना पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सरकार के नजरिए से बेहद अहम कई प्रमुख ब्रांच में जहां एडीजी स्तर के अफसर पदस्थ हैं, वहीं कुछ अधिकारियों के पास तो कई शाखाओं की जिम्मेदारी है। इससे उलट जेल विभाग में दो आईपीएस अधिकारी महानिदेशक के पद पर पदस्थ हैं। यहां 1991 बैच के डीजी जेल वरुण कपूर और 1992 बैच के स्पेशल डीजी जेल के रूप में जी अखितो सेमा पदस्थ हैं। वरुण कपूर की तैनाती यहां गोविंद प्रताप सिंह के रिटायर होने के बाद की गई है। इससे उलट पीएचक्यू में स्पेशल डीजी और एडीजी स्तर के कई अफसरों के पास एक से अधिक शाखाओं की अहम जिम्मेदारी है। आलम ये है कि जिन प्रमुख शाखाओं में डीजी और स्पेशल डीजी स्तर के अफसर होने चाहिएं वहां भी एडीजी स्तर के अफसर काम संभाल रहे हैं। पीएचक्यू में फिलहाल सबसे ज्यादा अतिरिक्त प्रभार देव प्रकाश (डीपी) गुप्ता के पास हैं। वे शिकायत एवं मानवाधिकार शाखा के अलावा कम्युनिटी पुलिसिंग, आरटीआई, लोक सेवा गारंटी, कॉऑपरेटिव फ्रॉड, पुलिस मैनुअल, आरएंडडी, और पुलिस रिफॉर्म्स जैसी सात शाखाओं का प्रभार संभाल रहे हैं।

वरुण कपूर

जी अखितो सेमा

दो माह की जनसुनवाई में 3 अफसर तैनात

एडीजी कंप्लेन बनने के बाद डीजी गुप्ता ने नवंबर माह में जनसुनवाई की कमान संभाली, लेकिन पहली बार जनसुनवाई के बाद वे स्वास्थ्य कारणों से लंबे अवकाश पर गए। इस कारण पिछले दो माह में पुलिस मुख्यालय में होने वाली जनसुनवाई भी प्रभावित हुई। उनके छुट्टी पर होने के कारण यहां पहले तो पूर्व में इस शाखा का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे एडीजी राजाबाबू सिंह को भेजा गया था। इसके बाद एडीजी टेक्निकल सर्विस और नारकोटिक्स केपी वेंकटेश्वर राव को जनसुनवाई में भेजा गया। इसी तरह एक से अधिक शाखाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे आला अफसर जब अवकाश पर रहते हैं तो उन शाखाओं से जुड़े रुटीन कामकाज और सरकारी पत्राचार एवं अहम फैसलों में भी देरी हो रही है।

आईपीएस मीट के बाद बदलाव, केंद्र से लौटे दो एडीजी को पदस्थापना का इंतजार

इस मामले को लेकर गृह विभाग के अफसरों से लेकर पीएचक्यू के आला अधिकारी इसे सरकार की व्यवस्था बताकर कुछ भी कहने से पल्ला झाड़ रहे हैं। हालांकि नए साल में पुलिस महकमे के आला अफसरों की नए सिरे से जमावट को लेकर लंबे समय से कवायद जारी है और उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी 16 और 17 जनवरी को भोपाल में होने वाली आईपीएस मीट के बाद पुलिस इन सीनियर आईपीएस अफसरों की नई पदस्थापना कर सकती है। इसके अलावा केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर गए एडीजी स्तर के दो अधिकारी डी श्रीनिवास वर्मा और अंशुमान यादव भी एक माह पहले पीएचक्यू में अपनी आमद दे चुके हैं। इन दोनों अफसरों को भी अब तक कोई जिम्मेदारी नहीं मिली है।

अंशुमान यादव

डी श्रीनिवास वर्मा

पीएचक्यू में इन अफसरों के पास एक से अधिक प्रभार

नाम	पदनाम	अति प्रभार
पंकज श्रीवास्तव	एसडीजी एंटी नक्सल	एसडीजी एसटीएफ, एसडीजी सीआईडी
अनिल कुमार	एसडीजी महिला सुरक्षा	एसडीजी कल्याण
डीपी गुप्ता	एडीजी शिकायत एवं मानवाधिकार	एडीजी कम्युनिटी पुलिसिंग, एडीजी आरटीआई एडीजी लोक सेवा गारंटी, एडीजी कॉऑपरेटिव फ्रॉड एडीजी पुलिस मैनुअल, आरएंडडी, एडीजी पुलिस रिफॉर्म्स
ए सांई मनोहर	एडीजी इंटेलिजेंस	एडीजी सायबर
केपी वेंकटेश्वर राव	एडीजी टेक्निकल सर्विस	एडीजी नारकोटिक्स
योगेश चौधरी	एडीजी प्रॉविजन	एडीजी प्लानिंग
मो शाहिद अबसार	एडीजी चयन एवं भर्ती	एडीजी पीटीआरआई एवं डायरेक्टर पुलिस अकादमी भौंरी
प्रमोद वर्मा	एडीजी जबलपुर रेंज	एडीजी शहडोल रेंज

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्वाचन पर फिर सवाल, हाई कोर्ट में याचिका क्लब

जागरण, जबलपुर। मध्य प्रदेश की सुरखी विधानसभा से भाजपा विधायक और राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्वाचन को लेकर एक बार फिर संवैधानिक सवाल खड़े हो गए हैं। कांग्रेस प्रत्याशी रहे नीरज शर्मा द्वारा दायर नई याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव के समय गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी संपत्ति का सही विवरण नहीं दिया। इस संबंध में इलेक्शन कमीशन को दी गई शिकायत पर वर्षों से कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में इलेक्शन कमीशन पर निष्क्रियता का भी आरोप लगाया गया है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान इलेक्शन कमीशन व राजपूत की ओर से याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सवाल उठाए गए। अधिवक्ताओं ने दलील दी कि शिकायत पहले से इलेक्शन कमीशन में लंबित है. सरकार को पक्षकार नहीं बनाया गया है और इसे जनहित याचिका के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जबकि यह व्यक्ति विशेष से प्रेरित है। कोर्ट ने इन दलीलों के बावजूद याचिका को निरस्त करने से इनकार कर दिया और मीडिया रिपोर्टिंग पर रोक लगाने के मौखिक आग्रह को भी अस्वीकार कर दिया।हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रतिनिधित्व को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता।

सशक्तिकरण में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका अहम

विसं, भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि शिक्षा, नशा मुक्ति और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल समाज को नई दिशा मिलती है, बल्कि प्रदेश और देश के विकास में भी ठोस योगदान मिलता है। मंत्री सुश्री भूरिया आईएचएम भोपाल में ऊर्जस्विता 2026 को संबोधित कर रही थी। मंत्री भूरिया ने बताया कि बाल संरक्षण एवं बाल देखरेख से जुड़े बच्चों के लिए विभाग पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम, स्पॉन्सरशिप एवं फोस्टर केयर तथा बाल कोविड योजना के माध्यम से निरंतर लाभ पहुँचा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने मध्यप्रदेश बाल संरक्षण नीति-2020 को लागू कर बच्चों के अधिकारों की रक्षा और उनकी देखरेख को सुनिश्चित किया है। मंत्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के विजन की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पशुपालन राच्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल अपने संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश शासन महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

25 महिलाओं का सम्मान

भूरिया ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली 25 महिलाओं को सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभाओं से आग्रह किया कि वे अपने ज्ञान और अनुभव से आमजन को भी जोड़ें, जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

एमपी की पर्वतारोही बेटी का डीजीपी ने किया सम्मान

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मैहर की जांबाज बेटी और अंतरराष्ट्रीय पर्वतारोही अंजना सिंह ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी कैलाश मकवाणा से मुलाकात की। इस दौरान डीजीपी ने अंजना सिंह को उनकी असाधारण उपलब्धि और सामाजिक सरोकार के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अंजना सिंह ने अपने अबियान में न केवल केवल यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस को फतह किया, बल्कि वहां से मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष अभियान नशे से दूरी है जरूरी का बैनर लहराकर दुनिया को नशे के दूर रहने का संदेश बी दिया था। डीजीपी ने इस दौरान कहा कि अंजना जैसी बेटियों के प्रयास युवाओं को प्रेरित करने और नशामुक्त समाज के निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

साधारण परिवार से निकल किलिमंजारो तक का सफर : मैहर जिले की अमरपाटन तहसील के बेंदुरा कला गांव की रहने वाली अंजना सिंह एक सामान्य परिवार से आती हैं, लेकिन उन्होंने पर्वतारोहण के जरिए कई ऊंची चोटियों पर जीत हासिल की है। वे पिछले साल 26 जनवरी को अफ्रीका के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट किलिमंजारो पर तिरंगा लहरा चुकी हैं। इसके बाद अंजना ने पिछले साल ही 27 जुलाई को यूरोप के शिखर माउंट एलब्रुस पर सफलता पूर्वक चढ़ाई पूरी की। इसके अलावा वे हिमालय की फ्रेंडशिप चोटी और शिनकुन ईस्ट जैसी दुर्गम चोटियों को भी फतह कर चुकी हैं।

मेट्रो की अंडरग्राउंड लाइन के लिए स्टेशन बॉक्स बनाने का काम तेज

भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 के सामने 18 मीटर तक की गई खुदाई, यहीं से अंदर जाएगी टीबीएम

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुल पातरा से सिंधी कॉलोनी बड़ा बाग तक बनने वाले 3.39 किमी लंबे मेट्रो की अंडरग्राउंड लाइन से पहले भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 के सामने स्टेशन बॉक्स बनाने का काम तेजी से चल रहा है। वर्तमान में मेट्रो की सुरंग और भूमिगत स्टेशन को बनाने के लिए नीचे की ओर 18 मीटर तक खुदाई करने के बाद डायफ्राम दीवारों का भी काम पूरा कर दिया गया है। 18 मीटर तक खुदाई के बाद डायफ्राम दीवारें बनाने के लिए नीचे से ऊपर की ओर क्रांक्रीट की दीवार खड़ी की जाती है। दीवार को मजबूती देने के लिए नीचे की ओर एंकर भी लगाए जाते हैं। ताकि अंडर ग्राउंड काम सुरक्षित और कुशल तरीके से किया जा सके। बता दें कि इस काम के पूरा होने के बाद मार्च महीने में इसी जगह से टनल बोरिंग मशीन टीबीएम को अंदर भेजा जाएगा और दो टीबीएम मशीनें 3.39 किमी लंबी दो टनल खोदने का काम करेंगी।

छाया : एचसी वर्मा

7 माह में होगा रूट का काम पूरा

भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6, पुट्ठा मिल के पास और सिंधी कालोनी स्थित बड़ा बाग में स्टेशन बॉक्स का काम चल रहा है। यह पूरा होने के बाद भोपाल रेलवे स्टेशन से टीबीएम मशीनों को अंडर ग्राउंड वर्क के लिए भेजा जाएगा। यह मशीनें पुल पातरा से लेकर बड़ा बाग तक दो टनल बनाने का काम करेंगी। प्रत्येक मशीन रोज 15 मीटर खुदाई करेगी। इस हिसाब से एक टनल को पूरा होने में लगभग 7 माह का समय लग सकता है। अन्य कामों को मिलाकर लगभग एक साल में अंडर ग्राउंड रूट का काम पूरा कर लिया जाएगा।

इन मुख्य प्रक्रियाओं और तकनीकों से होंगे काम

■ कट एंड कवर ■ स्टेशन बॉक्स के लिए खुदाई ■ डायफ्राम दीवारों का निर्माण ■ बेस, साइड वॉल, कॉनकोर्स, रूफ का निर्माण ■ टीबीएम का उपयोग कर सुरंग व लाइनिंग का निर्माण ■ क्रॉस पैसेज का निर्माण

अगले एक साल में इन तकनीकों का होगा उपयोग

अगले एक साल में सुरक्षित और आधुनिक अंडर ग्राउंड टनल बनाने के लिए कई आधुनिक काम एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन द्वारा किए जाएंगे।

स्ट्रटिंग : खुदाई की गई दीवारों को आपस में जोड़ने और सहारा देने के लिए क्षैतिज बीम लगाए जाएंगे।

मिट्टी सुधार : जरूरत पड़ने पर ग्राउटिंग या जेट ग्राउटिंग तकनीक के जरिए मिट्टी को मजबूत किया जाएगा।

क्रॉस पैसेज : अंडर ग्राउंड टनल को जोड़ने वाले रास्ते भी खोदे जाते हैं।

वेंटिलेशन सिस्टम का विकास : भूमिगत स्टेशनों और सुरंगों में ताजी हवा लाने और दूषित हवा बाहर निकालने के लिए शक्तिशाली, रिवर्सिबल पंखों और डक्ट्स का उपयोग किया जाता है।

भू-तकनीकी निगरानी : इनक्लाइनोमीटर, पाइजोमीटर और स्ट्रेन गेज का उपयोग करके जमीन के मूवमेंट, भूजल स्तर और संरचनाओं की निगरानी की जाती है, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संक्षिप्त खबरें

मध्य प्रदेश का प्रथम बर्ड फेस्टिवल भोपाल में 9 से

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में प्रदेश का पहला बर्ड फेस्टिवल 9 जनवरी से आयोजित किया जा रहा है। बता दें कि तीन दिवसीय बर्ड फेस्टिवल का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड और क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय संयुक्त तत्वावधान में प्रथम बर्ड फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। इस बर्ड फेस्टिवल का उद्देश्य पक्षियों के प्रति आमजन में जागरूकता लाना और भोपाल को प्रमुख पक्षी क्षेत्र के रूप में विश्व स्तर पर स्थापित करना है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के पक्षी विशेषज्ञ अपना प्रस्तुतिकरण देंगे साथ ही बर्ड वॉक, नुक्कड़ नाटक, फैंसी ड्रेस एवं विभिन्न प्रदर्शनियां भी आयोजित की जाएंगी। क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय में कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यप्राणी शुभरंजन सेन और मप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड के सदस्य सचिव अजय यादव द्वारा 9 जनवरी को किया जाएगा।

सिलेंडर से गैस रिफलिंग करते तीन युवक पकड़ाए

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। घरेलू सिलेंडर से अवैध गैस रिफलिंग करते तीन युवकों को कोलार रोड पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे 92 सिलेंडर जब्त कर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों से 407 वाहन समेत दो बाइक भी जब्त की हैं। कोलार रोड थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि बुधवार को मुखबिर की सूचना पर सीआई स्टेट रोड पर यह कार्रवाई की है। यहां एक सुनसान जगह पर चार पहिया वाहन में भरे घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध गैस रिफलिंग की जा रही थी। मौके से दोनों विभाग के अधिकारी आए। टाटा 407 में भरे घरेलू प्रवर्ग के इंडेन कंपनी के गैस सिलेंडरों को चेक किया गया। अधिकारियों ने पाया कि 16 गैस सिलेंडरों में निर्धारित मानक से कम गैस थी। मौके पर पंचनामा कार्रवाई की गई। आरोपियों के कब्जे से 92 गैस सिलेंडर, टाटा 407, दो बाइक, तौल कांटे, दो गैस अतंरण की वंशी एवं डिलेवरी बिल की छायाप्रति जब्त की। आरोपियों की पहचान नितेश पराडकर (27), ऋषिराज कुशवाहा (32) और गोपाल प्रजापति (24) के रूप में हुई।

घर के बाहर खड़ी दो बाइक में बदमाशों ने लगाई आग

जागरण, भोपाल। चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी बाइक को बदमाशों ने आग लगा दी। बाइक जलकर खाक हो गई। आग की चपेट में एक दूसरी बाइक भी आ गई। पुलिस के अनुसार पार्थ ठाकुर पिता वंशीलाल मूल रूप से रायसेन का रहने वाला है। वह सी सेक्टर में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करता है और एक्सीलेंस कॉलेज का स्टूडेंट है। मंगलवार रात साढ़े 12 बजे घर के बाहर खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात आरोपी ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटों ने पास में खड़ी दूसरी गाड़ी को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। बाद में युवक ने थाने पहुंचकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी की पहचान कर रही है।

ईरानी डेरा : गिरफ्तार 32 में से 14 लोगों को दो दिन में मिली जमानत

कोर्ट में हेराफेरी कर ली जमानत, मृत व्यक्ति को जमानतदार बनाकर कोर्ट में किया प्रकट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। लूट, चोरी और हेराफेरी के लिए कुख्यात ईरानियों ने कोर्ट में भी अपनी होशियारी दिखा दी। पुलिस द्वारा गिरफ्तार 32 लोगों में से 14 को दो दिन में जमानत दे दी गई। यह जमानत फर्जी जमानतदार के आधार पर दी गई। इसमें एक जमानत उस व्यक्ति के नाम पर ली गई जिसकी दो साल पहले मौत हो चुकी है। उसके स्थान पर किसी अन्य को खड़ा किया गया। मृतका का बेटा, पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र लेकर सामने आया।

दूसरी जमानतः फर्जी महिला को खड़ा कर ली, असली बोली-आज तक नहीं गई कोर्ट

दूसरी जमानत एक फर्जी महिला के नाम पर ली गई। असली महिला कभी कोर्ट ही नहीं गई। उसके स्थान पर किसी अन्य महिला को खड़ा कर जमानत कराई गई। इस फर्जीवाड़े का खुलासा होने से जमानत पर गए 14 लोगों के लिए संकट खड़ा हो गया है। पुलिस ने कोर्ट में आवेदन देकर बताया कि फर्जी जमानतदार पेश कर जमानत ली गई है। पुलिस ने जमानत रद्द करने के लिए कोर्ट से अपील की है। अब देखना होगा कि फर्जी जमानतदार और वकील के खिलाफ कोर्ट क्या कार्रवाई करता है? जानकारी के मुताबिक, 28 दिसंबर 2025 की देर रात पुलिस ने ईरानी डेरा से 32 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसमें 10 महिलाएं शामिल

थीं। ईरानियों की ओर से कोर्ट में वकील अली ने जमानत के लिए याचिका दायर की थी। सोमवार और मंगलवार को कोर्ट से महिला समेत 14 लोगों को जमानत दी गई। सभी को 25-25 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दी गई। एक जमानतदार जमील उर रहमान को बताया। जबकि असली जमील की दो साल पहले मौत हो चुकी है। उसके स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को कोर्ट में खड़ा कर फर्जी जमानत ली गई। दूसरी जमानत एक महिला के नाम से ली गई। पुलिस को जांच में पता चला कि असली महिला आजतक कोर्ट नहीं गई। उसके स्थान पर फर्जी महिला को खड़ा किया था। फर्जीवाड़े का खुलासा होने पर पुलिस ने न्यायालय से जमानत निरस्त कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की है। बुधवार को अन्य 18 लोगों की जमानत पर सुनवाई होनी थी। लेकिन फर्जीवाड़ा उजागर होने पर यह सुनवाई टाल दी गई।

पूरे दमखम के साथ कार्रवाई

केंद्रीय गृह मंत्रालय भी ईरानी गैंग पर नजर रख रही है। पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुके ईरानी डेरा पर फिर से एकबार कड़ी कार्रवाई हो सकती है। यह कार्रवाई पूरे दमखम के साथ हो सकती है। इस बार शासन-प्रशासन की टीम एकसाथ हो सकती हैं जो इस बार नहीं हो पाई थीं। हम बता दें कि ईरानी डेरा के बदमाशों के कारण राजधानी पुलिस की पूरे देश में बदनामी हुई है। निशातपुरा पुलिस पर खासे आरोप लगे हैं। अन्य राज्यों के आरोपियों के लिए फरारी काटने का अड्डा बनता जा रहा था।

दो गुर्गों ने बांदा में 10 तोला सोना ठगा

मामले में पुलिस को ईरानी डेरा के सरगना मोस्ट वांटेड राजू ईरानी की तलाश है। भोपाल पुलिस समेत अन्य राज्यों की पुलिस को उसकी तलाश है। पुलिस को उसकी आखिरी लोकेशन गुजरात में मिली थी। इस बीच उसकी गैंग के दो गुर्गों ने यूपी के बांदा में सोमवार को एक ज्वैलर्स को 10 लाख रुपए की चपेट लगा दी। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। फुटेज से उनकी पहचान राजू ईरानी के करीबी तरू उर्फ सरताज ईरानी और तकदीर ईरानी के रूप में हुई है। 10 तोला ठग कर दोनों आरोपी फरार हो गए।

बीयू के धावकों की उड़ान रोक रहे हैं पीडब्ल्यूडी के हेलीपैड

एथलेटिक ट्रैक तैयार कराने छात्रों ने किया प्रदर्शन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि में विद्यार्थियों को खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी करने के लिए सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक नहीं है। वे बीयू से 15 किमी दूर टीटी नगर स्टेडियम तक जाते हैं, जबकि बीयू के पास ट्रैक तैयार करने के लिए बजट है। यह ट्रैक बीयू के खाली मैदान में तैयार किया जाएगा। उक्त मैदान पर पीडब्ल्यूडी के तीन हेलीपैड बने हैं। ट्रैक तैयार कराने की मांग को लेकर बुधवार को छात्रों ने बीयू रजिस्ट्रार समर बहादुर सिंह के कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। रजिस्ट्रार ने कहा कि मांगों का 15 दिन में निराकरण किया जाएगा। बता दें कि बीयू को पीएम ऊष के लिए खेल सुविधाओं को देखते हुए करीब 16 करोड़ का बजट मिला है। इसमें सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, बास्केटबाल कोर्ट और टेनिस कोर्ट के अलावा अन्य सुविधाएं विद्यार्थियों को दी जाएंगी। 400 मीटर का सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक तैयार करने में पांच करोड़ खर्च आएगा। यह ट्रैक 8 लेयर का होगा। यह तैयार होने के बाद विद्यार्थियों को टीटी नगर स्टेडियम तक जाने से छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा छात्रों ने टीए, डीए के अलावा शारीरिक शिक्षा विभाग में नियमित संचालक नियुक्त करने की मांग की। बता दें कि जिस मैदान पर एथलेटिक ट्रैक तैयार होना है। वहां पीडब्ल्यूडी ने तीन अस्थायी हेलीपैड बना रखे हैं। उन्हें हटाने के बाद ही ट्रैक तैयार हो सकता है।

बीयू के हेलीपैड पर उतर चुका पीएम मोदी का हेलीकाप्टर

बता दें कि रानी कमलापति स्टेशन पर वंदे भारत को हरी झंडी दिखाने आए पीएम नरेंद्र मोदी के हेलीकाप्टर को उतारने के लिए पीडब्ल्यूडी ने बीयू में हेलीपैड बनाए थे। इसके अलावा कई बार मुख्यमंत्र मोहन यादव भी इस हेलीपैड से दिल्ली की उड़ान भर चुके हैं। इसलिए रजिस्ट्रार सिंह ने निर्णय लिया है कि उक्त मैदान का निरीक्षण करने के बाद ट्रैक को बनाने का निर्णय करेंगे। क्योंकि ट्रैक को तैयार करने के लिए जो दूसरे मैदान बताए जा रहे हैं वह काफी छोटे हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी तैयारी करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है

मामा-भांजे ने पैदल जा रही महिला से की लूट, ढाई घंटे बाद ढाबे पर खाना खाते मिले

फुटेज व स्पलेंडर के नंबर से हुई पहचान, पुलिस ने आरोपियों को किया गिरफ्तार

भोपाल। रातीबड़ इलाके में एक महिला के साथ मामा-भांजे ने लूट कर दी। महिला को धक्का देकर उनके हाथ से लुटेरे ने मोबाइल छीन लिया। महिला ने उसका पीछा किया, लेकिन वह आगे खड़े साथी के साथ बाइक पर बैठकर भाग निकला। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ढाई घंटे में गिरफ्तार कर लिया है। वह एक ढाबे पर खाना खा रहे थे। सीसीटीवी फुटेज और स्पलेंडर के नाम के आधार पर आरोपी पकड़े गए। पुलिस ने उनसे लूटा गया मोबाइल और लूट में उपयोग की गई बाइक जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। रातीबड़ थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने बताया कि 37 वर्षीय कविता झा पति रामकुमार झा रातीबड़ में रहती हैं। वह एक निजी कंपनी में काम करती हैं। मंगलवार रात करीब आठ बजे कविता ड्यूटी खत्म कर पैदल अपने साथी महिला के घर लौट रही थीं। वह अभी राजोरिया होटल के पास से गुजर रही थीं। तभी पीछे से एक युवक दौड़कर आया और उन्हें धक्का देकर हाथ से मोबाइल छीन लिया। कविता ने उसका

पीछा किया। लेकिन वह आगे खड़े अपने साथी के साथ बाइक पर बैठकर बिलकिसगंज की ओर भाग निकले। इसके बाद कविता अपने पति के साथ थाने पहुंची। अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई।

गणेश का पूर्व आपराधिक रिकार्ड

पुलिस ने 20 सीसीटीवी कैमरे चेक किए। एक जगह स्पलेंडर बाइक का नंबर आ गया। पुलिस ने उनका पीछा करते हुए बिलकिसगंज स्थित एक ढाबे पर पहुंची, जहां दोनों खाना खाते मिल गए। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और पूछताछ की। उन्होंने लूट करना कबूल किया। उनकी पहचान गणेश जाट (36) और रोहित जाट (20) के रूप में हुई। दोनों आपस में मामा-भांजे हैं। गणेश टैक्सी चलाता है जबकि रोहित टेंट लगाने का काम करता है। रोहित ने महिला के साथ से मोबाइल छीना था। गणेश के खिलाफ थाना निशातपुरा, थाना इछावर में मारपीट, मोबाइल छीनने का अपराध दर्ज है।

मकर संक्रांति पर उड़ेंगी रंग-बिरंगी पतंगे

मकर संक्रांति की तैयारियां घर से लेकर बाजार तक जोरों पर चल रही हैं। घरों में जहां तिल के लड्डू तैयार हो रहे हैं, वहीं बाजार में रंग-बिरंगी पतंगें दिखने लगी हैं। बता दें कि मकर संक्रांति पर दान-पुण्य के साथ तिल के लड्डू खाने और पतंग उड़ाने का विशेष महत्व माना जाता है।

तैयारी | परीक्षा में 18 लाख से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल, तय किए गए परीक्षा केंद्र

10वीं-12वीं की परीक्षा की सीसीटीवी से होगी निगरानी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं-12वीं की परीक्षा की तैयारी पूरी कर ली है। परीक्षाएं सात फरवरी से शुरू हो जाएंगी। प्रदेश के सभी संवेदन और अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इससे हर विद्यार्थी पर नजर रखी जा सकेगी। जिला योजना समितियों की अनुशंसाओं पर मंडल ने केंद्रों का अनुमोदन कर दिया है। परीक्षा के लिए साढ़े तीन हजार से अधिक केंद्र बनाए गए हैं। बनाए गए परीक्षा केंद्रों का कलेक्टरों को जिलावार चार्ट भी भेज दिया गया है। केंद्रों का निर्धारण कर दिया गया है। अब सीसीटीवी लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। जनवरी में यह काम पूरा हो जाएगा। इसके लिए कलेक्टरों को राशि भी जारी की जा रही है। मंडल के मुताबिक मुख्यालय स्तर पर परीक्षा केंद्रों की अभी समीक्षा होगी। क्योंकि मापदंडों के अनुसार जिन स्कूलों में केंद्र बनाए गए हैं वहां पर विद्यार्थियों की सुविधा और सुरक्षा के हिसाब से सभी व्यवस्थाएं जरूरी हैं। शिक्षा मंडल का कहना है कि हर जिला स्तर पर कलेक्टर ने जिन केंद्रों का अनुमोदन किया है उनकी राज्य स्तर से समीक्षा कराई जाएगी। यदि कहीं कोई कमी आती है, तो वहां पर सुधार होगा। फिर भी माहौल और सुरक्षा की अनुकूलता को देखते हुए जरूरत पड़ी तो परिवर्तन भी किया जाएगा। सुरक्षा और निगरानी के लिए कलेक्टर अपनी व्यवस्थाओं के अनुसार उड़नदस्तों का गठन और पुलिस बल तैनात करेंगे।

एक सप्ताह पहले भेजी जाएगी गोपनीय सामग्री : सात फरवरी से दसवी बारहवीं क परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। एक सप्ताह पहले बोर्ड द्वारा गोपनीय सामग्री जिलों में भेज दी जाएगी। पूर्व से ही जो प्रक्रिया रही है उसी के मुताबिक प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाओं को भेजा जाएगा। जिला स्तर पर जिन स्कूलों को समन्वय संस्था बनाया गया है वहीं से यह सामग्री संबंधित केंद्रों के नजदीक पुलिस थाना में रखवाई जाएगी।

नकल प्रकरण को देख निजी स्कूल हुए बाहर

मंडल ने निजी स्कूलों को परीक्षा केंद्र की सूची से बाहर कर दिया है। उक्त केंद्रों पर पिछले सत्र की परीक्षा के दौरान नकल प्रकरण सामने आये थे। आगामी परीक्षाओं के दौरान उक्त स्कूलों में नकल होने की संभावना थी, जिसे देखते हुए बोर्ड ने निजी स्कूलों को केंद्र बनाने से इंकार दिया है। इसके बाद कलेक्टरों ने उनके स्थान पर सर्वसुविधायुक्त सरकारी स्कूलों का चयन कर दिया है। उन्हें बोर्ड ने सेंटर बनाने के लिए अनुमोदन किया है। जानाकरी के अनुसार ग्वालियर-चंबल, जबलपुर और इंदौर संभाग के 50 निजी स्कूलों को अलग किया गया है।

14 तक जमा होंगे सीयूईटी परीक्षा के आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में स्नातकोत्तर (पीजी) कक्षाओं में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-पीजी) परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार सीयूईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही विद्यार्थियों को पीजी कक्षाओं में प्रवेश मिलेगा। पीजी में प्रवेश के लिए सीयूईटी में आवेदन करने की अंतिम तारीख 14 जनवरी रखी गई है। आवेदन में संशोधन की तारीख 18 जनवरी से 20 जनवरी तक रखी गई। विद्यार्थियों के पास आवेदन करने के लिए केवल एक सप्ताह का समय शेष है। आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। इस संबंध में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के पत्र के आधार पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए जा चुके हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार यूजी डिग्री उत्तीर्ण विद्यार्थी अपने मेजर या माइनर विषय में पीजी की पढ़ाई के लिए पात्र होंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को संबंधित विषय में सीयूईटी या विश्वविद्यालय-स्तरीय प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जा सकेगी। विश्वविद्यालय-स्तरीय प्रवेश परीक्षा कराने के लिए प्रदेश की करीब एक दर्जन विश्वविद्यालय में से किसी ने भी परीक्षा संबंधित कार्यक्रम जारी नहीं किया है।

भाजयुमो के पूर्व महामंत्री के खिलाफ रेप व धमकी का केस

चार महीने पहले वायरल हुआ था आपत्तिजनक वीडियो

जागरण, भोपाल। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के पूर्व महामंत्री के खिलाफ रेप और धमकी का केस सामने आया है। चार महीने पहले युवती के साथ आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद उसे पार्टी व पद दोनों से हटा दिया गया था। युवती का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। पिछले दिनों उसने शादी का दबाव बनाया तो उसने साफ मना कर दिया। इसके बाद उसने थाने में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय युवती थाना क्षेत्र में रहती है। उसने पुलिस को बताया कि शाहपुरा मल्टी में रहने वाला जीत निसोदे पूर्व में भाजयुमो में अरेरा मंडल का महामंत्री था। वह अपनी पहली पत्नी को छोड़कर उसे साथ लिवइन में रहा। शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वह एक जनवरी 2022 से लगातार उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। उसने दिखावे के लिए 22 जून 2025 में मंदिर ले जाकर शादी की थी। सितंबर 2025 में

आरोपी जीत निसोदे का आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद पीड़िता ने ही शाहपुरा थाने में केस भी दर्ज कराया था। इस पर पार्टी के पदाधिकारियों ने उसे पार्टी व पद से हटा दिया था। इस घटना के तीन दिन बाद आरोपी जीत ने खुदकुशी का प्रयास भी किया था। मंगलवार को पीड़िता थाने पहुंची और आरोपी जीत निसोदे के खिलाफ रेप व धमकी का केस दर्ज करवाया। पुलिस उसकी तलास में जुटी है।

दैनिक जागरण
सप्तरंग
अंतस और अध्यात्म का

भोपाल 08 जनवरी 2026

निर्झरिणी

मात्र भाग्य के सहारे चलना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के समान है। ऐसे लोगों को नष्ट होने में किंचित भी समय नहीं लगता।
-आचार्य चाणक्य

भारतीय स्वाभिमान के अमर स्वर

व्यक्ति का सोया हुआ ब्रह्म जाग उठना ही वह स्वाभिमान है, जो मनुष्य को अमृत-पुत्र बना देता है। भारतीय चिंतन परंपरा के प्रतीक-पुरुष स्वामी विवेकानंद जी (जन्म जयंती 12 जनवरी) ने अनेक बार इस स्वाभिमान की बात की, क्योंकि स्वाभिमान ही उस स्वावलंबन से जोड़ता है, जो ऐसी स्वाधीनता रचता है कि वह अपनी पूर्णता में मुक्ति बन जाती है..

जन्म जयंती पर विशेष

अशोक जमनानी
आध्यात्मिक विषयों के अध्येता, साहित्यकार

लंबे समय तक पश्चिमी जगत में भारत के प्रति यह अवधारणा रही कि भारत 'विचारमग्न पूर्व' के केंद्र में है। उसका आशय था कि यह पूर्व मात्र सोचता है, करता कुछ नहीं। औद्योगिक क्रांति, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवाचार से संयुक्त पश्चिमी जगत आश्चर्यजनक रूप से पूरी दुनिया पर छा गया था। ऐसे में चिंतन संपन्न भारत को 'विचारमग्न पूर्व' कहकर उसे निरस्त कर देना उनके उपेक्षापूर्ण व्यवहार का ही एक हिस्सा था, लेकिन भारत ने कठिन से कठिन समय में भी अपने स्वाभिमान को वह स्वर दिया है, जो काल के प्रवाह से परे जाकर अमिट छाप छोड़ गया है।

पराधीन भारत में भारतीय स्वाभिमान के एक अमर स्वर हैं स्वामी विवेकानंद, जिन्होंने विचारमग्न पूर्व के प्रभाव को जिस गौरव के साथ साझा किया, वह अद्भुत है। लंदन में घटित एक छोटी-सी घटना उनके स्वर की दृढ़ता को बहुत हद तक स्पष्ट करती है। स्वामी विवेकानंद जी लंदन में भारतीय चिंतन की गौरव गाथा अपने भाषणों के माध्यम से पश्चिमी जगत के सामने रख रहे थे। ऐसे में वहां के एक बुद्धिजीवी अक्सर उनसे बहस किया करते थे। वह कहा करते थे कि यदि भारत के पास हजारों वर्षो से ज्ञान की अमूल्य उपलब्धियां थीं तो भारत कभी उन्हें साझा करने के लिए इंग्लैंड क्यों नहीं आया? स्वामी विवेकानंद जी ने जो उत्तर उन्हें दिया, वह बेहद सार्थक है। स्वामी जी ने हंसते हुए उनसे कहा, भारत तो हजारों वर्ष पूर्व अपना ज्ञान साझा करने के लिए इंग्लैंड आ जाता, लेकिन मेरे मित्र, यह तो बताओ कि हजारों वर्ष पूर्व इंग्लैंड था कहां? जो इंग्लैंड आज है, वहां तो हजारों वर्ष पूर्व केवल जंगल था। जब इंग्लैंड का अस्तित्व ही नहीं था तो भारत ज्ञान देने के लिए आता कहां? उनके इस उत्तर को सुनकर वह पश्चिमी बुद्धिजीवी निरुत्तर हो गये, लेकिन स्वामी विवेकानंद जी ने सदैव पश्चिम के पुरुषार्थ को सराहा और वह उससे प्रेरणा लेने की बात भी सदैव करते रहे। उनके हृदय में जो विश्वबंधुत्व की भावना थी, वह भावना भारत के चिंतन की प्रतिनिधि ही है। पराधीनता का वह दौर बीत जाने के बाद अब स्वाधीनता के अमृत महोत्सव में जब हम स्वावलंबन, स्वाधीनता और स्वाभिमान की विचार त्रयी को केंद्र में रखकर विमर्श कर रहे हैं, तब स्वामी विवेकानंद जी के भिन्न-भिन्न लोगों को लिखे कुछ पत्रों के अंश समक्ष रखना प्रासंगिक होगा।

न्यूयार्क में रहने वाले श्री ई. टी. स्टर्डी को लिखे एक पत्र में उन्होंने लिखा, 'मेरे निजी अनुभव की एक बात सुनो। जब मेरे गुरुदेव ने शरीर त्यागा था, तब हम लोग 12 निर्धन और अज्ञात नवयुवक थे। हमारे विरुद्ध अनेक शक्तिशाली संस्थाएं थीं, जो हमारी सफलता के शैशव काल में ही हमें नष्ट करने का भरसक प्रयास कर रही थीं। परंतु श्री रामकृष्ण देव जी ने हमें एक बड़ा दान दिया था। वह दान था -केवल बातें ही न करके यथार्थ जीवन की इच्छा, आजीवन उद्योग और विरामहीन साधना के लिए अनुप्रेरणा। आज सारा भारत मेरे गुरुदेव को जानता है और पूज्य मानता है। स्वामी विवेकानंद जी को उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस जी ने जो सूत्र दिया, उसकी तीन प्रमुख बातें हैं : यथार्थ जीवन की इच्छा, आजीवन उद्योग और विरामहीन साधना। ये तीनों बातें किसी के भी जीवन में सम्मिलित हो जाएं तो ये स्वावलंबन का वह पथ प्रदान करेंगी, जो सफलता का उच्चतम आयाम रचकर शिखर तक पहुंचा दे।

मानस मर्म

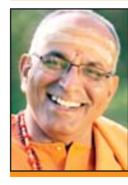

संत मैथिलीशरण (भाईजी)

सिय रघुबीर बिबाहु, जे सप्रेम गावहिं सुनहिं...

ज्ञान जब पक जाता है तो हृदय नेत्रों के रास्ते बहने लगता है। यहां वही हो रहा है। जनक जी जैसे ज्ञानी राजा दशरथ जी से कहते हैं कि आपसे संबंध करके हम अब सब प्रकार से बड़े हो गए। आप हमें अपना सेवक मानते रहिएगा।

जब अर्थ धर्मानुगामी होगा, काम मोक्षानुगामी होगा, तब होगा सीता राम का विवाह। यह विवाह-प्रसंग देह के मिलन का नहीं, देह और विदेह की घन्यता का है। जनक की निष्कामता इस विवाह में धन्य हुई तो दशरथ की सकामता मोक्ष-राम, धर्म-भरत, काम लक्ष्मण और अर्थ-शत्रुघ्न को जन्म देकर अब धन्यता को प्राप्त हुई। यही जीवन और व्यवहार का सत्य है, जिसकी परिणति है श्रीराम का राज्य और देह और विदेह की धन्यता और कृतकृत्यता।

चतुर सखीं लखि कहा बुझाई।
पहिरावहु जयमाल सुहाई।
सुनत जुगल कर माल उठाई।
प्रेम बिबस पहिराइ न जाई ।।

धनुष यज्ञ के पश्चात एक सखी ने सीता जी से कहा, 'जिसकी रचना तुमने मन में पूर्व समय से कर रखी थी, उन्होंने तुम्हारी भाव-रक्षा के लिए शंकर जी का धनुष दोभाग कर दिया। अब इन दोनों भागों के मिलने का समय आ गया है।' सीता जी और श्रीराम का मिलना ही अद्वैत है, द्वैत है, विशिष्टाद्वैत तथा द्वैताद्वैत भी है। सखी के बार-बार कहने पर भी सीताजी प्रेमाभिभूत होकर इतनी प्रेम-विवश हो जाती हैं कि जयमाला नहीं पहना पा रही हैं। पुष्प वाटिका में सीता जी पर के वश हो गई थीं। परबस सखिन्ह लखी जब सीता। यहां 'पर' जब परमात्मा ही अपना हो तो 'पर' कहां रह सकता है? सीता जी ने श्रीराम को माला पहना दी और श्रीराम ने सीता जी को। दोनों को माला का सुमेरु मिल गया। शक्ति और शक्तिमान मिलते है, तो वे सृष्टि के आराध्य हो जाते हैं।

विश्वामित्र की दिव्य भूमिका थी इस विवाह में। गुरु के पूजन के लिए पुष्प लेने जाना श्रीराम की साधना बनी और पार्वती जी का पूजन करने जाना सीता जी की। पार्वती जी और गुरुदेव ने दोनों को आशीर्वाद दिया कि जो तुमने मन में रच रखा, व्ही सुंदर, सुजान, शीलनिधान वर तुम्हें मिलेगा। जब हदय में श्रद्धा की ऋतु वसंत बनकर आती है, तभी कामना का बीज सुफल को जन्म देता है। तब सकामता और निष्कामता धन्य होकर 'सम' समधी हो जाते हैं।

गोस्वामी तुलसीदास जी के काव्य, कवि तथा उपमाओं का घनत्व जैसा विवाह प्रसंग में है, वैसा पूरे मानस में कहीं नहीं है।

गावहिं सुदरि मंगल गीता।

रिद्धि-सिद्धियों से कहा कि जिस बराती को जो सुविधा चाहिए, वह दी जाए। रिद्धि-सिद्धियों ने तुरंत वही कर दिया।

लै लै नाम राम अरु सीता।

राम-सीता का नाम स्वयं ही सकल सुमंगल दायक है। राम और सीता का नाम लेकर तो मंगल गीत हो रहे हैं, पर जेवनार के समय जनकपुर की यही स्त्रियां दशरथ जी के पूर्वजों का नाम लेकर भोजन के समय गालियां (गारी) दे रही हैं।

समय सुहावनि गारि बिराजा।
हसत राउ सुनि सहित समाजा।

समय सुहावनि शब्द बहुत अर्थपूर्ण है। हर वस्तु समय पर ही अच्छी तथा सरस लगती है। विवाह में गालियां देना और सुनना, यह लोकरीति का सखोच्चार है, जो मंडप में वेद रीति के विद्वान ब्राह्मण जनक और दशरथ की सात पीढ़ियों का नाम लेकर सखोच्चार करते हैं। जीवन में हमेशा गंभीरता और हमेशा हंसी विनोद दोनों नहीं होने चाहिए। जैसा समय हो, उस तरह का कार्य और व्यवहार समाज और परिवार को जोड़ता है।

सरजू नाम सुमंगल मूला।
लोक बेद मुद मंगल कूला।

सरयू की धारा का एक किनारा जनकपुर है, जो ज्ञानियों के लिए वेद का कूल है और सरयू की एक धारा भक्तों की लोकधारा है। श्री राम और सीता का जो मिलन है, वह केवल शरीर का विवाह न होकर संसार में एक विशुद्ध और व्यापक विचारधारा का सृजन है कि हम जीवन को कैसे जिएं, कैसे व्यवहार करें? समधी, गुरुओं, परिजनों, स्वजनों को स्त्री, पुरुष, युवा, वृद्ध सबको समान आनंद का अनुभव कैसे हो, यही राम विवाह का अर्थ और उद्देश्य है। कैसे एक-दूसरे को मिलाकर दोनों किनारों को मिला दें।

ज्ञानी जनक की सीमाओं को और उनके ज्ञानमय स्वरूप को देखकर पूरे लीलाकाल में सीता जी ने अपनी सिद्धि का उपयोग पहली बार किया, क्योंकि इस समय अयोध्या के जो बाराती हैं, बारात में आने के पश्चात उनसे किसी प्रकार की त्याग-तपस्या की आशा नहीं की जा सकती है, वे सब यहां तीर्थ और धाम की भावना से न आकर विवाह में सम्मान और सुविधा की आशा से आए हैं, उनका मन भी बारातियों वाला ही होता है, तो सीता जी ने बारात के स्वागत के लिए लोकपक्ष को चुना और रिद्धि-सिद्धियों से कहा कि जिस बाराती को जो सुविधा चाहिए, वह सब कर दी जाए, तुरंत रिद्धि-सिद्धियों ने वही कर दिया।

सिधि सब सिय आयसु
अकनि गईं जहां जनवास।
लिएं संपदा सकल सुख
सुरपुर भोग बिलास।।

स्वर्ग में जो व्यवस्था देवताओं को अनेक पुण्य फलों के पश्चात मिलती है, वह अयोध्या से आई बरात को सीता जी की महती कृपा के फलस्वरूप प्राप्त हो गई। अपनी कन्या जानकी को हृदय से लगाकर जनक जी विलाप करने लगे, तुलसीदास जी कहते हैं कि यह विलाप अज्ञान और मोह नहीं है, अपितु यह तो ज्ञान का फल जनक को प्राप्त हो रहा है। ज्ञान जब पक जाता है तो हृदय नेत्रों के रास्ते बहने लगता है। यहां वही हो रहा है। जनक जी जैसे ज्ञानी राजा दशरथ जी से कहते हैं कि आपसे संबंध करके हम अब सब प्रकार से बड़े हो गए। आप हमें अपना सेवक मानते रहिएगा। बड़ी बात तो यह है ज्ञानी की वाणी से जब भक्ति निकलती है तो वह ज्ञान का फल होता है और फिर वही श्रुति हो जाती है। दशरथ जी को जनक जी के यहां जो भी दहेज मिला, उसका अधिकांश भाग वहीं याचकों को बांट दिया गया। जो कुछ हाथ में बचा, बस वही जनवासे में आया। राम विवाह में सकामता और निष्कामता दोनों आज परिपूर्ण हो गई।

दशरथ जी को अपने चार पुत्र और चार पुत्र वधुओं को एक साथ देखकर ऐसा लग रहा है कि मानो पुरुषार्थ के चारों फल कृपाफल बनकर अपनी क्रियाओं के साथ मुझे प्राप्त हो गए।

मोक्ष-राम की पत्नी सीता, मोक्ष की क्रिया भक्ति हैं, धर्म-भरत की पत्नी मांडवी, धर्म की श्रद्धा क्रिया हैं, काम-लक्ष्मण की पत्नी उर्मिला, काम की योग क्रिया हैं, अर्थ-शत्रुघ्न की पत्नी श्रुतिकीर्ति, अर्थ की दान क्रिया हैं। जब साधक अर्ध, धर्म, काम और मोक्ष को उनकी शुद्ध क्रियाओं के द्वारा प्राप्त करता है, तभी उसके जीवन में राम विवाह होकर उसका चरम फल भी प्राप्त हो जाता है।

सिय रघुबीर बिबाहु जे
सप्रेम गावहिं सुनहिं।
तिन्ह कहुं सदा उछाहु
मंगलायतन राम जसु॥

भगवान श्री सीताराम जी के विवाह के प्रसंग को जो प्रेमपूर्वक गाएगा-सुनेगा, उसके हृदय और घर में सदा आनंद और उत्साह बरसेगा, क्योंकि श्री राम जी का यश मंगल का धाम है।

जीवन दर्शन

प्रेम रावत
आध्यात्मिक व प्रेरक विषयों के वक्ता

पहचानें अपने भीतर की शक्ति

हर मनुष्य की एक आदत है कि वह सुख के लिए किसी न किसी चीज के पीछे भागता है, पर वे चीजें आपको दुखी करती हैं। आप उनको रोकने की कोशिश में अपना सारा समय बर्बाद करते हैं। अगर आपने अपने बनाने वाले से संबंध बनाये रखा है, तो न दुख होगा न आपको समय बर्बाद करना पड़ेगा। विद्वान वही है, जो सुख और दुख दोनों को समान रूप से देखता है। क्योंकि वह जानता है न सुख रहेगा, न दुख रहेगा। जब दुखी हों तो जानिए कि थोड़ी देर में सुख आएगा।

जब सुख चल रहा है तो थोड़ी देर इंतजार कीजिए, दुख आएगा। सुख दुख का चरखा चलता रहता है। मनुष्य कोशिश करता है कि बारिश न हो, पर जो विद्वान हैं, वे यह कहते हैं कि बारिश तो होगी, पर अपने साथ छाता लेकर चलो। एक बार एक कार्यक्रम को संबोधित करने के लिए जेल में गया। किसी ने कहा कि यहां तो सब कुछ खराब है। जो माहौल जेल में होता है, वह जेल का नहीं, बल्कि उसमें मनुष्य रहते हैं, उनका है। उन्होंने ही खराब माहौल बनाया है। जब उनका ध्यान अच्छी चीजों में लगता है तो वही माहौल सुंदर हो जाता है। जब वे जेल जाते हैं तो सबसे पहले पुलिस को दोष देते हैं। जज को दोष देते हैं। अपने परिवार को दोष देते हैं। सरकार को दोष देते हैं। सबको दोष देते हैं, पर खुद को दोष नहीं देते हैं। जब उनका ध्यान अपनी ओर जाता है तो उनको दो चीजें मिलती हैं। एक, जो कुछ हुआ वह उन्हें नहीं करना चाहिए था। दूसरी चीज है, खुशी। क्योंकि तब आप समझ जाते हैं कि आप पुलिस को, जज को, सरकार को नहीं बदल सकते, परंतु स्वयं को बदल सकते हैं। आप खुद को बदल कर अपने जीवन में आनंद का हर दिन अनुभव कर सकते हैं। अंधेरी रात में एक छोटा-सा दीया इतनी ताकत रखता है कि वह अंधेरे का नाश कर दे। जहां कहीं रोशनी न हो, एक छोटा-सा दीया जलाओ। जब जीवन में अंधेरा आता है तो आपको प्रकाश की जरूरत होती है, ताकि आप देख सकें। जहां प्रकाश नहीं है, आप देख नहीं पाएंगे कि खाई कहां है, पत्थर कहां है, कहां रास्ता है और कहां रास्ता नहीं है। जब रास्ता नहीं दिखाई दे रहा है तो आप भटकेंगे, कभी यहां टकराएंगे, कभी वहां टकराएंगे। जहां जाएंगे आपको दुख मिलेगा। कभी पत्नी दुख देगी, कभी बेटा दुख देगा। कभी बास दुख देगा। हम सोचते हैं ये सब हमें सुख देंगे और वही दुख दे रहे हैं।

आप अपने घर से चलते हैं और आपकी मोटरसाइकिल खराब हो जाए तो आप सोचेंगे, आज का दिन अच्छा नहीं है। ये दुख सहने वालों में आपका नाम पहला नहीं है। आपसे भी पहले बहुत लोगों ने दुख सहे हैं।

गीता सार

विवेक भटनागर

अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे ।
गतासूनगतासुंश्च नानुशोचंति पंडिता: ।।
(अध्याय 2, श्लोक 11)

अर्थ : भगवान श्रीकृष्ण ने कहा, जो शोक करने योग्य नहीं है, उसका तुम शोक करते हो और बातें विद्वानों जैसी करते हो। विद्वान लोग न तो जीवित प्राणियों के लिए शोक करते हैं, न ही मृत प्राणियों के लिए।

व्याख्या : बहुधा ऐसा होता है कि हम अपनी देखने-सुनने पर तो वह बुद्धिमत्ता की बात प्रत्येक परिस्थिति को ईश्वर की कृपा मानकर ही स्वीकार करते हैं। किसी लघुता को छिपाने के लिए या उसे प्रतिष्ठित करने के लिए तर्कों का, ज्ञान का, दर्शन का अपनी सुविधानुसार, अपने अनुरूप प्रयोग करने का प्रयास करते हैं। लगती है, लेकिन प्रत्येक दर्शन या विचार प्रत्येक परिस्थिति में उचित नहीं होता। यही द्वैत या विरोधाभास अर्जुन के भीतर चल रहा है। वह तर्कों का उपयोग कर अपने विचार को प्रतिष्ठित करना चाहता है, क्योंकि वह अपने संबंधियों, गुरुजनों के प्रति मोहासक्त है और उनके विरुद्ध धर्मयुद्ध में खड़े होने का साहस नहीं कर पा रहा है। शोक सदैव मोहजनित होता है और अर्जुन उसमें पूरी तरह डूबा हुआ है। मोह और शोक सदैव अज्ञानता से उत्पन्न होते हैं। इस श्लोक में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन की इसी अज्ञानता को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। आत्मा को जान लेना ही ज्ञान है और उसे न जान पाना अज्ञान। अजर अमर आत्मा के प्रतिशोक करना अज्ञानता ही है। इसीलिए श्रीकृष्ण कहते हैं कि बुद्धिमान लोग नतो कभी किसी जीवित और नही मृत प्राणी के लिए शोक करते हैं। यह श्लोक हम लोगों को इस बात के लिए भी प्रेरित करता है कि यदि हम भगवान के प्रति शरणागत हैं, तो कभी परिणाम की चिंता न करें और जैसी भी परिस्थिति हो, उसमें मात्र अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। वे कभी शोकग्रस्त नहीं होते, जो प्रत्येक परिस्थित को ईश्वर की कृपा मानकर ही स्वीकार करते हैं।

प्रेरक प्रसंग

संगति का प्रभाव

गुरुकुल के शिष्यों के साथ गुरु जी प्रातःकालीन सैर पर जा रहे थे। चलते हुए वे शिष्यों को अच्छी संगति का महत्व समझा रहे थे। उन्होंने बताया कि व्यक्ति में संगति का प्रभाव अवश्य आता है। मार्ग में गुरु जी को एक गुलाब का पौधा दिखाई दिया, जिसमें कई नए फूल खिले थे और पुराने फूल झड़ गए थे। उन्होंने एक शिष्य को उस पौधे के नीचे से एक मिट्टी का ढेला उठाकर लाने को कहा। शिष्य तुरंत ले आया तो गुरु जी उस शिष्य से बोले, जरा इसे सूंघो तो। शिष्य ने उसे सूंघा और आश्चर्य से बोला, 'गुरु जी, इसमें से तो गुलाब की भीनी-भीनी सुगंध आ रही है।'

गुरु जी बोले, 'शिष्यो, सुगंध तो गुलाब के फूल से आती है, फिर इस मिट्टी में कहां से आई?' शिष्य आश्चर्यचकित होकर सोचने लगे। तब गुरु जी बोले, 'इस मिट्टी पर गुलाब के फूल टूट-टूटकर गिरते रहते हैं, इसलिए इसकी मिट्टी में भी गुलाब की महक आने लगी है। इसी को संगति प्रभाव कहते हैं। गुलाब की संगति के कारण यह मिट्टी भी सुवासित हो गई है। उसी प्रकार जो व्यक्ति जैसी संगति में रहता है, उसमें वैसे ही गुण-दोष आ जाते हैं।'

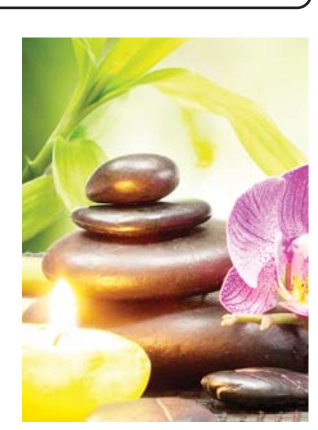

विचार चिंतन

आचार्य विनोबा भावे

मिट्टी के घड़े के समान है जीवन

खाना पीना बोलना बैठना इत्यादि सब विषयों में नियमन चाहिए। मनचाही चाल चलें और इंद्रिय निग्रह साधें यह आशा व्यर्थ है। घड़े में तनिक सा छेद हो तो भी वह बेकार हो जाता है। उसी प्रकार जीवन भी घड़े के समान है उसमें छिद्र नहीं होना चाहिए।

मनुष्य जीवन अनुभव का शास्त्र है। उस अनुभव की बदौलत मनुष्य समाज का काफी विकास हुआ है। किंतु हिंदू धर्म में उस अनुभव का शास्त्र रचकर एक विशिष्ट साधना की गई, जिसे ब्रह्मचर्य कहते हैं। अन्य धर्मों में भी संयम तो है ही, पर उसे शास्त्रीय रूप देकर हिंदू धर्म ने जिस प्रकार उसके लिए शब्द बनाया, वैसा शब्द अन्यत्र नहीं पाया जाता। छोटे वृक्ष को अच्छी से अच्छी खाद की जरूरत होती है। यों तो पोषण जन्म भर चाहिए, पर कम से कम बचपन में तो वह सबको मिलना ही चाहिए। इस दृष्टि से हिंदू धर्म ने ब्रह्मचर्य आश्रम को खड़ा किया। पर आज मैं उस आश्रम के संबंध में नहीं ब्रह्मचर्य के संबंध में कहने वाला हूं। अपने अनुभव से मेरा यह मत स्थिर हुआ है कि यदि आजीवन ब्रह्मचर्य रखना है तो ब्रह्मचर्य कल्पना अभावात्मक (नकारात्मक) नहीं होनी चाहिए। विषय सेवन मत करो, कहना अभावात्मक आज्ञा है, इससे काम नहीं बनता। सब इंद्रियों की शक्ति को आत्मा में खर्च करो, ऐसी भावात्मक (सकारात्मक) आज्ञा की आवश्यकता है। ब्रह्मचर्य के संबंध में यह मत करो, कहकर काम नहीं बनता। यह करो, कहना चाहिए। ब्रह्मा अर्थात कोई भी वृहत कल्पना। कोई मनुष्य अपने बच्चे की सेवा उसे परमात्मा स्वरूप समझकर करता है और यह इच्छा रखता है कि उसका लड़का सत्पुरुष निकले, तो वह पुत्र ही उसका ब्रह्मा हो जाता है। उस बच्चे के निमित्त से उसका ब्रह्मचर्य पालन आसान होगा। माता बच्चे के लिए रात-दिन कष्ट सहती है, फिर भी अनुभव करती है कि उसने बच्चे के लिए कुछ नहीं किया। कारण, बच्चे पर उसका जो प्रेम है, उसकी तुलना में वह जो कष्ट उठाती है, वह उसे अल्प मालूम होता है। उसी प्रकार ब्रह्मचारी मनुष्य का जीवन तप से संयम से ओतप्रोत रहता है, पर उसके सामने रहने वाली विशाल कल्पना के हिसाब से सारा संयम उसे अल्प ही जान पड़ता है। अपने देश की दीन जनता की की सेवा को ध्येय बनाने वाले के लिए वह सेवा उसका ब्रह्म है। उसके लिए वह जो करेगा, वह ब्रह्मचर्य है।

संक्षेप में कहना हो तो नैष्ठिक ब्रह्मचर्य पालन करने वाले की आंखों के सामने कोई विशाल कल्पना होनी चाहिए, तभी ब्रह्मचर्य आसान होता है। ब्रह्मचर्य को मैं विशाल ध्येयवाद और तदर्थ संयमाकरण कहता हूं। यह ब्रह्मचर्य के संबंध में मैंने मुख्य बात बतलाई। दूसरी एक बात कहने को बच जाती है, वह यह कि जीवन की छोटी छोटी बातों में भी नियमन की आवश्यकता होती है।

मकर संक्रांति (14 जन.)

प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री
अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी

प्रकृति से जुड़ा आध्यात्मिक पर्व

जब सूर्य धनु राशि का भ्रमण पूर्ण करके मकर राशि में प्रवेश को उद्यत होता है, उसी काल को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। यह प्रकृति का परिवर्तन है, अतएव इसे प्राकृतिक पर्व कहना अधिक तर्कसंगत लगता है।

ज्योतिष शास्त्र ब्रह्मांड की परिधि को आकाश की कक्षा मानता है। इसी के मध्य नक्षत्र मंडल, राशियां, ग्रह तथा उपग्रह सदैव गतिमान रहते हैं। ज्योतिष-चक्र में कुल बारह राशियां हैं। प्रत्येक राशि में एक महीने तक सूर्य का भ्रमण होता है, जिसे सौर राशि भी कहा जाता है। इस तरह सूर्य कुल बारह महीनों में संपूर्ण राशि चक्र की परिक्रमा पूर्ण करता है। सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश को संक्रांति कहा जाता है। वस्तुतः दो राशियों की संधि ही संक्रांतिकाल है। यद्यपि सभी ग्रह प्रत्येक राशियों में भ्रमण करते हैं, किंतु अन्य सभी ग्रहों के संक्रमण को राशि परिवर्तन कहा जाता है, जबकि सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति की संज्ञा प्राप्त है। जब सूर्य धनु राशि का भ्रमण पूर्ण करके मकर राशि में प्रवेश को उद्यत होता है, उसी काल को 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। यह प्रकृति का परिवर्तन है, अतएव इसे प्राकृतिक पर्व कहना अधिक तर्कसंगत लगता है। हालांकि सनातन धर्मावलंबी इसे धार्मिक या आध्यात्मिक पर्व मानते हैं। अन्य लोग इसे खिचड़ी पर्व या महोत्सव के रूप में मानते हैं।

हजारों वर्ष पूर्व से मकर संक्रांति का संबंध भारतीय संस्कृति के साथ जुड़ा हुआ है। आचार्य महात्मा लगध ने इसे युगादि अर्थात् युगारंभ का प्रथम दिन भी कहा है। शिशिर ऋतु का आरंभ भी इसी दिन से होता है। मकर संक्रांति से उत्तरायण का प्रारंभ होता है। यही कारण है कि इस संक्रांति को 'अयनी' संक्रांति भी कहा जाता है।

वैदिक साहित्य में उत्तरायण काल को अत्यधिक पवित्र माना गया है। उत्तरायण का अर्थ है उत्तर की ओर चलना। जब सूर्य क्षितिजवृत्त में अपनी दक्षिणी सीमा समाप्त कर उत्तर की ओर चलना आरंभ करता है, उस कालखंड को उत्तरायण की संज्ञा प्रदान की गयी है। यहीं से दिन बढ़ने लगता है और रात्रि घटने लगती है। इसमें दिन की वृद्धि अर्थात् प्रकाश की वृद्धि ही मंगलकारी कही गयी है। इसी काल को धर्मशास्त्रों ने देवताओं का दिन तथा दानवों की रात्रि कहा है। इस काल की प्रतीक्षा साधक, सिद्ध, योगी, यति, संन्यासी, तपस्वी, संत, महंत आदि करते रहते हैं। मकर संक्रांति की महत्ता के कारण भीष्म पितामह ने शरशय्या पर कष्ट सहते हुए भी प्राणों को तब तक बनाये रखा, जब तक भगवान सूर्य मकर राशि में प्रवेश नहीं कर गये।

इस संक्रांति का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि उत्तरायण में ही आस्तिक, धर्मिष्ठजन अपने समस्त वैवाहिक कार्य, प्राणप्रतिष्ठा, गृह प्रवेश, व्रतबंधादि समस्त शुभ कृत्य प्रारंभ करते हैं। मकर संक्रांति के दिन स्नान, दान, व्रत, पूजन, हवन का विशेष महत्व है। स्नान के लिए गंगासागर, तीर्थराज प्रयाग की त्रिवेणी, हरिद्वार, कुरुक्षेत्र तथा काशी आदि अत्यंत पवित्र कहे गये हैं, तथापि इस दिन सामान्य जल भी गंगाजल की भांति पवित्र माना गया है। मान्यता है कि इस दिन स्नान मात्र से त्रिविध ताप, शाप, पाप स्वतः नष्ट हो जाते हैं। स्नानोपरांत यथासंभव तिल, ऊनी वस्त्र, औषधि, मिष्टान्न, खिचड़ी तथा मूंग के लड्डू का दान विशेष फलदायी कहा गया है। संक्रांति की 'षट्तिला' संज्ञा भी है। तिल मिश्रित जल से स्नान, तिल का तेल शरीर में लगाना, तिल की आहुति, तिल का जल, तिल का भोजन एवं तिल का दान अक्षय पुण्यदायी माना जाता है। मकर संक्रांति पर्व को तमिलनाडु एवं केरल प्रांत में पोंगल पर्व, महाराष्ट्र में तीलगूल, पंजाब में लोहड़ी, हरियाणा में सकरात, हिमाचल में माघी, असम में भोमाली बिहू तथा अन्य स्थलों पर मकर संक्रांति या खिचड़ी पर्व के नाम से उत्सव के रूप में मनाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

माधुरी आयाम सोसाइटी के बच्चों ने किया भोपाल उत्सव मेले का भ्रमण

जागरण, भोपाल। माधुरी आयाम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, ग्राम बेरखेड़ी बाज़्याफ्त के विकास केंद्र के दिव्यांग बच्चों ने भोपाल उत्सव मेले में भ्रमण कर खुशी के पल बिताए। बच्चों ने मिकी माउस, विभिन्न झूलों और आकर्षक झांकियों का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर संस्था की संचालिका श्रीमती वीवा जोशी ने बच्चों को उपहार दिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया। मेले में बच्चों ने दुबई और सिंगापुर सिटी की थीम आधारित संरचनाएं भी देखीं, जिससे वे बेहद आनंदित हुए। इस आयोजन से बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और आत्मविश्वास देखने को मिला।

वल्लभ भवन सहित आज कई इलाकों में बिजली कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। गुरुवार को भी शहर के कई इलाकों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज मालवीय नगर स्थित पत्रकार भवन, एमएलए रेस्ट हाउस, आईडीबीआई बैंक, एयरटेल कार्यालय के सामने, मालवीय काम्पलेक्स और 82 मालवीय नगर व आसपास, इसके अलावा बिरला मंदिर, वल्लभ भवन, भीम नगर व आसपास सुबह 11 से शाम 4 बजे तक, करोंद स्थित जनता नगर, जनता क्वार्टर, पंचवटी फेस-1 और फेस-2, नबीबाग, आराधना नगर, रतन कालोनी, मित्तल कालेज, अवस्थी फार्म, रीगल स्टेट व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक, एयरपोर्ट रोड स्थित लेक पर्ल गार्डन, आदित्य एवेन्यु, गार्डन स्टेट, कर्नल कॉर्नर, सुविध विहार, सूरज नगर, मनन अस्पताल व आसपास सुबह 11 से 2 बजे तक, कोलार स्थित डीपीएस स्कूल, बैरागढ़ चीचली, मीनाखेड़ी, दौलतपुर, विपश्यना सेंटर, सतगड़ी, अमराई और गेहूंखेड़ा सहित आसपास के इलाकों में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई को बंद रखा जाएगा।

पांच कहानियों पर मंचित होगा नाटक 'सब चुप हैं'

जागरण, भोपाल। रंगमंच प्रेमियों को एक नई नाट्य प्रस्तुति देखने को मिलेगी। शहर का थिएटर ग्रुप आगामी 13 जनवरी को अपनी नई प्रस्तुति 'सब चुप हैं' लेकर आ रहा है। यह नाटक चर्चित कहानीकार संजय जैन की पांच कहानियों का सशक्त कोलाज है, जिसमें खुली दराज और बिखरी खुशबूएं, ग्रीनबेल्ट, अपराध, एकांत में उजाड़ और सब चुप हैं कहानियों को शामिल किया गया है। नाटक समकालीन समाज की कई परतों को खोलता है। इसमें प्रेम की अनुभूति के साथ-साथ मौकापरस्ती, पत्रकारिता की चुनौतियां, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, बाजारवाद और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया है। इन सभी कहानियों का नाट्य रूपांतरण और निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी बालेंद्र सिंह ने किया है। नाटक का मंचन 13 जनवरी, शाम 7 बजे, लिटिल बैलेट ट्रुप के रागबंध सभागार में किया जाएगा। दर्शकों के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

कॉलेज चलो अभियान के तहत विद्यार्थियों ने किया भ्रमण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज (एसपीएमसी) में कॉलेज चलो अभियान के तहत प्रज्ञा हायर सेकंडरी स्कूल स्कूल सहित कई शासकीय और निजी स्कूलों के 12 वीं कक्षा के छात्र छात्राओं ने कालेज का भ्रमण किया। कालेज की प्राचार्य डॉ शालिनी सक्सेना ने स्कूल के विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों को बताया कि कॉलेज चलो अभियान आपके सपनों को हकीकत में बदलने बाला क्रांतिकारी कदम है, कॉलेज वह स्थान है जहां आपके व्यक्तित्व को पंख और प्रतिभा को सही दिशा मिलती है। 12वीं कक्षा में अध्यनरत विद्यार्थियों को कालेज में मिलने वाली सुविधाओं जैसे स्कॉलरशिप संबंधी जानकारी, एनसीसी, एनएसएस, केरियर प्रकोष्ठ, स्पोर्ट्स, पुस्तकालय आदि की जानकारी दी साथ ही कॉलेज चलो अभियान टीम के प्रभारी डॉ मधुसूदन प्रकाश ने कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के विभाग अध्यक्ष से विद्यार्थियों को रुबरू करवाया, जहां विषय की मौलिक और सारगर्भित जानकारी प्रदान की गई।

डॉ. वी.एस वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह 9 को

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय विभाग द्वारा डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह एवं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 9 जनवरी 2026 को सुबह 10:30 बजे से किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में होगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय विज्ञान के क्षेत्र में हालिया प्रगति रखा गया है। इस अवसर पर देशभर से आए पुरातत्व एवं संग्रहालय क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान मुख्य वक्ता और पैनल चर्चाओं के अध्यक्ष के रूप में सहभागिता करेंगे। आयोजन का उद्घाटन मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी।

तिरले कुनबी समाज सम्मेलन 18 को

जागरण, भोपाल। तिरले कुनबी समाज, भोपाल की 28 वीं वार्षिक आम सभा एवं स्नेह सम्मेलन18 जनवरी 2026 को हबीबगंज स्थित धनवंतरी पार्क में आयोजित किया जायगा। समाज के अध्यक्ष ज्योति खड़से के अनुसार सम्मेलन स्थल पर समाज का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जायेगा। तत्पश्चात् महिलाओं के लिए हल्दी-कुंकु, बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। वैवाहिक जीवन के 45 बसंत पूरा करने वाले दम्पत्तियों तथा 75 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गो को सम्मानित किया जाएगा।

संगीत सम्मेलन का प्रसारण आज

जागरण, भोपाल। आकाशवाणी भोपाल द्वारा आयोजित 67वां आकाशवाणी संगीत सम्मेलन का राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारण 8 जनवरी को किया जा रहा है। यह सम्मेलन 15 नवंबर 2025 को समन्वय भवन, भोपाल में सम्पन्न हुआ था। जिसमें संगीत की दो प्रतिष्ठित विभूतियों पंडित डॉ. संतोष नाहर और डॉ. दीपाली वात्तल ने अपनी प्रस्तुतियां दी थीं। पंडित नाहर के वादन का प्रसारण रात 10 बजे आकाशवाणी दिल्ली से होगा, जबकि डॉ. दीपाली वात्तल की गज़लों का राष्ट्रीय प्रसारण 17 फरवरी को होगा।

सिंचाई विभाग की जमीन होने के कारण पीडब्ल्यूडी हुआ खामोश

सड़क बनते ही लोगों ने किया डेढ़ मीटर तक अतिक्रमण, वाहन चालक परेशान

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शाहपुरा से आकृति ईको सिटी तक जाने वाली सड़क पर रहवासियों ने डेढ़-डेढ़ मीटर का अतिक्रमण कर लिया है। इससे चार पाहिया वाहनों को निकलने में काफी परेशानी हो रही है। इस संबंध में नगर निगम को शिकायतें भी दर्ज करा दी गई हैं, लेकिन अतिक्रमण शाखा की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। पीडब्ल्यूडी ने लाखों रुपये खर्च कर शाहपुरा से आकृति ईको सिटी तक पहुंचने के लिए कंक्रीट सीमेंट सड़का का निर्माण कर दिया है। जैसे ही सड़क पूरी हुई रहवासियों ने अतिक्रमण करना शुरु कर दिया है। यहां कुछ लोगों ने अपने घरों के बाहर जालियों और टीनशेड लगाकर अतिक्रमण कर लिया है। वहीं कुछ लोगों ने तो मजबूती देने के लिए प्लर से खड़े कराकर अतिक्रमण किया हुआ है। इससे रोड की चौडाई डेढ-डेढ मीटर तक कम हो गई है। इससे यहां से गुजरने वाले रहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। इस संबंध में नगर निगम में शिकायतें दर्ज करा दी गई हैं, लेकिन नगर निगम द्वारा कोई उचित कार्रवाई नहीं की गई है।

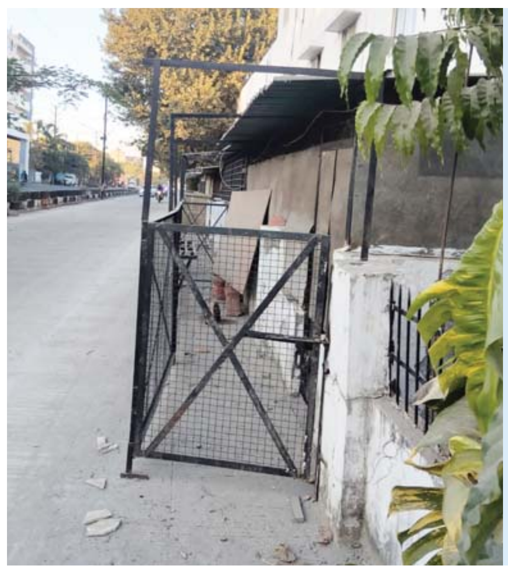

सिंचाई विभाग के नाम दर्ज है जमीन : उक्त सड़क नहर के किनारे बनी हुई है। यह जमीन पीडब्ल्यूडी के नाम पर दर्ज नहीं हैं। जमीन नहर के पास होने के कारण सिंचाई विभाग में दर्ज है। इसलिए पीडब्ल्यूडी सीधे कार्रवाई नहीं कर सकता है। क्योंकि पीडब्ल्यूडी को सिर्फ सड़क बनाने का कार्य दिया गया था। मालिकाना हक नहीं होने के कारण पीडब्ल्यूडी ने भी नगर निगम को अतिक्रमण हटाने के लिए कहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि उक्त जमीन पीडब्ल्यूडी को स्थानांतरित की गई होती, तो अतिक्रमण को जड़ से उखाड़ दिया जाता।

पीडब्ल्यूडी अतिक्रमण कराने बना रहा सड़कें

पीडब्ल्यूडी ने शहर की जर्जर सड़कों को खत्म करते हुए कंक्रीट सीमेंट की तजबूत सड़कें की हैं। जब सड़की खराब थी। तब यहां अतिक्रमण नहीं था, लेकिन जैसे ही पीडब्ल्यूडी ने सड़कें बनाना शुरु कर दिया है, लोगों ने मजबूत सड़कों पर अतिक्रमण करना शुरु कर दिया है। इससे सड़कों की चौडाई तक कम होने लगी है। यहां तक लोगों ने चार पाहिया वाहन तक खड़े करना शुरु कर दिए हैं, जिससे सड़कों पर जाम की स्थिति बनना शुरु कर दिया है।

नोटिस के बाद होगी कार्रवाई

ननि की अतिक्रमण अधिकारी सृष्टि भदौरिया का कहना है कि उक्त सड़क पर यदि पक्का अतिक्रमण किया गया है, तो प्रशासन और नगर निगम के द्वारा रहवासियों को नोटिस दिए जाएंगे। नोटसी कार्रवाई होने के बाद आदेश मिलने के बाद अतिक्रमण शाखा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करती है। अभी तक उक्त सड़क से अतिक्रमण हटाने के लिए कोई आदेश नहीं आया है। जैसे ही आदेश आएगा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को समर्पित चंदेरी उत्सव

मृगनयनी जीटीबी में चंदेरी उत्सव का शुभारंभ, 18 जनवरी तक चलेगा

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश की समृद्ध बुनकरी परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित चंदेरी उत्सव का शुभारंभ बुधवार को संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा किया गया। यह उत्सव 18 जनवरी तक जीटीबी कॉम्पलेक्स स्थित मृगनयनी एम्पोरियम में आयोजित किया जा रहा है। यहां चंदेरी की महीन बुनावट, पारंपरिक डिजाइन और शाही कारीगरी का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को आकर्षित कर रहा है।

प्रसिद्ध चंदेरी बुनकर मो. शफीक खान और मो. माजिद अली द्वारा बुनी गई साड़ियां धागों में बुनी इतिहास और परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जो चंदेरी की कला को नई पहचान देती हैं। हल्के रेशम, सूती और रेशम-सूती मिश्रित धागों से बनी चंदेरी साड़ियां अपनी चमक और नफासत के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। इस दौरान बादल महल डिज़ाइन की प्रतिकृति, अशर्फी जुगनु बुटी, तथा सोने-चांदी के मिश्रण से बनी जरी से तैयार साड़ियां और वस्त्र दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। हर डिजाइन में शिल्पकारों की मेहनत और सौंदर्यबोध स्पष्ट दिखाई देता है। एम्पोरियम प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि चंदेरी उत्सव भारतीय हथकरघा परंपरा को जीवित रखने का प्रयास है। यह आयोजन चंदेरी जैसे ऐतिहासिक बुनकरी केंद्र को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

छत से गिरने पर युवती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

दोस्त से मिलने पहुंची थी छात्रा, अस्पताल पहुंचा कर भागा युवक

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। चूनाभट्टी इलाके में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह छत से गिरी है या उसे किसे ने धक्का दिया, पुलिस इसकी जांच में जुटी है। वह दोस्त से मिलने उसके घर पहुंची थी। घटना के दोस्त उसे जेपी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह खबर लगते ही युवक मौके से भाग निकला। छात्रा के सिर, आंख, कमर, पीठ, हाथ-पैर सभी जगह चोट आई थी। यह चोट गिरने के अलावा मारपीट के भी हो सकते हैं। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, 23 वर्षीय प्रिया मेहरा पिता कैलाश मेहरा ईश्वर नगर बावड़िया कला में रहती थी। वह नूतन कालेज में पढ़ाई कर रही थी। बुधवार सुबह करीब 10 बजे वह घर से कालेज जाने के लिए निकली थी। वह कालेज न जाकर भूमि होम्स स्टे पारिका सोसायटी पहुंची। यहां उसका दोस्त तुषार कपिल रहता है। तुषार यहीं पर केयरटेकर का काम भी करता है। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। सुबह करीब 12 बजे पहली मंजिल से गिरते हुए कैमरे में कैद हुई है।

पूरे शरीर पर चोट के निशान: लहूलुहान हालत में तुषार उसे जेपी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद तुषार मौके से भाग निकला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। गुरुवार को शव का पीएम होगा। मामले की विवेचना कर रहे एसआई विनोद पंथी ने बताया कि युवती के लगभग पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। उसकी काफी समय से तुषार से दोस्ती थी।

नो मैपिंग वाले 13 हजार 319 मतदाताओं ने उपलब्ध करवाए अपने दस्तावेज, जुड़ेगा वोटर लिस्ट में नाम

59 हजार 459 मतदाताओं को भेजे गए नोटिस, 20 हजार 931 ने नाम जुड़वाने के लिए भरा फार्म-6

जागरण संवाददाता, भोपाल। जिले में 93 सुनवाई केंद्रों पर नो मैपिंग वाले 1 लाख 16 हजार 925 मतदाताओं की सुनवाई चल रही है। जिसमें से 59 हजार 459 मतदाताओं को बुधवार शाम तक नोटिस तामील कर दिए गए हैं। अब तक कुल 13 हजार 319 मतदाताओं ने नोटिस का जवाब देते हुए बीएलओ को अपने दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं। बुधवार को भी सुनवाई केंद्रों पर 3254 मतदाता सुनवाई के लिए पहुंचे। एक दो दिन में इन मतदाताओं के दस्तावेज भी बीएलओ एप पर फीड कर दिए जाएंगे। मामले में कलेक्टर भोपाल कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि मतदाताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। निर्वाचन आयोग द्वारा बताए गए एक भी दस्तावेज को जमा करवाकर वे अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। इन दस्तावेजों में से एक न एक दस्तावेज हर मतदाता के पास उपलब्ध होगा।

20 हजार 931 मतदाताओं ने नाम जुड़वाने के लिए किया आवेदन : बुधवार तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए 20 हजार 931 मतदाताओं ने फार्म-6 के जरिए मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया है। नए मतदाताओं से भी घोषणा पत्र के जरिए 2003 की वोटर लिस्ट के माध्यम से मैपिंग की जा रही है। वहीं नाम, पता व मोबाइल नंबर बदलवाने के लिए फार्म-8 के जरिए 19 हजार 361 मतदाताओं ने आवेदन किया है।

बुधवार शाम तक एसआईआर कार्य की स्थिति

विधानसभा	जनरेट नोटिस	फार्म-6	फार्म-8	भेजे गए नोटिस	दस्तावेज उपलब्ध करवाने वाले मतदाता
बैरसिया	2134	992	737	1249	648
उत्तर	10080	3041	2687	5174	873
नरेला	23790	4894	3423	10918	1826
दक्षिण पश्चिम	16596	1147	1618	7430	981
मध्य	10088	2473	2590	4453	802
गोविंदपुरा	30188	4332	4937	16699	2198
हुजूर	24049	4011	3369	13536	5991
कुल	**116925**	**20931**	**19361**	**59459**	**13319**

संजय गांधी टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत के बाद क्षेत्र संचालक का तबादला

वन भवन में एपीसीसीएफ (संरक्षण) के पद पर किया तैनात

जागरण संवाददाता, भोपाल। वन विभाग सेवा में बड़ा फेरबदल करते हुए 28 भारतीय वन अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया गया है। राज्य वन सेवा के 20 अधिकारियों को पदोन्नत कर प्रभारी डीएफओ बनाया गया है। कुल 48 अधिकारियों का फेरबदल किया गया है। फेरबदल करते हुए कान्हा, पेंच व नौरादेही टाइगर रिजर्व में पदस्थ अफसरों को भी स्थानांतरित किया गया है। माना जा रहा है कि पिछले साल हुई बाघों की मौत के बाद जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदारी तय करते हुए यह फेरबदल किया गया है। 1990 के आईएफएस अधिकारी विभाष कुमार ठाकुर को संरक्षण से रिसर्च एंड डेवलपमेंट में भेजा गया है। संजय गांधी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अमित कुमार दुबे को वन भवन में एपीसीसीएफ (संरक्षण) के पद पर पदस्थ किया गया है। बता दें कि हाल ही में संजय गांधी टाइगर रिजर्व में हुई बाघ शावकों की मौत के बाद वन बल प्रमुख ने नाराजगी जताई थी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर प्रकाश कुमार वर्मा को कान्हा भेजा गया है। वहीं कान्हा के डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल को पेंच टाइगर रिजर्व भेजा गया है। पेंच टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह को नौरादेही वनमंडल में डीएफओ के पद पर पदस्थ किया गया है।

इन अधिकारियों का भी हुआ तबादला

आईएफएस प्रफुलनीरज गुलाबराव फुलझेले को मध्य प्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ, भोपाल से मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम में बतौर मुख्य वन संरक्षक पदस्थ किया गया है। मस्तराम बघेल को जबलपुर वन वृत्त, कमल अरोरा को छिंदवाड़ा वन वृत्त, मधु व्ही राज को बैतूल वन वृत्त, आलोक पाठक को उज्जैन वन वृत्त, बासु कन्नौजिया को खंडवा वन वृत्त और क्षितिज कुमार को भोपाल वन वृत्त की जिम्मेदारी दी गई है। इंदौर, कटनी, रतलाम, सिवनी, डिंडोरी, उमरिया, ग्वालियर, छतरपुर और बालाघाट के अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है।

विचार, साहित्य और कला के उत्सव के लिए सजेगा भोपाल

जागरण, भोपाल। झीलों की नगरी विचार, साहित्य, कला व संस्कृति के सशक्त संवाद का केंद्र बनने जा रही है। भोपाल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल (बीएलएफ) 2026 का आठवां संस्करण 9 से 11 जनवरी तक भारत भवन में होगा। फेस्टिवल डायरेक्टर राघव चंद्रा ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाला फेस्टिवल देश व विदेश के प्रतिष्ठित लेखकों, विचारकों, कलाकारों को एक मंच पर लाकर गहन वैचारिक संवाद को नया आयाम देगा। बीएलएफ लगातार भोपाल को एक सशक्त सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस की इन-फ्लाइट मैगजीन में भी भोपाल लिटरेचर एंड आर्ट फेस्टिवल का उल्लेख किया जा चुका है, जिससे भोपाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। फेस्टिवल के दौरान लेखक संवाद, परिचर्चाएं, पुस्तकों का विमोचन, कला प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

1.5 लाख की रिश्वत लेते पीएचई का इंजीनियर, ड्राइवर गिरफ्तार

बिल के भुगतान के एवज में मांगी 6 लाख की घूस

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की सागर यूनिट ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सागर में प्रभारी कार्यपालन यंत्री (ईई) संतोषी लाल बाथम को उनके ड्राइवर के जरिए 1.50 लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जल जीवन मिशन के 2.16 करोड के अधूरे कामों का वर्क ऑर्डर जारी करने और पुराने बिलों के भुगतान के बदले बाथम ने ठेकेदार शैलेश कुमार से 6 लाख की घूस मांगी थी और पहली किस्त के रूप में बुधवार को 1.5 लाख लेकर आने को कहा था। लोकायुक्त एसपी योग्श्वर शर्मा ने ट्रेप का प्लान बनाया। बुधवार को ठेकेदार रिश्वत की रकम लेकर इंजीनियर के दफ्तर पहुंचा तो ड्राइवर फूल सिंह यादव को बुलाकर पैसे लेकर गाड़ी में रखने को कहा। ऑफिस के बाहर आकर पैसे लेकर जैसे ही ड्राइवर ने कार में रखे, वैसे ही टीम ने दबोचा और इंजीनियर के पास ले गए।

3.5 फीसदी कमीशन की डिमांड: यह पहला मामला नहीं है जब एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बाथम के खिलाफ लोकायुक्त या अन्य जांच एजेंसी के पास शिकायत पहुंची हो। इससे पहले भी उसके खिलाफ कई ठेकेदारों ने लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू समेत विभाग के आला अफसरों के पास भी शिकायतें दर्ज कराई हैं। बाथम पर आरोप है कि वह हर ठेकेदार से वर्क ऑर्डर जारी करने और बिल का भुगतान करने के एवज में 3.5 फीसदी फिक्स कमीशन लेता था। अब लोकायुक्त के शिकंजे में फंसने के बाद बाथम की प्रॉपर्टी की जांच की जाएगी।

रिश्वत की रकम इंजीनियर के कहने पर ड्राइवर ने ली। उसे पकड़कर घूस के नोट बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

योगेश्वर शर्मा, सागर लोकायुक्त एसपी

आयोजन — आईएएस अफसर जयश्री कियावत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

देश-विदेश की 25 महिला विभूतियों को ऊर्जस्विता सम्मान

जागरण, भोपाल। अनुनय एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय होटल प्रबंधन संस्थान, भोपाल में आयोजित समारोह में देश-विदेश की 25 महिला विभूतियों को ऊर्जस्विता सम्मान से सम्मानित किया गया। जिसमें कई जिलों में कलेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुकीं जयश्री कियावत को उनके दीर्घकालीन प्रशासनिक योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जब महिलाएं घर से बाहर निकलकर नेतृत्व करती हैं, तो असंख्य महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्य अतिथि पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समाज को नई दिशा देती है। ऐसे सम्मान कार्यक्रम प्रेरणा का कार्य करते हैं। संस्था की अध्यक्ष माही भजनी ने संस्था के उद्देश्य और पुरस्कारों की जानकारी दी, जबकि सचिव एवं सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी डॉ. ए.के. भट्टाचार्य ने चयन प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महापौर मालती राय, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, पार्षद अरविंद वर्मा भी मौजूद रहे।

इन महिलाओं को किया सम्मानित

कार्यक्रम में स्विट्जरलैंड की इजाबेल को इकोटूरिज्म, इंदौर की डॉ. सीमा अलावा को प्रशासन, उज्जैन की महामंडलेश्वर देवी मां शिवांगी नंद गिरी को अध्यात्म, उत्तराखंड की अनुपमा जोशी को डिफेंस, नीतू शर्मा को सामाजिक नेतृत्व, नर्मदापुरम की डॉ. स्मिता रिछारिया को लेखन, यूके की सोफी हार्टमैन को कम्युनिटी डेवलपमेंट, ग्वालियर की डॉ. महिमा तारे को महिला सशक्तिकरण, छत्तीसगढ़ की तान्या मरावी व दीप्ति ओग्रे को जनजातीय कला व उद्यमिता, शाजापुर की अनुज्ञा शर्मा को खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा भोपाल की डॉली शर्मा, प्रीति शर्मा जैन, डॉ. प्रिया सिंह कुशवाह, गुंजन चौकसे, विनीता सिंह तोमर, जया शर्मा, मुद्रा केसवानी, तरु सक्सेना, अविशी श्रीवास्तव, डॉ. मनेन्द्र कटियार, डॉ. राखी माहेश्वरी, दिल्ली की नमिता छेत्री और छतरपुर की डॉ. श्वेता गर्ग को भी सम्मानित किया गया।

भक्त प्रहलाद और नरसिंह भगवान के प्रेम का वर्णन सुन भाव विभोर हुए श्रोता

भोपाल। पता नहीं किस रूप में आकर नारायण मिल जाएगा...इसी भाव से परिपूर्ण भक्त प्रहलाद की भक्ति ने कथा पंडाल में श्रोताओं को प्रभु भक्ति में लीन कर दिया। साकेत नगर में चल रही भागवत कथा के तीसरे दिन कथाव्यास शशांक महाराज ने अजामिल प्रसंग सहित प्रहलाद के नारायण भक्ति की कथा सुनाई। नारायण के वामन अवतार की झांकी का मंचन किया गया।भगवान विष्णु के परम भक्त प्रहलाद को उसके अहंकारी पिता असुर राजा हिरण्यकश्यप बार-बार उसे नारायण भक्ति न करने का आदेश देते हैं। उनके कई बार मारने के प्रयास करते हैं यहां तक कि अपनी बहन होलिका जिसे अग्नि में न जलने का वरदान प्राप्त था, उसकी गोद में बिठाकर अग्नि प्रज्जवलित करा देते हैं। बावजूद प्रहलाद की भक्ति अडिग रहती है और अंततः भगवान विष्णु नरसिंह अवतार लेकर प्रहलाद के पिता का वध करते हैं, और उसे अपनी गोद में बिठाकर एक पिता की भांति दुलार करने लग जाते हैं।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

भारत को गीदड़ भभकियां देने से बाज आएं ट्रंप

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अब भारत को भी घुड़काना शुरू कर दिया है। बेशक वह भारत में 'वेनेजुएला प्रयोग' को दोहराने का दुस्साहस नहीं कर सकते, क्योंकि वह भारत की चौतरफा ताकत को अच्छी तरह जानते हैं। भारत एक प्रमाणित परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र है, अमरीका से अधिक यह कौन जानता है। बावजूद इसके राष्ट्रपति ट्रंप का नया बयान आया है– 'दरअसल प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं, वे जानते हैं कि मैं इससे (रूस से तेल खरीद) खुश नहीं हूं और मुझे खुश रखना जरूरी है। यदि रूस से तेल खरीद जारी रही, तो भारत पर बहुत जल्दी और टैरिफ लग सकते हैं। वह भारत के लिए ठीक नहीं होगा।' हालांकि इस तरह के बयान कोरी गीदड़ भभकियां ही साबित होंगे।

गौरतलब यह है कि भारत अप्रैल, 2025 में रूस से 8.6 मिलियन टन कच्चा तेल खरीदता था, जो नवंबर तक घट कर 7.7 मिलियन टन हो गया। भारत अमरीका से भी करीब 3 मिलियन टन तेल खरीदता है। अमरीका की तुलना में रूस से तेल खरीद आज भी अधिक है। भारत ने किसी दबाव में तेल खरीद को कम नहीं किया, यह उसकी जरूरतों के मुताबिक है। तेल भंडारों और क्षमताओं को लेकर अमरीका का स्थान बहुत नीचे है। वेनेजुएला में सबसे अधिक प्रमाणित 303 अरब बैरल तेल के भंडार हैं और वह आज भी सबसे बड़ा सप्लायर है। उसके बाद सऊदी अरब और ईरान सबसे अधिक तेल बेचते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की पूरी रणनीति तेल कारोबार पर वर्चस्व स्थापित करने की है, जिसका विरोध अमरीका में ही किया जा रहा है। पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने वेनेजुएला हमले और वहां के राष्ट्रपति को अगवा करके अमरीका लाने के ऑपरेशन को लेकर ट्रंप के खिलाफ आक्रामक बयान दिए हैं। उन्हें 'राजनीतिक' भी माना जा सकता है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ महाभियोग लाने पर भी चर्चा छिड़ चुकी है। डेमोक्रेट्स और ट्रंप की पार्टी के सांसद अपने ही राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग लाकर उन्हें पद से हटाने की राजनीति में जुट गए हैं।

जहां तक टैरिफ का मामला है, वह अमरीकी अदालत के विचाराधीन है, लिहाजा ट्रंप नए टैरिफ नहीं थोप सकते। अलबत्ता अमरीकी राष्ट्रपति कमोबेश भारत को घुड़कियां देने से बाज जरूर आएं। यदि उन्होंने घोषित 50 फीसदी से अधिक टैरिफ थोपने का कोई फैसला लिया, तो अमरीकी कांग्रेस (संसद) उसे खारिज कर सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप बड़बोले नेता हैं, लिहाजा उनकी टिप्पणियों पर हर बार पलटटिप्पणी भारत करे, ऐसा संभव नहीं है और न ही भारत के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को ट्रंप के बयानों की चिंता करनी चाहिए। सभी अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और प्रमुख रेटिंग एजेंसियों के आकलन हैं कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 7 फीसदी से अधिक रहेगी। टैरिफ के बावजूद भारत की जीडीपी 375 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है और भारत विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। यह तथ्य अमरीका भी मानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था अमरीकी अर्थव्यवस्था से कई गुना तेज गति से बढ़ रही है। बेशक अमरीका 30 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था है। अमरीका वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को अगवा करके अपने अदालती कटघरे तक ला सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप कोलंबिया, क्यूबा, ग्रेनेडा, ग्रीनलैंड, मैक्सिको आदि छोटे और आर्थिक रूप से विपन्न देशों को धमकियां दे सकते हैं कि उनके राष्ट्राध्यक्षों का अंजाम मादुरो से भी बदतर होगा। भारत इस संदर्भ में 'अपवाद' है। ट्रंप कमजोर देशों पर नार्को आतंकवाद और नशीले पदार्थों की तस्करी के आरोप लगाकर अमरीकी अदालत में केस चला सकते हैं, लेकिन भारत ऑटोमोबाइल, मोबाइल, चावल, चीनी, आईटी, दूध, गेहूं आदि के सर्वोच्च देशों में एक है। विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। लिहाजा राष्ट्रपति को ऐसे देश को घुड़काने से पहले कई बार सोचना चाहिए।

प्रदूषण का संकट

लैंसेट और इमोनीड्स के सर्वे बता रहे प्रदूषण से भविष्य के खतरे

सांसों तक सीमित नहीं भारत में प्रदूषण संकट

सुरेश सेठ

मौसम का चरित्र बदल रहा है। बरसात के मौसम में बारिश नहीं होती और जब मानसून की विदाई का समय आता है, तो बादल फटने लगते हैं। वैसे तो कई देशों में प्रदूषण संकट गहरा गया है, लेकिन भारत में इसकी चुनौतियां बेहद गंभीर रूप ले चुकी हैं। पिछले दिनों पर्यावरण और प्रदूषण पर 'लैंसेट' का एक सर्वेक्षण आया। इसके बाद मानसिक रोगियों की देखभाल करने वाली एक संस्था 'इमोनीड्स' का भी एक सर्वेक्षण जारी हुआ। इन दोनों ही सर्वेक्षणों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। विशेष रूप से भारत के लिए यह चिंता की बात है, जहां विकास के समांतर न तो पर्यावरण को बचाने की फिक्र है और न प्रदूषण को नियंत्रित करने के गंभीर प्रयास दिखते हैं।

ये सर्वेक्षण बता रहे हैं कि वायु गुणवत्ता सूचकांक का लगातार 400 से ऊपर रहना, न केवल लोगों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को भी जोखिम में डाल दिया है। अब बच्चे भी खतरे में हैं। वहीं लोगों में स्मृति संबंधी विकार बढ़ा है। इसके अलावा जहरीली हवाओं के लगातार बने रहने से कई बीमारियां पैदा हो रही हैं।

सर्वेक्षण बता रहे हैं कि प्रदूषण से न केवल सांस लेने में दिक्कत हो रही है, बल्कि हृदय और एलर्जी संबंधी समस्याएं भी लोगों को हो रही हैं। अल्जाइमर और पार्किंसन की चपेट में भी लोग आ रहे हैं। सर्वेक्षण में भारतीयों की मुश्किलों का भी जिक्र है। कहा गया है कि इस प्रदूषण ने लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटा दी है और अब हालत ऐसी हो गई है कि एंटीबायोटिक दवाइयां भी कम असर कर रही हैं। देश में निरंतर बढ़ते प्रदूषण के कारण ऋतु चक्र में असाधारण बदलाव आया है। बढ़ते वैश्विक ताप की वजह से जटिलताएं बढ़ रही हैं। बर्फ गिरने की प्रकृति बदल रही है। हिमनद हमारे जलस्रोत हैं। ये नदियों को पानी और बादलों को घुमड़न देते हैं। खेतों में फसलों को जीवन भी मिलता है। मगर अब बर्फ कम पड़ रही है और जो हिमनद बनते हैं, वे जल्दी पिघलने लगते हैं। इसी कारण बाढ़ के खतरे बढ़ गए हैं और लोगों का जीवन अनिश्चित हो गया है। जलवायु संकट की यह भयावह तस्वीर है।

ऐसे में सभी का दायित्व है कि वह प्रदूषण को किसी भी तरह नियंत्रित करने के लिए हरसंभव योगदान दें। सरकारें कदम उठाएं। वैश्विक ताप पर नियंत्रण के लिए ठोस उपाय हों। नारों और भाषणों से कुछ भी हासिल नहीं होगा। प्रदूषण से दुनिया के ज्यादातर देश बेहाल हैं। गरीब देशों के सामने संकट है, लेकिन समर्थ देश इस लड़ाई में अपना योगदान देने के लिए तैयार नहीं हैं। उनका विचित्र तर्क है कि कार्बन उत्सर्जन तो तीसरी दुनिया के वे देश कर रहे हैं जो अब विश्व में चौथी औद्योगिक क्रांति का अगुआ बनना चाहते हैं। वैश्विक ताप को लेकर ताकतवर देशों को कोई चिंता नहीं। आधुनिकीकरण के दौर में लगातार पहाड़ काटे जा रहे हैं। खनन के लिए किए जा रहे विस्फोटों से धरती कांप रही है। कई पहाड़ दरक रहे हैं। पहाड़ी इलाकों में स्थिति गंभीर है। मनुष्यों की जिंदगी अनिश्चित हो गई है। लिहाजा अब सचेत होने का समय है।

मौसम का चरित्र बदल रहा है। बरसात के मौसम में बारिश नहीं होती और जब मानसून की विदाई का समय आता है, तो बादल फटने लगते हैं। पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश के कुल्लू से लेकर मंडी जिले तक बार-बार जल प्रलय हुआ। इन घटनाओं ने खतरे की घंटी बजा दी है। प्रकृति ने मनुष्यों को सचेत होने का संदेश दे दिया है। उत्तराखंड में धरती कांपती है, भूकम्प आते हैं और गांवों के गांव नक्शे से गायब हो जाते हैं। मगर लोगों को कोई यह नहीं समझाता कि जीवन जीने का सहज तरीका ही सर्वोत्तम है। ऐसा लगता है कि विकास की दौड़ में हम प्रकृति का ही विध्वंस करेंगे। ऐसे में जरूरी है कि अब वैज्ञानिकों की बताई सावधानियां बरती जाएं। इसी संदर्भ में अरावली पहाड़ियों का मुद्दा एक महत्त्वपूर्ण संदर्भ के रूप में सामने है। खनन माफिया की यही कोशिश रही है कि अरावली पर्वतमाला से अपने खनन व्यापार का हित साधा जाए। अरावली की जो छोटी पहाड़ियां हैं, वहां खनन किसी से छिपा नहीं है। इस समय यह पर्वत श्रृंखला संकट के दौर से गुजर रही है।

पहाड़ी क्षेत्र में किस तरह संकट पैदा होते हैं, इसका सामना उत्तराखंड और हिमाचल ने बार-बार किया है। अरावली श्रृंखला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात तक फैली है। यहां खनन पट्टों के आबंटन पर रोक लगे, ऐसी मांग लोग करते रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भी आवाज उठाई। गौरतलब है कि अरावली की पहाड़ियां थार रेगिस्तान और उत्तरी मैदानों के बीच एक दीवार का काम करती हैं। कोई दो राय नहीं कि अरावली पर्वत श्रृंखला को किसी भी हाल में संरक्षित करना होगा।

इस मुद्दे पर अब शीर्ष न्यायालय भी सख्त है, लेकिन हमें अब अन्य पर्वत श्रृंखलाओं पर भी ध्यान देना होगा। उन्हें बचाना होगा। अंधाधुंध विकास मानव जाति के लिए तबाही ही लाएगा, नहीं तो विकास की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। समस्या केवल पहाड़ों की नहीं है या उन मैदानी क्षेत्रों की नहीं है, जहां भूकम्प की लगातार आशंका बनी रहती है। यों दिल्ली से लेकर पंजाब और हिमाचल तक कई इलाकों में भूकम्प की आशंका बनी रहती है। इसलिए यहां जो भी विकास होता है, वह इस तरह होना चाहिए कि भूकम्प से बचाव हो सके।

दूसरी ओर प्रदूषण का असली कारण क्या है, इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पहले तो पंजाब पर आरोप लगता रहा कि वहां पराली जलाने से दिल्ली में प्रदूषण बढ़ता है, लेकिन अब विशेषज्ञों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह तो अंधाधुंध विकास का नतीजा है। वाहनों की बढ़ती समस्या भी चिंता का विषय है। कचरे का उचित ढंग से निस्तारण न हो पाना भी एक चुनौती है। पराली न जलाने के लिए अभियान तो चलाया गया है, लेकिन प्रदूषण का समाधान कैसे होगा? स्वाभाविक है कि इसके लिए एक दीर्घकालिक ठोस नीति बनानी पड़ेगी। पराली पर राजनीति करने या नारेबाजी से समस्या नहीं सुलझेगी। सवाल यह भी है कि राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश तक जानलेवा घुटन क्यों है? स्पष्ट है कि हमें समस्या की तह में जाना होगा।

खुला मंच

पब्लिक जानती है नेताजी की शपथ के मायने

गुरमीत बेदी

नेताजी शपथ दिला रहे थे। कार्यक्रम में दूर-दूर से पकड़ लाई गई पब्लिक शपथ ले रही थी। पब्लिक में से बहुत से लोग भूखे-प्यासे थे। बहुत से स्कूलों के बच्चे थे, जिन्हें शिक्षकगण इकट्ठा करके ले आए थे। कार्यक्रम में बूढ़े भी थे, महिलाएं भी थीं, नौजवान भी थे और बच्चे भी थे। नेताजी सबको शपथ दिला रहे थे कि भ्रष्टाचार को खत्म करना है। बच्चे सोच रहे थे कि उन्हें स्कूल का मैनेजमेंट हर साल किसी खास दुकान से ही वर्दी लेने को क्यों कहता है, जबकि वही वर्दी आम बाजार में सस्ती मिल जाती है। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं ? आम आदमी सोच रहा था कि उसे जन्म प्रमाण पत्र बनवाने से लेकर पुलिस वेरिफिकेशन करवाने तक घूस देनी पड़ती है। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं ? पब्लिक यह भी सोच रही थी कि चुनाव में नेताजी को वोट के साथ-साथ बंद लिफाफे में घर जाकर नोट भी देने पड़ते हैं। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं ? पब्लिक सोच रही थी कि ट्रांसफर करवाने के लिए अधिकारी और कर्मचारी पैसे ले लेते हैं। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं? पब्लिक कंफ्यूज थी कि भ्रष्टाचारियों को जो सबसे बड़ा संरक्षण देता है, वही नेता उन्हें यह शपथ दिलाने के लिए आया है कि भ्रष्टाचार को खत्म करना है।

शपथ का मंच बड़ा सजा-धजा था। मंच के पीछे बैनर लगा था, 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत की ओर एक कदम'। पब्लिक सोच रही थी कि कदम तो हर बार आगे बढ़ता है, लेकिन मंज़िल हर बार पीछे खिसक जाती है। नेताजी बोल रहे थे, 'आज से हम सब ईमानदारी की राह पर चलेंगे।' पब्लिक ने तालियां बजाईं। तालियां इसलिए नहीं बजाईं कि उन्हें भरोसा हो गया था, बल्कि इसलिए बजाईं कि कैमरा सामने था। नेताजी ने कहा, 'आज से कोई रिश्वत नहीं देगा।' पब्लिक सोच रही थी कि न देने की बात तो ठीक है, लेकिन जो ले रहा है, उसका क्या होगा? नेताजी ने कहा,'आज से कोई रिश्वत नहीं लेगा।' पब्लिक और भी कंफ्यूज हो गई। क्योंकि जिनके हाथ में माइक था, उन्हीं हाथों में फाइलें भी आती-जाती थीं। और फाइलों के साथ लिफाफे भी।

नेताजी ने शपथ दोहराई। पब्लिक ने भी दोहराई। शब्द भारी थे, जेबें हल्की थीं। शब्दों से पेट नहीं भरता। बच्चे फिर रोने लगे। बच्चे शपथ नहीं समझ रहे थे। उन्हें सिर्फ भूख समझ आ रही थी। लेकिन भूख को मंच पर जगह नहीं मिलती। नेताजी ने कहा, 'हम सब मिलकर इस बीमारी को खत्म करेंगे।' पब्लिक सोच रही थी कि डॉक्टर खुद मरीज बन जाए, तो इलाज कौन करेगा? शपथ खत्म हुई। पब्लिक उठने लगी। बच्चे सबसे पहले बाहर निकले, क्योंकि भूख उन्हें खींच रही थी। बूढ़े धीरे-धीरे चले, क्योंकि भरोसा उनसे पहले थक चुका था।

प्रसंगवश

क्या अराजकता का पर्याय है 'नया बांग्लादेश'?

पड़ोसी राष्ट्र में हिंदू पहचान को निशाना बनाती हत्याएं और अंतरिम सरकार की चुप्पी – यह हालात देश को किस ओर ले जा रहे हैं? बांग्लादेश में आंदोलन और उसके बाद हिंसा शायद किसी एजेंडे के तहत हो रही है। बांग्लादेश में पिछले कुछ महीनों से जिस तरह की अराजकता बेलगाम होती देखी जा रही है, उससे साफ है कि बदलाव की मांग के साथ वहां जो आंदोलन शुरू हुआ था, वह अब दिशाहीन हो चुका है। अब वहां हो रही लक्षित हिंसा की घटनाएं व्यापक चिंता का कारण बन रही हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों में जिन दो लोगों की हत्या कर दी गई, उनकी सामुदायिक पहचान हिंदू थी। सोमवार रात को वहां के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने एक किराना दुकान के चालीस वर्षीय मालिक की हत्या कर दी। इस घटना से कुछ घंटे पहले ही जेस्सोर जिले में एक अन्य व्यापारी की सिर में गोली मार कर जान ले ली गई, जो एक अखबार के कार्यवाहक संपादक भी थे। इसके अलावा, एक विधवा से सामूहिक बलात्कार, उसका निर्मम उत्पीड़न करने और उसका वीडियो बना कर जारी कर देने की भी खबर आई। इससे पहले भी वहां हिंदू पहचान को निशाना बना कर हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

साफ है कि बांग्लादेश में जारी हिंसा और अफरा-तफरी अब किसी खास एजंडे के तहत हो रही लगती है। वरना क्या कारण है कि एक ही प्रकृति की घटनाएं लगातार सामने आने और इसी वजह से नई जटिलताएं खड़ी होने के बावजूद वहां की अंतरिम सरकार इसे रोकने को लेकर कुछ भी ठोस कदम नहीं उठा रही है। यह बेवजह नहीं है कि लगातार और सरेआम हो रही हत्या की घटनाओं से स्थानीय अल्पसंख्यक समुदायों के आम लोगों और व्यापारियों के बीच असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है।

अशांति और हिंसा की घटनाओं में तेजी की तात्कालिक वजह जुलाई, 2024 के विद्रोह के एक प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या हो सकती है, जो भारत का कट्टर आलोचक भी था। सवाल है कि अगर हादी का मकसद देश को बदलना था, तो क्या उसका रास्ता यह होगा कि वहां के अल्पसंख्यक तबकों और खासतौर पर चुन कर हिंदू पहचान वाले निर्दोष लोगों की हत्या की जाए? फिर अगर अराजकता का यह सिलसिला जारी रहता है और वहां की सरकार तथा कानून-व्यवस्था संभालने वाली एजंसियां ऐसी घटनाओं को रोक नहीं पाती हैं, तो इसके क्या मायने निकाले जाएंगे?

ंग्लादेश में तत्कालीन शेख हसीना सरकार के खिलाफ विद्रोह की घोषित वजहें चाहे जो रही हों, लेकिन आज वहां भीड़तंत्र जिस तरह हावी होता दिख रहा है, वह खुद बांग्लादेश के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। धार्मिक पहचान को आधार बना कर हत्या या बलात्कार की घटनाओं के दौरान स्थानीय लोग जिस तरह अराजक होते या जैसी प्रतिक्रियाएं देते दिखते हैं, वह कुछ समूहों के दिशाहीन और संवेदनहीन हो जाने का संकेत तो है ही, जघन्य अपराधों के बेलगाम होते जाने को नहीं रोक पाना दरअसल शासन के नाकाम हो जाने का भी सबूत है।

अगर अब भी वहां शांति और लोकतंत्र की बहाली के लिए ठोस कवायद नहीं हुई, अल्पसंख्यक समुदायों के बीच फैली असुरक्षा की भावना बनी रही, तो इसका खमियाजा समूचे देश को उठाना पड़ सकता है। सही है कि लक्षित तौर पर हिंसा करने वालों के बरक्स वहां अब भी वैसे लोग हैं, जो अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने पर चिंता जाहिर करते हैं। मगर शेख हसीना को सत्ता से हटाने के कई महीने के बाद भी अगर वहां अराजकता फैलती दिख रही है, तो विद्रोह की अगुवाई करने वालों से लेकर फिलहाल सत्ता संभालने वाले समूह भविष्य में किस तरह का बांग्लादेश बनाने की उम्मीद दे रहे हैं?

वर्क लाइफ बैलेंस

निजी और पेशेवर जीवन के बीच संतुलन से रहेगी बेहतर सेहत।

रिचार्ज होने के लिए 'ऑफ बटन' दबाना जरूरी

डॉ सुधीर कुमार

हम अपनी जिंदगी का नियंत्रण वापस लें और काम को उसके तय दायरे में ही रखें। यह एक संदेश है कि हम इंसान हैं, मशीन नहीं, और हमें अपने परिवार, दोस्तों और खुद के लिए समय चाहिए। हमें रिचार्ज होने के लिए 'ऑफ बटन' दबाने की जरूरत है।

पिछले दिनों लोकसभा में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' बिल पेश किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को काम के घंटों के बाद कार्यालय से जुड़ी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों से डिस्कनेक्ट होने का अधिकार देना है। यह बिल अभी संसद में सिर्फ 'प्राइवेट मेंबर बिल' के तौर पर पेश हुआ है, जिसका कानून बनना थोड़ा मुश्किल होता है। पर इसने एक ज़रूरी बहस तो छेड़ दी है।

सीधे शब्दों में, यह अधिकार सुनिश्चित करता है कि आपकी निजी जिंदगी और काम की जिंदगी के बीच एक साफ़ सीमा खींची जा सके। यह बिल कर्मचारियों को यह कानूनी अधिकार देता है कि वे काम के घंटों के बाद अपने बॉस या सहकर्मियों के फ़ोन कॉल, ईमेल या मैसेज को नजरअंदाज कर सकें, जिससे उनके निजी जीवन और आराम के समय का सम्मान हो सके। इस बिल में यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई एंटिटी (कंपनी या सोसाइटी) नियमों का पालन नहीं करती है, तो उस पर कर्मचारियों की कुल सैलरी का 1 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा।

यह बिल नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह लोगों को तनाव और बर्नआउट से मुक्ति दिलाता है, क्योंकि लगातार 'ऑन-कॉल' रहने की स्थिति में दिमाग को सही से आराम नहीं मिल पाता। इस बिल का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करता है। इसके अलावा, यह कानून लोगों को उनका निजी समय वापस दिलाता है, जिससे वे परिवार और दोस्तों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिता सकते हैं। निजी और पेशेवर जीवन के बीच यह संतुलन बेहतर सेहत के लिए जरूरी है, क्योंकि यह नींद की कमी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को रोकता है, और उत्पादकता में सुधार करता है। निस्संदेह, आराम और तरोताजा महसूस करने वाले कर्मचारी अगले दिन अधिक लगन और बेहतर ढंग से काम करते हैं, जो यह साबित करता है कि आराम करने से उत्पादकता बढ़ती है, कम नहीं होती।

इस बिल में दो अद्वितीय और मजेदार सुझाव भी दिए गए हैं। पहला, यह बिल देश भर में 'डिजिटल डिटॉक्स सेंटर्स' बनाने का प्रस्ताव करता है। इन सेंटरों का मकसद एक ऐसी जगह प्रदान करना होगा जहां कर्मचारी स्वेच्छा से जाकर डिजिटल उपकरणों से दूर रह सकें और व्यक्तिगत बातचीत तथा आराम पर ध्यान केंद्रित कर सकें। दूसरा, बिल यह सुझाव देता है कि कर्मचारियों को काउंसलिंग सर्विस प्रदान की जाए। इस काउंसलिंग का लक्ष्य उन्हें यह सिखाना होगा कि व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में डिजिटल साधनों का उपयोग कब और कैसे विवेकपूर्ण तरीके से करना है, जिससे वे अपने काम और निजी समय के बीच एक स्पष्ट संतुलन स्थापित कर सकें। यानी, आपको सिखाया जाएगा कि इंस्टाग्राम पर रील देखना और बॉस का ईमेल चेक करना, ये दोनों अलग-अलग चीजें हैं।

यह एक वैश्विक रुझान है, जहां दुनिया के कई विकसित देश अपने कर्मचारियों के 'काम से वियोग का अधिकार' को कानूनी रूप से लागू कर रहे हैं। भारत अकेला नहीं है; फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल जैसे कई प्रमुख राष्ट्रों ने यह पहचान लिया है कि एक स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने और कर्मचारी के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए 'काम से वियोग का अधिकार' आवश्यक है। फ्रांस इस अधिकार को लागू करने वाला दुनिया का पहला देश था। उसने 2017 में ही कानून बनाकर बड़ी कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया कि वे सुनिश्चित करें कि कर्मचारी काम के घंटों के बाद डिजिटल संचार से पूरी तरह से वियोग कर सकें। स्पेन भी इस मामले में पीछे नहीं है। वहां भी यह अधिकार लागू है और कंपनियों को अपने कर्मचारियों के लिए डिजिटल आराम की नीति बनाना अनिवार्य है। सबसे हालिया और सख्त उदाहरणों में से एक पुर्तगाल का है। पुर्तगाल ने कड़े नियम बनाए हैं, जिनके तहत बॉस काम के घंटों के बाहर कर्मचारी से संपर्क नहीं कर सकते, और यदि वे ऐसा करते हैं, तो उन पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

यह 'राइट टू डिस्कनेक्ट' बिल भारत के लिए एक सकारात्मक और आवश्यक कदम है, जो आधुनिक कार्य संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है। हालांकि, इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है। नियमों को बनाते समय, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स की विशिष्ट जरूरतों को समझना होगा, ताकि तुरंत प्रतिक्रिया की आवश्यकता वाली उनकी कार्यप्रणाली बाधित न हो।

इसके अलावा, आपातकालीन स्थितियों और जरूरी सेवाओं जैसे कि अस्पताल या पुलिस में इस नियम के अपवादों की स्पष्टता होनी चाहिए। बिल का सही प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए, सरकार और कंपनियों को मिलकर एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाना होगा, जिससे कर्मचारी बिना किसी डर के अपने इस अधिकार का उपयोग कर सकें। अंततः, प्रत्येक कंपनी को अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर एक सुलझी हुई और लचीली 'डिस्कनेक्ट नीति' चाहिए, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो।

निस्संदेह 'राइट टू डिस्कनेक्ट' काम और जीवन के बीच संतुलन को प्राथमिकता देने का विचार है। कंपनियों को इसे कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक निवेश मानना चाहिए। संतुलन से भरी जिंदगी ही एक स्वस्थ और उत्पादक समाज की नींव रखती है। अब हम अपनी जिंदगी का नियंत्रण वापस लें और काम को उसके तय दायरे में ही रखें। यह एक संदेश है कि हम इंसान हैं, मशीन नहीं, और हमें अपने परिवार, दोस्तों और खुद के लिए समय चाहिए। हमें रिचार्ज होने के लिए 'ऑफ बटन' दबाने की जरूरत है।

जीवन दर्शन

भाग्य से प्रेम करने का साहस रखें...भविष्य से न डरें

हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानें। यह स्वीकृति आपको गुलाम नहीं बनाती, बल्कि आपको मुक्त करती है। तब आप भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हैं।

जीवन अक्सर हमारी योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। वह अपनी ही लय में चलता है-कभी हमें ऊंचाइयों पर ले जाता है, कभी गहराइयों में धकेल देता है। इसमें पीड़ा है, असफलताएं हैं, अपमान है और ऐसे क्षण भी आते हैं, जब लगता है कि पूरा संसार हमारे विरुद्ध खड़ा हो गया है। लेकिन यहीं से जीवन का एक गहरा और क्रांतिकारी सत्य प्रकट होता है-सच्ची शक्ति परिस्थितियों को बदलने में नहीं, बल्कि उन्हें पूरे हृदय से स्वीकार करने और उनसे प्रेम करने में है। यही है अमोर फाति, यानी अपने भाग्य से प्रेम करना।

अमोर फाति का अर्थ समर्पण नहीं, बल्कि स्वीकृति है। यह कहना नहीं कि 'मुझे सहना ही होगा', बल्कि यह कहना है कि मैं इसे चाहता हूं। जो घट रहा है, वह केवल सहने योग्य नहीं, बल्कि आवश्यक है। यह दृष्टि जीवन को युद्धभूमि नहीं, बल्कि आत्म-निर्माण की प्रयोगशाला मानती है। जो तुम्हें तोड़ता है, वही तुम्हें गढ़ता है। जो तुम्हें चोट पहुंचाता है, वही तुम्हें गहराई देता है। बुरी चीजों को भी सुंदर

देखना सीखो। तब तुम उन लोगों में से एक बन जाओगे, जो स्वयं चीजों को सुंदर बना देते हैं। बीमारी, हानि, तिरस्कार-ये कोई अभिशाप नहीं, बल्कि भाग्य के उपहार हैं। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, लेकिन भाग्य से प्रेम करने वाला शक्तिशाली हो जाता है।

स्वयं से एक कठोर प्रश्न पूछो-यदि यही जीवन, जैसा है, हर आनंद और हर पीड़ा के साथ, अनंत बार दोहराया जाए, तो क्या तुम इसे फिर भी 'हां' कहोगे? या स्वीकारोगे? अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को कोसो मत। हर घटना को अपनी नियति का आवश्यक अंग मानो। यह स्वीकृति तुम्हें गुलाम नहीं बनाती, बल्कि यह तुम्हें मुक्त करती है। तब तुम भाग्य के अधीन नहीं रहते, बल्कि उसके साथ नृत्य करने लगते हो। यही स्वतंत्र आत्मा की पहचान है।

जब कोई रिश्ता टूटे, तो उसे पतन नहीं, विकास का द्वार समझो। जब जीवन तुम्हें चुनौती दे, तो उसे अवसर मानो-स्वयं को और ऊंचा उठाने का अवसर। खुद को 'हां' कहने वाला बनाओ। हर सुबह यह संकल्प लो कि आज जो भी आएगा, मैं उसका स्वागत करूंगा। दर्द आए, तो पूछो कि यह मुझे क्या मजबूत बना रहा है? सफलता मिले, तो कृतज्ञ बनो और उसे भाग्य का वरदान मानो। ऐसी मनोवृत्ति चिंता को जला देती है, भय को निष्प्रभावी कर देती है। तब तुम जीवन के साधारण पात्र नहीं रहते, तुम उसके नायक बन जाते हो। हर अध्याय को पूरे उत्साह से जीने वाले नायक। भाग्य से प्रेम जीवन को बोझ नहीं, उत्सव बना देता है। दुख में भी सौंदर्य खोजो, हर क्षण को अमर बनाओ। जब तुम अपने भाग्य से प्रेम करने लगते हो, तब जीवन भी तुमसे प्रेम करने लगता है। जीवन को बदलने की कोशिश मत करो, उसे अपनाना सीखो। जो घट रहा है, वही आवश्यक है, चाहे वह सुख हो या दुख। भाग्य से लड़ने वाला थक जाता है, जबकि प्रेम करने वाला शक्तिशाली बनता है। हर पीड़ा तुम्हें गढ़ने आई है, हर असफलता तुम्हें गहराई देने। अतीत को दोष मत दो, वर्तमान को स्वीकारो और भविष्य से भय मत खाओ।

–फ्रेडरिक नीत्शे

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

द्रव्ययज्ञास्तपोयज्ञा योगयज्ञास्तथापरे।
स्वाध्यायज्ञानयज्ञाश्च यतयः
संशितव्रताः।।।।

भावार्थ

कई पुरुष द्रव्य-सम्बन्धी यज्ञ करने वाले हैं, कितने ही तपस्यारूप यज्ञ करने वाले हैं तथा दूसरे कितने ही योगरूप यज्ञ करने वाले हैं, कितने ही अहिंसादि तीक्ष्ण व्रतों से युक्त यत्नशील पुरुष स्वाध्यायरूप ज्ञानयज्ञ करने वाले हैं।

संत नगर रेलवे स्टेशन के लिए वैकल्पिक मार्गों का विकास जरूरी

नगर निगम व जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर का रेलवे स्टेशन राजधानी भोपाल का तीसरा सबसे बड़ा स्टेशन बनने जा रहा है, जहां लगभग 25 करोड़ की लागत से पुनर्विकास का काम चल रहा है, जिसके आगामी 31 मार्च 2026 तक पूरा होने की संभावना है। इसी बीच केन्द्रीय रेलवे बोर्ड ने इंदौर से कटरा तक चलने वाली मालवा एक्सप्रेस एवं जबलपुर वीरावल ट्रेन संख्यए 12919/12920 तथा 11466 एवं 11465 का स्टापेज भोपाल रेलवे स्टेशन खत्म कर दोनो ट्रेनों को व्हाया संत हिरदाराम नगर निशातपुरा से विदिशा की तरफ डायवर्ट करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है और इस पर भोपाल रेल मण्डल अमल करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है, उसके बाद स्टेशन पर यात्रियों की आवाजा ही पहले से कहीं अधिक बढ़ जाएगी। इसके अलावा पहले से ही यहां 34 ट्रेनों का अप एवं डाउन लाइन पर आना जाना है। भविष्य में ऐसी संभावना है कि जिन 8 ट्रेनों का स्टापेज यहां नहीं है, उनका भी स्टापेज किया जाएगा जिसके बाद तो वर्तमान जितनी यात्रियों की संख्या है, उससे चार गुना बड़ जाएगी।

सड़क बोझ ढोने में अक्षम

वर्तमान स्टेशन रोड अधिक संख्या में यात्रियों एवं वाहनो का बोझ ढोने में असमर्थ है। यह सड़क हमेशा अतिक्रमण का शिकार रहती है आस पास के कारोबारियों द्वारा दुकानों के बाहर सामान फैलाकर रखने, एक मंदिर का हिस्सा सड़क पर होने, ठेलों व अन्य प्रकार की अवैध रूप से सड़क किनारे खड़ी वाहनों को हटाने का न तो नगर निगम न ही जिला प्रशासन या पुलिस प्रयास कर रही है, ऐसे में इस मार्ग से स्टेशन जाना या आना बहुत बड़ी समस्या बनता जा रहा है अनेक बार इस मार्ग पर जाम के कारण यात्रियों की ट्रेने छूट रही है, लेकिन वैकल्पिक मार्ग के विकास पर आज तक विचार नहीं किया गया है।

जनप्रतिनिधि दें ध्यान

सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा एवं जोन एक के तीनो पार्षद एमआईसी सादस्य राजेश हिंगोरानी, कशिमा मारन एवं अशोक मारन को स्टेशन के लिए जहां वर्तमान मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त कराने की जरूरत वहीं स्टेशन के लिए वैकल्पिक मार्ग का किस तरह से निर्माण हो सकता है, उस पर भी गंभीरता से विचा करना होगा।

विकसित हों वैकल्पिक मार्ग

अगर स्टेशन जाने वाले मार्गो पर एक नजर डाली जाए तो पता चलता है कि स्टेशन से ही लगे हुए साजन सरिता क्लाथ स्टोर के पीछे जहां पुलिस के पुराने क्वाटर जर्जर हालत में हैं, उसका विकास किया जा सकता है। इसी तरह नव युवक सभा भवन से हनुमान मंदिर तक जाती सड़क जो स्टेशन पर जाकर मिलती है, के अतिरिक्त बी ओल्ड वार्ड से भी एक सड़क है, व नुक्कड़ वाली माता मंदिर के समीप भी मार्ग को विकसित कर स्टेशन तक ले जाया जा सकता है। अगर इन मार्गो का समुचित विकास कर आस पास के अतिक्रमण हटाकर स्टेशन तक जाने के लायक बनाया जाए तो वर्तमान स्टेशन रोड का बोझ हलका हो सकता है और इससे जाम के चलते जिन यात्रियों की ट्रेने छूट रही हैं, उस समस्या से निजात पाई जा सकती है। इसके अलावा धोबी घाट के समीप का रास्ता जो सीधे स्टेशन जाता है, उसे भी विकसित करने आवश्यकता है।

नहीं रहे 90 वर्षीय वरिष्ठ शिक्षाविद विष्णु गेहानी

संत हिरदाराम नगर। अपने जीवन के 70 साल शिक्षा एवं समाज सेवा को समर्पित कर देने वाले संत हिरदाराम नगर के वरिष्ठ समाज सेवी एवं शिक्षाविद 90 वर्षीय विष्णु गेहानी नहीं रहे। वे अपने पीछे भरापुरा परिवार छोड़ गए हैं। 26 मई 1936 को अखण्ड भारत के सिंध प्रदेश में जन्मे स्व. विष्णु गेहानी ने विभाजन के बाद अनेक कष्ट झेले और ट्रेनों में मूंगफली बेचकर परिवार का पालन पोषण किया बाद में क्लैम में मिली बैरागढ़ के ए न्यू वार्ड के क्वाटर में बस गए। 1954 में आरएसएस विचाराधारा वाले युवाओं द्वारा गठिन नव युवक सभा के वे संस्थापक सदस्य थे। वे सभा के अध्यक्ष भी रहे। इससे पूर्व लगभग 40 साल तक उन्होंने शिक्षक एवं प्राचार्य के रूप में अनंदराम टी शहानी स्कूल में सेवाएं दी।

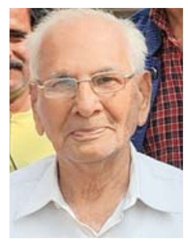

वे गांधीनगर के लक्ष्मीदेवी विक्योमल स्कूल के प्राचार्य भी रहे बाद में उन्होंने साधु वासवानी स्कूल संस्थान में सचिव का पद संभाला और वर्तमान में वे साधु वासवानी स्कूल संस्थान के अलावा नव युवक सभा के भी संरक्षक थे। वे पिछले कुछ समय से बैरसिया रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे और बुधवार तड़के 3 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका एक बेटा हांगकांग में सेवारत हैं। विष्णु गेहानी का ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी में अटूट विश्वास एवं आस्था थी। उनके निधन से समूचा संत हिरदाराम नगर गहरे शोक में डूबा है। चूंकि स्व. विष्णु गेहानी का बेटा देश से बाहर निवास करता है, इस कारण उनकी अंत्येष्टि गुरूवार को करने का निर्णय लिया गया है।

अनुशासन, परिश्रम व नैतिक मूल्य सफलता का आधार : बूलचंदानी

मिठी गोबिंदराम में आशीर्वाद समारोह का आयोजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पिछले कुछ दिनों से शहीद हेमू कालानी एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित विभिन्न स्कूलों में आशीर्वाद समारोह चल रहे हैं इसी कड़ी में मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम में सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि जीवन में अनुशासन, कठिन परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों का होना आवश्यक है, और इस तरह की शिक्षा हमेशा स्कूल से ही संभव है। सोसायटी के चेयरमैन सिद्ध भाऊ, समाज सेवी आरके मूलचंदानी, हीरो ज्ञानंचदानी, थांवर वरलानी की विशेष उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि चारित्रिक गुणों को अपनाकर सफलता के नए आयाम स्थापित करें। साथ ही उन्होंने शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से संस्था का नाम गौरवान्वित करने का आह्वान किया। समारोह को सिद्ध भाऊ ने भी संक्षिप्त में सम्बोधित करते हुए स्कूल में पढ़ाए जाने वाले पाठ को को जीवन में उतारें। प्राचार्य एएन मणिकंडन ने भी विचार रखे

फिटनेस प्रतियोगिता हुई : कार्यक्रम में विशेष आकर्षण के रूप में आयोजित मिस्टर एमजीपीएस प्रतियोगिता के अंतर्गत परिचय, फिटनेस एवं प्रश्नोत्तरी जैसे चरणों ने विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, शारीरिक दक्षता एवं बौद्धिक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मिस्टर अर्ली बर्ड कुशल भावनानी, मिस्टर बुकवर्म मोहित दे, मिस्टर कूल तुषार साधवानी, मिस्टर फिट एंड फेबुलस दक्ष केसवानी, मिस्टर एंटरटेनमेंट लकी नागर, लिटरेरी स्टार हर्षल रामरखियानी, मिस्टर करेजियस मोहित वाधवानी, मिस्टर वर्सेटाइल भव्य कृपलानी, मिस्टर इव मोहित बच्चानी, मिस्टर एमजीपीएस उज्वल मंगतानी को खिताब मिला। संचालन शिक्षिका अंजू गोगिया, छात्र तुषार सेवकानी एवं निलेश मोटवानी द्वारा किया गया।

हनुमान चालीसा का पाठ करने से बढ़ता है जीवन

डेढ़ साल से हर मंगलवार की शुरूआत पाठ से

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय संगीतमय हनुमान चालीसा के पाठ का प्रारम्भ किया और यह सिलसिला डेढ़ साल से चलता आ रहा है। इसी कड़ी में बीते मंगलवार को प्रातः प्रार्थना के समय मुख्य अतिथि विवेकानंद केन्द्र, भोपाल की संगठन मंत्री रचना जानी मुख्य अतिथि थी। उन्होंने कहहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन सात्विकता बढ़ती है। संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, सौरभ शुक्ला, कमल प्रेमचंदानी, बच्चों का उत्साह वर्धन करने के लिए उपस्थित हुए और एक हजार बच्चों के साथ अनुषासन में स्वरबद्ध हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने आए हुए अतिथियों का परिचय देते हुए कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से जीवन में आस्था व विश्वास सुद्रढ़ होता है। हमारे विद्यालय में प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया जाता है अब इसके साथ-साथ भगवद् गीता के श्लोको का वाचन भी किया जाता है जिससे लगभग सभी बच्चों को हनुमान चालीसा का पाठ, गीता के श्लोक एवं उसका अर्थ याद हो गया होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रचना जानी ने स्वामी विवेकानन्द जी के बारे में बताते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद को युवा लोग बहुत पसंद थे और हमेषा कहते थे कि किसी भी देष में बदलाव युवा ही ला सकते है, सबकों सीधा कार्य करना अच्छा लगता है लेकिन विवेकानंद जी को हमेषा उल्टा कार्य करना पसंद था क्यों कि उल्टा कार्य करने में अधिक ऊर्जा लगती है। उन्होंने कहा कि जब भी हमारे पास कोई मुश्किल आती है और हम उन मुष्किलों से पीछा छुड़ाकर भागते है तो वह हमारे पीछे-पीछे आएगी और हम उनका डटकर सामना करेंगे तो पह स्वयं पीछे हट जाएगी। उन्होने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के अवसर पर यदि आपको स्वामी विवेकानंद जी को कुछ उपहार देना है तो इन तीन आदतों को अपने जीवन में उतारना है एक कुछ अच्छी पुस्तके पढ़ना, दूसरी शारीरिक तोर पर रोज 12 सूर्य नमस्कार करना और तीसरा भारत में स्वच्छता अभियान में सहयोग करना। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आरके मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा, मोन्टेसरी इन्चार्ज प्रियांषी आडवानी एवं समस्त शिक्षक उपस्थित होकर बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

रेल माल गोदाम मार्ग परिवर्तन की मांग तेज, कलेक्टर को सौंपा जाएगा ज्ञापन

मंडीदीप। मंडीदीप रेलवे स्टेशन स्थित माल गोदाम के पहुँच मार्ग की समस्या को लेकर आंदोलनात्मक पहल तेज हो गई है। पूर्व में एमएस ट्रांसपोर्ट एवं नगर पालिका परिषद मंडीदीप द्वारा संयुक्त रूप से रेलवे विभाग से पत्राचार किया गया था, जिस पर रेलवे की टीम ने निरीक्षण भी किया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आ सका है।

इसी कड़ी में एमएस ट्रांसपोर्ट के सलमान अली सहित अन्य परिवहनकर्ताओं ने हाल ही में गोहरगंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपकर मार्ग परिवर्तन की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान मार्ग शहर के मुख्य बाजार से होकर गुजरता है, जहां सुबह सब्जी मंडी, भारी वाहनों की आवाजाही और ग्रामीण क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों की भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। वहीं एमएस ट्रांसपोर्ट के ही रिजवान अली एवं अन्य परिवहनकर्ताओं के सहयोग से नगर में प्रबुद्धजनों और व्यापारियों के बीच हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों से समर्थन जुटाकर एकङ्कदो दिन में यह हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन जिला कलेक्टर को सुपुर्द किया जाएगा, ताकि प्रशासनिक स्तर पर शीघ्र निर्णय लेकर रेलवे माल गोदाम का पहुँच मार्ग कंटेनर डिपो की ओर से परिवर्तित किया जा सके। परिवहनकर्ताओं और नागरिकों का कहना है कि मार्ग परिवर्तन होने से रेक संचालन सुचारू होगा, ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी तथा आमजन और व्यापारिक गतिविधियों को भी सुविधा प्राप्त होगी।

डेंगू-मलेरिया से बचाने नपा ने किया मच्छरमार दवा का छिड़काव

जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज। मच्छरों से होने वाली बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के बढ़ते खतरों को देखते हुए नगर परिषद के सफाई अमले के द्वारा नगर के विभिन्न हिस्सों में मच्छर मार दवा का छिड़काव करया। गृहणियों ने दवा छिड़काव के दौरान सावधानियां बरतते हुए दवा के समय खिड़की-दरवाजे खोले जिससे घरों के कोने में छिपे मच्छरों को मारा जा सके।

जब फॉगिंग मशीन गली से गुजरी, तो कुछ देर के लिए लोगो ने खिड़की-दरवाजे खुले रखें ताकि धुआं घर के कोनों तक पहुंच सके इस दौरान लोगों ने घर के अंदर रखे खाने-पीने के सामान और पीने के पानी को अच्छी तरह ढंक कर रखा आपको बता दें कि फॉगिंग से उड़ने वाले मच्छरों की संख्या में तुरंत कमी आती है ओर बीमारियों की चेन को तोड़ने में मदद मिलती है छिड़काव के दौरान नपा के सफाई अमले ने आमजनों से अपने घरों के आसपास सफाई के प्रति अधिक जागरूक होने की अपील की। नपा सीएमओ किरण रहंगडाले ओर नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे ने बताया कि मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से बचने के लिए केवल दवा का छिड़काव काफी नहीं है।

मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए हमें भी सहयोग करना चाहिए कूलर, गमलों और पुराने टायरों में पानी जमा न होने दें नालियों में कचरा न फेंकें ताकि पानी का बहाव न रुके सोते समय मच्छरदानी या रिपेलेंट्स का उपयोग करें।

कमेटी इंतेज़ामिया औक़ाफ़-ए-आम्मा, भोपाल

(मध्यप्रदेश राज्य वक़्फ़ बोर्ड के अधीन)

पुराना डी.पी.आई. बिल्डिंग, नियर ताजुल मसाजिद, सुल्तानिया रोड, भोपाल (म.प्र.)
फोन : 0755-3576105, ई-मेल : mutawallicommitteeauqafeaamma@gmail.com

क्र. 83/7/1/26 सेक्शन : स्थापना दिनांक 7/1/26

विज्ञप्ति

कार्यालयीन विज्ञप्ती दिनांक 12.08.2025 के द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये थे। कुल प्राप्त आवेदनों में से 76 आवेदन कार्यालय द्वारा निर्धारित अहार्ताएें, नियम व शर्तो के अनुरूप न होने के कारण निरस्त कर दिये गये हैं, जिसकी सूची कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। यदि उक्त संबंध में कोई आपत्ति हो तो **दिनांक 20-01-2026 शाम 5 बजे** तक कार्यालय में अपनी आपत्ति प्रमाण के साथ दर्ज करा सकते है। जिसका निराकरण 30-01-2026 तक कर दिया जाएगा। दिनांक 20-01-2026 के उपरांत किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्राधिकृत अधिकारी
कमेटी इंतेज़ामिया
औक़ाफ़-ए-आम्मा, भोपाल

अधिवक्ता पर जानलेवा हमले से रोष, अभिभाषक संघ ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बैरसिया। राजधानी के समीपस्थ बैरसिया क्षेत्र में एक अधिवक्ता पर दिनदहाड़े हुए जानलेवा हमले के बाद वकीलों में भारी आक्रोश व्याप्त है। अभिभाषक संघ बैरसिया के अध्यक्ष जितेन्द्र भटनागर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अभिभाषकों ने बुधवार को इस संबंध में मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम तहसीलदार दीपक चौरसिया को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से कराने की मांग की है। संघ का आरोप है कि स्थानीय पुलिस इस गंभीर मामले में शिथिलता बरत रही है और दोषियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

दिनदहाड़े चाकू से किया गया हमला : प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 11 दिसंबर 2025 को अधिवक्ता अनार सिंह चौहान पर असामाजिक तत्वों ने मुख्य मार्ग पर रोककर चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में अधिवक्ता की आंख, नाक और हाथ में गंभीर चोटें आईं। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल : अभिभाषक संघ के अध्यक्ष जितेन्द्र भटनागर ने बताया कि थाना बैरसिया में हमीर सिंह मीणा एवं चिरौंजी लाल शर्मा के विरुद्ध अपराध क्रमांक 656/25 (भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत) मामला तो दर्ज किया गया है, लेकिन विवेचना में भारी लापरवाही बरती जा रही है। संघ का आरोप है कि विवेचना अधिकारी सहायक उप निरीक्षक राजेश द्वारा न तो आरोपियों के मेमोरेंडम लेखबद्ध किए गए और न ही घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए।

वरिष्ठ अधिकारी से जांच की मांग : अभिभाषक संघ ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि पुलिस ने अब तक आरोपियों की कॉल डिटेल (सीडीआर) भी नहीं निकाली है, जिससे साक्ष्यों के अभाव में अपराधी बच सकते हैं। मुख्य मार्ग पर हुई इस घटना से अधिवक्ताओं में भय का माहौल है। संघ ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सौंपी जाए ताकि दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो सके और अधिवक्ताओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस अवसर पर अभिभाषक बैरसिया के अध्यक्ष जितेन्द्र भटनागर सुभाष जैन अब्दुल हनीफ खान कन्हैया लाल कुशवाह तारिक खान अनार सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में अभिभाषक मौजूद थे।

SUDOKU 112

		7	9		6			5
	2			4				1
5				3			7	
		3			7		1	2
			8	1	2			
2	7		6			4		
	3			6				4
7				8			6	
6			2		9	8		

SOLUTIONS 111

9	5	6	1	8	2	3	4	7
2	4	1	6	3	7	8	5	9
3	8	7	4	5	9	6	1	2
4	9	5	3	7	8	1	2	6
7	2	8	9	6	1	4	3	5
6	1	3	5	2	4	9	7	8
1	7	9	8	4	5	2	6	3
5	6	4	2	9	3	7	8	1
8	3	2	7	1	6	5	9	4

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज आपका दिन सकारात्मक रहेगा। कुछ महत्वपूर्ण काम जो काफी दिनों से पेंडिंग थे आज पूरे होंगे। आज अपने स्वभाव में संयम बनाये रखें, व्यर्थ की बहस से बचें।

वृष : आज आपका दिन व्यापार के लिए लाभदायक रहेगा। निवेश से जुड़े कुछ नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी।

मिथुन : आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। बिजनेस में दो गुना वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी।

कर्क : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप जॉब स्विच करने का मन बना सकते हैं। आज फैसला सोच समझकर लें। किसी काम में जल्दबाजी न करें।

सिंह : आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

कन्या : आज आपका अधिकांश वक्त प्रकृति के साथ बीतेगा। आज आप सभी जिम्मेदारियों से दूर कहीं नेचुरल प्लेस पर घूमने जा सकते हैं।

तुला : आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। आज आप कुछ ज्यादा ही जोश में रहेंगे। आपके बनाए प्लान में बदलाव हो सकता है। व्यापार में आर्थिक लाभ मिलेगा।

वृश्चिक : आज प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा रहेगा। बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। धन लाभ का योग बन रहा है। शत्रुओं से सावधान रहें।

धनु : आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी प्रतिष्ठा और मान-सम्मान बढ़ेगा।

मकर : आज कार्य स्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की सराहना करेंगे। आपकी सैलरी में बढ़ोतरी भी हो सकती है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। दूर की यात्रा करने से बचें।

मीन : आज का दिन आपके लिए उत्साहवर्धक रहेगा। आज पड़ोस के किसी मांगलिक कार्य में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। संतान की करियर के लिए मन में चिंताएं बनी रहेगी।

आज का पंचांग: 08 जनवरी गुरुवार 2026। **दिशाशूल :** दक्षिण दिशा में रहेगा। **भद्रा :** प्रातः 07 बजकर 06 मिनट से सायं 07 बजकर 45 मिनट तक। **विशेष:** षष्ठी तिथि की वृद्धि। विक्रम संवत 2082 शके 1947 दक्षिणायण, हेमंत ऋतु माघ मास कृष्ण पक्ष की षष्ठी, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र सौभाग्य योग, तत्पश्चात शोभन योग सिंह में चंद्रमा 18 घंटे 40 मिनट तक तत्पश्चात कन्या में।

ऐतिहासिक गणेश मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब प्रसादी का उठाया लाभ

जागरण, सीहोर। शहर के प्रसिद्ध एवं देशभर में आस्था का केंद्र माने जाने वाले सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में बुधवार को भक्तिभाव और सेवा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। गणेश भक्तों द्वारा आयोजित विशाल भंडारे में सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर परिसर में पहुंचना शुरू हो गया था। भगवान श्रीगणेश के दर्शन कर भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की और सेवा में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरा परिसर 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से गूंजता रहा। गौरतलब है कि गणेश भक्तों द्वारा अंग्रेजी नववर्ष के पहले सप्ताह में प्रथम बुधवार को भव्य भंडारे के आयोजन की परंपरा पिछले वर्षों से चली आ रही है। इस वर्ष भी भगवान गणेश के प्रिय दिवस पर पूरे विधि-विधान से आयोजन किया गया। सुबह भगवान गणेश को भोग अर्पित किया गया और दोपहर 12 बजे महाआरती के उपरांत भव्य भंडारे का शुभारंभ हुआ, जो शाम तक अनवरत चलता रहा।

भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे और पंक्ति में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। श्रद्धालुओं ने अनुशासन और भक्तिभाव के साथ प्रसाद लिया। भंडारे में अनेक भक्तों ने स्वयं प्रसादी वितरण कर सेवा का अवसर प्राप्त किया, जिससे आयोजन और भी पुण्यदायी बन गया।

ज़िला एवं सत्र न्यायालय भोपाल

तेहिस्वें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड, भोपाल
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

आरसीएस बी/265/2025
बैंक ऑफ बड़ौदा बनाम सपना मेहरा
NEXT Date : 31-01-2026

प्रेषिती-
सपना मेहरा
कमल किशोर मेहरा
पताः **मेसर्स बांके बिहारी रेस्टोरेंट शॉप नंबर 7, बी-83, सीतामणि कॉम्प्लेक्स, प्रियदर्शनी कॉलोनी, बागसेवनिया भोपाल**

यह कि प्रार्थी बैंक ऑफ बड़ौदा ने आपके विरूद्ध आरसीएस बी/265/2025 के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 23/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश
राहुल सिंह यादव
तेहिस्वें व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड

जाहिर सूचना

दो किता कृषि भूमि जो कि खासरा क्रमांक-155/1/8(S), 155/1/9(S), कुल रकबा 0.81हेक्टेयर भूमि, जो ग्राम-बिशनखेड़ी,प.ह.नं. बीलखेड़ा, विकासखंड फंदा,तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण श्री आनंद पटेल आत्मज श्री मुकेश पटेल एंव श्री उदित पटेल आत्मज श्री ब्रजेश पटेल,दोनों आयु-वयस्क, दोनों निवासी-लेबिल रोड बैंगलोर, के स्वामित्व एवं आधिपत्य की दो किता कृषि भूमि जो कि खासरा क्रमांक-155/1/8 (S), 155/1/9(S), कुल रकबा 0.81 हेक्टेयर भूमि, जो ग्राम-बिशनखेड़ी, प.ह.नं. बीलखेड़ा, विकासखंड फंदा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.)में स्थित है को क्रय करने हेतु पेटे बयाना/टोकन राशि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण को अदा कर दी गई है, इस संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक व अन्य को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या उक्त संपति कही अन्य दान, हिबा, हस्ताक्षरण, आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना के प्रकाशन से 07-दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में दस्तावेंजों के साथ लिखित आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा समयावधि पश्चात् मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति को क्रय करने के संबंध में विक्रय अनुबंध-पत्र निष्पादित कर शेष राशि का भुगतान विक्रेतागण को अदा कर विक्रय पंजीयन -पत्र निष्पादित करवा लेगा ओर ऐसी स्थिति कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधन कारी नहीं होगी।

भवदीय
रिंकू मारण अधिवक्ता
कार्या./निवास-बरखेड़ी कलां भदभदा रोड, भोपाल
मो.- 9098665905, 8269608345

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

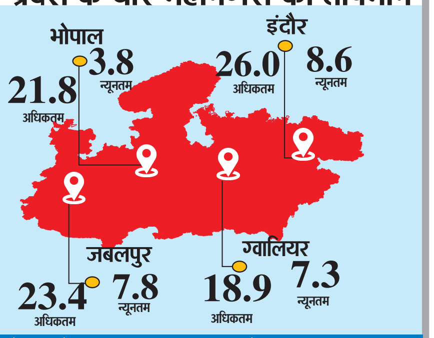

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	15.7	7.6
मुंबई	32.3	20.0
चेन्नई	33.2	18.5
कोलकाता	18.0	10.2

सूर्यास्त 5:49 PM
सूर्योदय 7:03 AM
चन्द्रोदय 9:00 AM
चन्द्रास्त 9:30 PM

गोलियों से फिर गूंजा गुना का पारदी बाहुल्य गांव खैजरा, खेत में छिपे लोगों ने चलाई गोली

अंतिम संस्कार में फायरिंग, गोली लगने से महिला की हालत गंभीर

जागरण, गुना। जिले का खैजरा गांव पारदियों की रंजिश के चलते एक बार फिर गोलियों की धमक से गूंज उठा। बुधवार को एक बुजुर्ग महिला के अंतिम संस्कार में पहुंचे लोगों पर अचानक अंधाधुंध फायरिंग करने की जानकारी सामने आ रही है। इस सनसनीखेज वारदात में एक महिला और नाबालिग घायल हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी सामने आई है कि धरनावदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पारदी बाहुल्य गांव में बीमारी से एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। बुधवार सुबह 10 बजे उसके रिश्तेदार मोर बाई पत्नि संग्राम पारदी सहित दर्जनों लोग पहुंचे थे। इसी दौरान खेतों में छिपे बैठे कुछ लोगों ने अचानक फायरिंग करना शुरु कर दिया। इस गोलीबारी में 40 वर्षीय मोर बाई को गोली लगी है, जबकि एक नाबालिग को भी छर्रे लगने से वह मामूली रूप से घायल हुआ है। मोर बाई के परिजनों ने दावा किया है कि गोली चलाने वाले शख्स राम पूजन पारदी और उसके साथी कृष्णा, वीरेंद्र, अमर सहित कई लोग थे। जिन्हें उन्होंने पहचान लिया है। बताया गया है कि राम पूजन ने सितंबर महीने में ही मोर बाई के देवर और संग्राम के भाई खेरू पारदी की खेत में भैंस घुसने के विवाद को लेकर हत्या कर दी थी। तब से दोनों परिवारों के बीच रंजिश बढ़ गई है। रामपूजन पर एक बार फिर गोली चलने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष का दावा है कि उन्होंने गोलियों की आवाज सुनते ही झागर पुलिस चौकी से संपर्क किया, लेकिन पुलिस काफी देर तक मौके पर ही नहीं आई। जबकि आरोपी लगातार मौके पर ही खड़े होकर धमकियां देते रहे और फायरिंग करते रहे। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मोर बाई को गंभीर घायल अवस्था में गुना लाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी ओर इस घटनाक्रम को लेकर पुलिस का अधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन धरनावदा थाना क्षेत्र के खैजरा में सामने आई इस घटना ने पारदी बाहुल्य इस गांव में गुटीय संघर्ष बरकरार रहने की पुष्टि जरूर कर दी है।

16 साल से जम्मू की जेल में है महिला का पति

बुधवार को हुए गोलीकांड में घायल मोर बाई का पति संग्राम सिंह पारदी लगभग 16 सालों से जम्मू की एक जेल में सजा काट रहा है। इसी तरह राम पूजन के विरोधी अधिकांश पारदी देश की अलग-अलग जेलों में बंद हैं या फिर फरार बताए जाते हैं। लिहाजा खैजरा और आसपास के गांवों में राम पूजन का दबदबा है। बताया जा रहा है कि राम पूजन इस दबदबा और दहशत को बरकरार रखना चाहता है, इसलिए गोलीबारी की यह दूसरी बड़ी घटना को अंजाम दिया गया है।

फिर सुर्खियों में आया राम पूजन पारदी

इस घटना के बाद एक राम पूजन पारदी फिर सुर्खियों में आ गया है। सितंबर महीने के दौरान खेरू पारदी की हत्या को लेकर राम पूजन पर मुकद्दमा दर्ज किया गया था। तब से राम पूजन और उसके साथी लगातार क्षेत्र में दहशत का पर्याय बने हुए हैं। बुधवार को भी घटनाक्रम रंजिश के चलते सामने आया है। मोर बाई का परिवार राम पूजन का विरोधी बताया जाता है। इस घटनाक्रम ने खैजरा के पारदी समुदाय के बीच बरकरार गुटीय संघर्ष को एक बार फिर उजागर करके रख दिया है। पुलिस की कार्रवाई भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

पेट्रोल पंप लूटने से पहले पारदी गैंग गिरफ्त में

हथियारों से लैस 10 बदमाश पकड़ाए

जागरण, ब्यावरा। राजगढ़ पुलिस ने बुधवार को एक पेट्रोल पंप पर लूट की योजना बना रह पारदी गैंग के हथियारों से लैस 10 बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने प्रेस कांफ्रेंस में पारदी गैंग की डकैती के मंसूबे को फेल करते हुए मामले का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि 7 जनवरी को थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश वर्मा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 10-12 बदमाश हथियारों से लैस होकर जालपा माता मंदिर के पीछे पहाड़ी के नीचे जंगल में एकत्रित होकर हाइवे स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बना रहे हैं। इस आधार पर तीन पुलिस टीमें का गठन कर अलग-अलग दिशाओं से पैदल जंगल में घेराबंदी कर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बदमाशों के पास से तेजधार हथियार सहित पांच बाइकें बरामद की हैं। रेड के दौरान बदमाशों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर 10 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों से जब्त किए हथियार

कार्रवाई के दौरान गिर तार आरोपियों कई हथियार जब्त किए हैं। इसमें 01 तलवार, 02 फर्सी, 02 खटकेदार चाकू, 02 बेसबॉल बैट, 01 लट्ठ, 01 लोहे की रॉड, 01 सब्बल, 20 हजार नगद सहित 05 मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर विभिन्न थानों में कई मामले दर्ज हैं। आरोपियों पर आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत पेया किया गया।

वृद्ध महिला से 17 लाख की ऑनलाइन ठगी, केस दर्ज

जागरण, इंदौर। एक वृद्ध महिला के साथ 17 लाख की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन ठगी का मामला दर्ज किया है। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी देकर 61 वर्षीय महिला से पांच दिन में 17 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। घटना जुलाई 2025 की है। महिला बदनामी के डर से पुलिस के पास नहीं पहुंची। अब परिजनों की समझाइश पर थाने आकर एफआईआर दर्ज कराई है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि महिला के पास तीन अलग-अलग नंबरों से फोन आया था और आरोपियों ने अलग-अलग खातों में ही राशि ट्रांसफर कराई है, जिन बैंक खातों में राशि जमा कराई गई है, उनकी जांच शुरू कर दी है और संबंधित अकाउंट होल्डरों की जानकारी निकाली जा रही है।

नाबालिग को उल्टा लटकाकर अधमरा होने तक पीटा

जागरण, रीवा। प्रदेश के रीवा में एक नाबालिग को बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स ने पीड़ित को पकड़कर रखा है जबकि दूसरा उसे डंडे से मार रहा है। तीसरा इस घटना का वीडियो बना रहा है। एक आरोपी ने दोनों हाथों से पकड़कर पीड़ित को उल्टा लटका दिया। फिर पहले ने उस पर डंडे बरसाए। पीड़ित छोड़ देने की गुहार लगाता रहा। हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा। मामला गढ़ थाना इलाके के कटरा इलाके का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस आरोपी और पीड़ित की पहचान कर रही है।

विवाद के बाद सिर पर पत्थर पटककर युवक की हत्या

जागरण, जबलपुर। प्रदेश के जबलपुर में फिर एक बार बेरहमी से हत्या की वारदात हुई है। बुधवार सुबह कुछ बदमाशों ने सिर पर पत्थर पटककर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक पहचान 26 साल के आकाश उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। आकाश ऑटो चलाता था। सुबह करीब साढ़े पांच बजे वह अपने घर से निकला था। इसी दौरान खिन्नी मोहल्ले में उसका कुछ युवकों से विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी आकाश को घसीटते हुए क्षेत्रीय बस स्टैंड के पास ले गए और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मां ने साइकिल चलाने से रोका तो बच्चे ने कर ली खुदकुशी

जागरण, मैहर। सोशल मीडिया और कार्टून शो के बढ़ते असर के कारण बच्चे अब छोटी-छोटी बात भी सहन नहीं कर पा रहे हैं और आत्महत्या जैसा कदम उठाकर पूरे परिवार की परेशानी बढ़ा रहे हैं। ऐसा ही हैरान करने वाला मामला मैहर के एक गांव में सामने आया है। जब मां की थोड़ी सी डांट से नाराज होकर महज 11 साल के बच्चे ने खुद को भूसा रखने वाले कमरे में कैद कर लिया। यहां उसकी संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। यह मामला जिले के मुकुंदपुर के समीप स्थित कोतर गांव का है। पुलिस के मुताबिक ऋतुराज द्विवेदी (11) मंगलवार को स्कूल नहीं गया था। पढ़ने की बजाय वह गांव में साइकिल चलाता रहा। इसी दौरान उसकी मां ने आकर डांटा और घर ले आई। घर आने के कुछ देर बाद बच्चा घर में भूसा रखने के लिए बने कमरे में चला गया। काफी देर तक वह बाहर नहीं आने पर घर वाले उसे देखने पहुंचे तो वह मरणासन्न हालत में पड़ा मिला। बच्चे के पिता चूड़ामणि द्विवेदी ने बताया कि उनके बेटे का स्वभाव पहले से ही चिड़चिड़ा था। पहले भी वह डांट से नाराज होकर इसी तरह के कदम उठा चुका था। घटना की सूचना मिलने पर ताला थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस बच्चे की मृत्यु की जांच करेगी।

इंदौर के भागीरथपुरा में जान के दुश्मन बने पानी से 20वीं मौत, प्रशासन के रिकॉर्ड में केवल छह

लीकेज सुधरते ही घर-दुकानों में घुसा पानी, फिर बंद की नर्मदा लाइन

जागरण, इंदौर। भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौतों का आंकड़ा बढ़कर 20 पर पहुंच गया। दूसरी ओर मौतों की संख्या को लेकर जिला प्रशासन का रिकॉर्ड निशाने पर आ गया है। बुधवार को प्रशासन का रिकॉर्ड 4 की जगह 6 मौतें दिखाने लगा है। जबकि आर्थिक सहायता अब तक 18 मृतकों के परिजनों के लिए जारी कर दी गई। राज्य शासन की ओर से हाईकोर्ट में पेश की गई स्टेटस रिपोर्ट में दूषित पानी से भागीरथपुरा में 4 मौतें बताईं थी, हालांकि उस दिन तक 14 लोग दम तोड़ चुके थे। स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में रखने के पहले ही शासन ने ननि आयुक्त व अन्य अधिकारियों पर कार्रवाई कर दी थी। मगर मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। मंगलवार तक जहां 18 लोगों की मौत दूषित पानी के इस्तेमाल से हो चुकी थी तो बुधवार को रामकली जगदीश और श्रवण नत्यु खुपराव ने भी दम तोड़ दिया। इन दो मौतों के बाद प्रशासन ने अपने रिकॉर्ड में भी 6 लोगों की मौत दर्ज कर ली। मगर इस रिकॉर्ड पर सवाल उठ गए हैं। इसकी वजह है मौत के बाद परिजनों को दिए गए दो लाख रुपए के चैक। अभी तक जिला प्रशासन द्वारा वार्डों से मिल रही सूचना को क्रास चैक कराने के बाद आर्थिक सहायता के चेक बनाए जा रहे हैं।

अब लाइन के लीकेज में बढ़ाई परेशानी

भागीरथपुरा में चौकी के पीछे के लीकेज को पूरे क्षेत्र में दूषित पानी सप्लाई की वजह माना जा रहा था। लीकेज ढूंढने के साथ ही इसका सुधार भी शुरू कर दिया गया था। बुधवार को सीवेज और पानी की लाइन बदलने के बाद बनर्मदा लाइन चालू की गई। लाइन चालू करते ही कॉलोनी में पानी भर गया। घरों व दुकानों में पानी घुस गया। इससे दुकानदारों की सब्जियां और सामान खराब हो गया।

दोबारा की जाएगी पानी की जांच

कलेक्टर शिवम वर्मा और नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल ने बुधवार को भी भागीरथपुरा क्षेत्र की बस्तियों और कॉलोनी का निरीक्षण किया। इस दौरान सीवरेज और नर्मदा पाइपलाइन के लीकेज सुधार के कामों के संबंध में निर्देश दिए। अधिकारियों ने रहवासियों से भी वाटर सप्लाई के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर वर्मा ने बताया कि अभी पानी सप्लाई के साथ पाइपलाइन की टेस्टिंग की जा रही है। इसके बाद दोबारा सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे जाएंगे। इसके साथ ही पूरे भागीरथपुरा में नियमित स्वास्थ्य की 61 टीमों द्वारा लोगों की जांच व दवा वितरण भी प्रशासन करा रहा है।

अंबेडकर के पोस्टर जलाने के मामले में एडवोकेट मिश्रा को हाईकोर्ट से जमानत

गिरफ्तारी को अवैध बताया पुलिस को लगाई फटकार

जागरण, ग्वालियर। डॉ. भीमराव अंबेडकर का पोस्टर जलाने के विवाद में गिरफ्तार एडवोकेट अनिल मिश्रा को मप्र हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। कोर्ट ने एक लाख रुपए के निजी मुचलके और एक लाख रुपए की जमानत राशि पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने इस मामले में पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने कहा कि अनिल मिश्रा को अवैध रूप से हिरासत में लिया था। एफआईआर दर्ज करने और उन्हें हिरासत में लेने की प्रक्रिया में कई गलतियां की गईं। कोर्ट ने टिप्पणी की कि पुलिस उन्हें नोटिस देकर भी छोड़ सकती थी। मालूम हो कि अनिल मिश्रा को 1 जनवरी की रात अंबेडकर पोस्टर जलाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। ग्वालियर साइबर पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी, जिसमें मिश्रा सहित कुल 8 लोगों को आरोपी बनाया था। कोर्ट ने अपने आदेश में इस मामले से जुड़े जुलूस निकालने और अन्य संबंधित गतिविधियों पर भी रोक लगाई है। इस आदेश के मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों को भी निचली अदालत से जमानत मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। इसके अतिरिक्त, एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर एक अलग कानूनी प्रक्रिया भी अपनाई जाएगी।

बैंक का शटर तोड़कर घुसे चोर, ताला नहीं टूटा तो खाली हाथ भाग निकले

जागरण, सतना। जिले की उचहेरा जनपद के मध्यांचल ग्रामीण बैंक में चोर बैंक की शटर तोड़कर अंदर घुस गए, लेकिन बैंक के चैनल का ताला नहीं तोड़ सके। सुबह होता देख थके-हारे चोर उसे वैसी ही हालत में छोड़कर फरार हो गए। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर चोरों की पहचान करने में जुट गई। इस संबंध में उचेहरा थाना प्रभारी सतीश मिश्रा ने बताया कि सुबह करीब आठ बजकर तीस मिनट पर उन्हें बैंक के ही एक कर्मी द्वारा फोन के जरिए सूचना दी गई कि मध्यांचल ग्रामीण बैंक की शटर तो टूटी हुई है और चोरी की होने की घटना घटित होना प्रतीत हो रहा है। इसकी सूचना मिलने पर तत्काल एक जांच दल के साथ पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में केवल शटर टूटने की जानकारी लगने के बाद बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी राहत की सांस ली। पुलिस ने चोरों की तालाश के लिए टीम गठित की है। बैंक में चोरी की घटना सामने आने के बाद पुलिस ने जब जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज देखना चाही तो यह जानकारी निकलकर सामने आई कि बैंक के सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं।

इंदौर एयरपोर्ट के रनवे सुधार में देरी समर सीजन से ही मिलेंगी नई उड़ानें

दिसंबर तक पूरा होना था काम, अब मार्च तक बढ़ाई समय-सीमा

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के रनवे सुधार कार्य में देरी के कारण इंदौर से उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी समर सीजन से ही हो सकेगी। साथ ही नए शहरों के लिए भी सीधी उड़ाने शुरु होने से हवाई कनेक्टिविटी बेहतर होगी। रनवे सुधार का कार्य पहले दिसंबर तक पूरा करने का दावा किया गया था, लेकिन अब इसकी समय-सीमा बढ़ाकर मार्च कर दी गई है। रनवे सुधार पूरा होने के बाद इंदौर एयरपोर्ट पर 24 घंटे उड़ानों का संचालन संभव हो सकेगा, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की उड़ानों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंदौर एयरपोर्ट पर 2752 मीटर लंबे रनवे का सुधार कार्य पिछले वर्ष फरवरी में शुरू किया था और तब से लगातार जारी है।रनवे की डामर हो हटाकर नई बिछाई जा रही है। सुधार कार्य के चलते उड़ानों का शेड्यूल प्रभावित हुआ है। रात 10.30 बजे से सुबह 6.30 बजे तक करीब आठ घंटे तक उड़ानों का संचालन पूरी तरह बंद है, जबकि पहले इस अवधि में एक दर्जन से अधिक उड़ानें संचालित होती थीं। एयरपोर्ट प्रबंध द्वारा अब रनवे सुधार

कार्य मार्च तक पूरा करने का दावा किया जा रहा है। ऐसे में 30 मार्च से लागू होने वाले समर सीजन से इंदौर एयरपोर्ट 24 घंटे संचालित होने लगेगा।

कई का शेड्यूल बदला कुछ उड़ानें निरस्त

बीते साल फरवरी में रनवे सुधार कार्य के कारण रात्रि 12.30 बजे से सुबह 6 बजे तक उड़ानों का संचालन बंद किया गया था। बाद में अक्टूबर से सुधार कार्य में तेजी लाने के लिए रात्रि 10.30 बजे से सुबह 6.30 बजे तक एयरपोर्ट से उड़ानों का संचालन बंद किया। रात्रि में रनवे बद रहने के कारण शारजाह, पुणे, चेन्नई, जयपुर जैसी देर रात और अल सुबह संचालित होने वाली एक दर्जन उड़ानों का समय बदला था। वहीं कई उड़ानों का संचालन बंद किया था। यह उड़ानें समर सीजन से फिर शुरू हो सकती है।

बिजनेस प्लस

रियलमी ने पेश की 16 प्रो सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय युवाओं में लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने रियलमी 16 प्रो सीरीज़ पेश की है, जिसमें रियलमी 16 प्रो+ और रियलमी 16 प्रो शामिल हैं। यह सीरीज़ प्रीमियम मिड-रेंज सेगमेंट में फ्लैगशिप-ग्रेड परफॉर्मेंस और डिज़ाइन के नए मानक स्थापित करती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत 200 मेगापिक्सल का 'पोर्ट्रेट मास्टर' कैमरा है, जो एडवांस्ड हार्डवेयर और इंटेलिजेंट सॉफ्टवेयर के जरिए शानदार पोर्ट्रेट फोटोग्राफी प्रदान करता है। रियलमी 16 प्रो+ सेगमेंट का एकमात्र 200 एमपी ल्यूमाकलर कैमरा और 3.5× पेरिस्कोप टेलीफोटो लेंस देता है, जो हर जूम लेवल पर नेचुरल स्किन टोन, बेहतरीन डेप्थ और शार्प डिटेल्स सुनिश्चित करता है। इसमें फुल-फोकल पोर्ट्रेट लेंस किट, प्रो-डेप्थ बोके एल्गोरिद्म और 4-के एचडीआर वीडियो सपोर्ट भी है। रियलमी 16 प्रो भी इसी 200 एमपी कैमरा सिस्टम के साथ आता है, जो अलग-अलग फोकल लेंथ पर प्रोफेशनल क्वॉलिटी पोर्ट्रेट देता है। दोनों मॉडल्स में एआई-बेस्ड एडिटिंग, वाइब मास्टर मोड और क्रिएटिव फिल्टर्स दिए गए हैं, जो फोटोग्राफी को और स्टाइलिश बनाते हैं।

अवीवा इंडिया ने 'अवीवा स्मार्ट वाइटल' प्लान लॉन्च किया

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की अग्रणी बीमा कंपनी अवीवा इंडिया ने 'अवीवा स्मार्ट वाइटल' प्लान लॉन्च किया है, जो एक इंडीविजुअल नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग प्योर रिस्क हेल्थ इंश्योरेंस बेनिफिट प्लान है। यह प्लान 49 गंभीर बीमारियों और प्रक्रियाओं के लिए क्रिटिकल इलनेस कवर प्रदान करता है, जिसमें कैंसर, हार्ट डिज़ीज़, किडनी फेल्योर और स्ट्रोक शामिल हैं। इसमें बेस सम एश्योर्ड 10 लाख से शुरू होता है, जिसे वेलनेस-लिंक्ड स्टेप-बेस्ड रिवार्ड्स के जरिए दोगुना तक बढ़ाया जा सकता है। पॉलिसीधारक औसत दैनिक कदमों के आधार पर हर तिमाही 2.5, 5 या 7.5 प्रतिशत तक अतिरिक्त कवरेज अर्जित कर सकते हैं। अवीवा के वेलनेस 360 ऐप के माध्यम से गतिविधियों को ट्रैक किया जाता है। 15 या 20 लाख रुपए का कवर चुनने वाले ग्राहकों को केयरप्लिक्स की स्मार्ट रिंग भी बिना अतिरिक्त लागत मिलती है। यह प्लान फिक्स्ड लंपसम बेनिफिट देता है, जिससे इलाज, रिकवरी या अन्य वित्तीय जरूरतें पूरी की जा सकती हैं और इंश्योरेंस को प्रोएक्टिव वेलनेस से जोड़ता है।

AVIVA | Life Insurance |

'हर घर योग' अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी हैबिट-बिल्डिंग प्लेटफॉर्म हैबिल्ड ने नए साल पर 'हर घर योग' अभियान की शुरुआत की है, जो देश का सबसे बड़ा डिजिटल वेलनेस आंदोलन बन चुका है। 35 लाख से अधिक प्रतिभागियों के साथ यह पहल भारतीयों को बड़े और अस्थायी संकल्पों के बजाय योग की सरल, प्रभावी और टिकाऊ आदत अपनाने के लिए प्रेरित करती है। इसके तहत 21 दिनों की निःशुल्क डिजिटल योग यात्रा आयोजित की जा रही है। यह अभियान इस विचार पर आधारित है कि स्वास्थ्य में वास्तविक सुधार रोज़ के छोटे प्रयासों से आता है। आयु, लिंग या स्थान की सीमाओं से परे, 'हर घर योग' बिना महंगे उपकरण या दबाव के योग को सभी के लिए सुलभ बनाता है। आईआईटी एलुमनी और प्रमाणित योग विशेषज्ञ सौरभ बोथरा के नेतृत्व में चल रही यह पहल यूट्यूब लाइव सत्रों और व्हाट्सएप कम्युनिटी के माध्यम से निरंतर मार्गदर्शन देती है। हैबिल्ड का उद्देश्य योग को एक वर्कआउट नहीं, बल्कि मानसिक-शारीरिक संतुलन का स्थायी लाइफस्टाइल बनाना है।

रेलवे स्टेशन पर एसबीआई लेडीज क्लब ने बांटे कंबल और भोजन

भोपाल। कड़ाके की ठंड से जूझ रहे बेसहारा एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भारतीय स्टेट बैंक लेडीज क्लब मानवता की मिसाल बनकर सामने आया। भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक-1 एवं आसपास के स्थानों पर लेडीज क्लब द्वारा 100 जरूरतमंदों को कंबल एवं भोजन के पैकेट वितरित किए गए। इस सेवा अभियान में लेडीज क्लब की अध्यक्षा श्रद्धांजलि सुबुद्धि की गरिमामयी उपस्थिति रही। ठंड से कांपते जरूरतमंदों के चेहरों पर कंबल ओढ़ते ही जो मुस्कान उभरी, वह इस सामाजिक पहल की सार्थकता को स्वयं बयान कर रही थी। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर सेवा, सहयोग और सहानुभूति के भाव से सराबोर रहा। यात्रियों एवं रेलकर्मियों ने भी इस मानवीय प्रयास की प्रशंसा की।

अमानवीयता सतना के निजी स्कूल का मामला, फुटेज नहीं दिखा रहा स्कूल प्रबंधन

होमवर्क नहीं करने पर शिक्षक ने थप्पड़ मारा, बच्ची जमीन पर गिरी तो टूटा हाथ

जागरण, सतना। यूकेजी की छात्रा का होमवर्क पूरा नहीं होने पर एक महिला शिक्षक ने उसे थप्पड़ मार दिया। थप्पड़ से बच्ची असंतुलित होकर गिर गई और उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया, जिसके बाद उसे प्लास्टर चढ़ाना पड़ा। पिता ने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई है और दोषी महिला शिक्षक पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामला अमौधा में निजी स्कूल सीएमए विद्यालय का है। पतेरी में चौहान नगर की रहने वाली छह साल की बच्ची सीएमए स्कूल में पढ़ती है। मंगलवार को जब वह स्कूल पहुंची तो होमवर्क पूरा न करने पर इंग्लिश की महिला शिक्षक सपना खरे ने उसे थप्पड़ मार दिया। पिता का आरोप है कि थप्पड़ लगने से बच्ची का संतुलन बिगड़ गया और वह जमीन पर गिर पड़ी। स्कूल से घर लौटने के बाद देर शाम बच्ची ने हाथ में दर्द की शिकायत की। इस पर उसकी मां ने बाम लगा दिया, जिसके बाद वह खाना खाकर सो गई। बुधवार सुबह जब बच्ची को स्कूल के लिए उठाया तो उसके हाथ पर सूजन दिखाई दी। परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। एक्स-रे में बच्ची के हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। डॉक्टर ने हाथ पर प्लास्टर चढ़ा दिया।

प्रबंधन बोला-सीसीटीवी कैमरा खराब हैं

पुलिस में शिकायत करने के बाद बच्ची के पिता सीएमए विद्यालय भी गए। यहां प्राचार्य से मुलाकात की और पूरी घटना की जानकारी दी। कहा कि छोटी बहन का जन्मदिन होने के कारण बच्ची होमवर्क नहीं कर पाई थी। उन्होंने क्लास में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज दिखाने की मांग की, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने कहा कि कैमरा कई दिनों से खराब है। टीआई योगेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि पिता की शिकायत पर स्कूल टीचर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

-102 **84,961**

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Bajaj Auto	9,807.00	1.33%
Eicher Motors	7,597.00	0.80%
Apollo Hospital	7,488.00	1.35%
Titan Company	4,312.10	3.93%
Larsen	4,180.00	0.40%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Cipla	1,516.00	-4.11%
Maruti Suzuki	17,249.00	-2.79%
Power Grid Corp	268.95	-1.66%
Max Healthcare	1,049.90	-1.61%
TMPV	367.25	-1.50%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	89. 88
€ यूरो	105.02
¥ येन	0.5744
£ पौंड	121.29

म्यूचुअल फंड में सात तरह के हिडेन चार्ज कम कर देते हैं प्रॉफिट

सिर्फ फंड हाउसेज ही नहीं, बल्कि सरकार तक वसूल करती है यह चार्जेज

मुंबई, जेएनएन। पिछले कुछ सालों में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। कोई म्यूचुअल फंड में एसआईपी करता है तो कोई एक मुश्त पैसा निवेश करता है। इस निवेश पर फंड हाउसेज अलग-अलग तरह के चार्ज वसूलते हैं, जो आपकी कमाई कम कर सकते हैं। दरअसल यह चार्जेज सिर्फ फंड हाउसेज ही नहीं, बल्कि सरकार तक वसूल करती है, जिसके बारे में अधिकतर निवेशकों को पता भी नहीं है। ये चार्ज आपके रिटर्न में छिपे रहते हैं और धीरे-धीरे बड़ा प्रॉफिट कम कर देते हैं। इन चार्जेज में एक्सपेंश रेशियो, एग्जिट लोड, पोर्टफोलियो टर्नओवर कॉस्ट, कैश ड्रैग, रेगुलर प्लान का एक्स्ट्रा कमीशन और टैक्स आदि शामिल हैं।

सबसे बड़ा हिडेन चार्ज एक्सपेंश रेशियो: इसे म्यूचुअल फंड में सबसे बड़ा हिडेन चार्ज कहा जाता है। फंड हाउस हर साल यह चार्ज निवेशकों से फंड मैनेज करने के नाम पर वसूल करते हैं, जिसमें फंड मैनेजर की फीस के साथ ही मार्केटिंग एक्सपेंसेज, एडमिनिस्ट्रेटिव एक्सपेंसेस शामिल होता है, जो सीधे नहीं कटता है, बल्कि एनएवी में एडजस्ट हो जाता है।

एग्जिट लोड : ज्यादातर म्यूचुअल फंड शुरु करने वाले निवेशक तय समय से पहले ही अपने म्यूचुअल फंड को बंद कर देते हैं। ऐसे में तय समय से पहले पैसा निकालने पर चार्ज लागू होता है, जो आमतौर पर 1 फीसदी होता है। यह चार्ज निवेश के 6 महीने या 1 साल से पहले निकालने पर लगता है। अक्सर निवेशक इसे नजरअंदाज कर देते हैं।

पोर्टफोलियो टर्नओवर कॉस्ट: जब फंड मैनेजर बार-बार शेयर खरीदता और बेचता है, तो ब्रोकरेज, एसटीटी, टैक्स जैसे चार्ज उसे देने पड़ते हैं, जिसका असर आपके रिटर्न पर पड़ता है। यह चार्ज पूरी तरह से छिपा हुआ रहता है, जो आपका नुकसान करा सकता है।

- **कैश ड्रैग :** अक्सर फंड हाउसेज कुछ पैसा कैश में रखते हैं। ऐसे में मार्केट जब ऊपर जाता है तो यह पैसा रिटर्न नहीं देता है और इससे मौके का फायदा नहीं मिल पाता है, यह भी एक तरह का हिडेन कॉस्ट में आता है।
- **इंडेक्स फंड या ईटीएफ में ट्रैकिंग एरर :** फंड इंडेक्स को पूरी तरह फॉलो नहीं कर पाता है, जिस तरह इंडेक्स मूव करता है, उस तरह फंड कभी-कभी नहीं चल पाते। इसका कारण एक्सपेंश व इनिफिशन्सी होता है। इससे रिटर्न इंडेक्स से कम हो जाता है।
- **एक्स्ट्र कमीशन :** रेगुलर प्लान वाले फंड में निवेश पर डिस्ट्रीब्यूटसर्व का कमीशन शामिल होता है, जो डायरेक्ट प्लान से 0.5 फीसदी- 1 फीसदी ज्यादा खर्च होता है। धीरे-धीरे करके लॉन्ग टर्म में यह फर्क बहुत बड़ा बन जाता है और निवेशकों को तगड़ा नुकसान उठाना पड़ता है।

म्यूचुअल फंड पर टैक्स इम्पैक्ट

अगर आपने कोई फंड लॉन्गटर्म में बेचा है तो उस पर कैपिटल गैन टैक्स लगता है, लेकिन अगर आपने शॉर्ट टर्म में कोई फंड बेचा है तो शॉर्टटर्म कैपिटल गेन टैक्स देना होगा। इसके अलावा, डिविडेंड टैक्स भी देना होता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 20 साल में सिर्फ एक फीसदी का भी एक्स्ट्रा कॉस्ट आपकी वेल्थ को 25 से 30 फीसदी तक कम कर सकता है। हाल में 1 फाइनेंस रिसर्च की एक स्टडी में सामने आया है कि नियमित म्यूचुअल फंड योजनाओं में छिपे कमीशन से लॉन्गटर्म में निवेशकों की एक चौथाई प्रॉफिट कम हो जाती है।

3 गुणा बढ़ी चांदी की कीमत, फिर भी भारत ने किया 44% अधिक आयात

साल 2025 : औद्योगिक मांग, तनाव और आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितता रही खास वजह

मुंबई, जेएनएन। देश में साल 2025 के दौरान चांदी की कीमतों में करीब तीन गुणा वृद्धि दर्ज की गई है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, औद्योगिक मांग में तेज उछाल, वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताओं ने चांदी को एक रणनीतिक धातु के रूप में और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

जीटीआरआई के अनुसार भारत वर्तमान में रिफाइंड सिल्वर का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बन चुका है। वर्ष 2025 में देश ने करीब 9.2 अरब डॉलर मूल्य की चांदी का आयात किया। दिलचस्प बात यह है कि कीमतों में भारी बढ़ोतरी के बावजूद, भारत का चांदी आयात एक साल पहले की तुलना में 44 प्रतिशत अधिक रहा। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2025 में चांदी की कीमत 80,000 से 85,000 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जबकि जनवरी 2026 में यह बढ़कर लगभग 2.43 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। जीटीआरआई के अनुसार, इस तेज उछाल के पीछे केवल भू-राजनीतिक तनाव या वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले जैसे घटनाक्रम ही नहीं हैं, बल्कि वैश्विक मांग के ढांचे में तेज बदलाव भी एक बड़ा कारण है।

औद्योगिक उपयोग भी मूल्य वृद्धि का कारण

आज दुनिया की 50 प्रतिशत से अधिक चांदी की खपत औद्योगिक क्षेत्रों में हो रही है। इसमें प्रमुख रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), रक्षा एवं हथियार प्रणालियां और मेडिकल टेक्नोलॉजी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, केवल सौर ऊर्जा क्षेत्र में ही वैश्विक चांदी की मांग का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा खप रहा है, जो इसके बढ़ते औद्योगिक महत्व को दर्शाता है। साल 2000 के बाद से रिफाइंड सिल्वर की वैश्विक मांग करीब आठ गुना बढ़ चुकी है। यह साफ संकेत है कि चांदी अब केवल पारंपरिक कीमती धातु नहीं रही, बल्कि आधुनिक औद्योगिक अर्थव्यवस्था का एक अहम इनपुट बन चुकी है। हालांकि, आपूर्ति इस बढ़ती मांग के अनुरूप नहीं बढ़ पाई है। इस मोर्चे पर चीन का दबदबा बना हुआ है।

2.46 लाख के साथ फिर ऑल टाइम हाई पर चांदी

नई दिल्ली, जेएनएन। चांदी के दाम बुधवार को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 2,894 रुपए बढ़कर 2,46,044 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है। इससे पहले मंगलवार को ये 2,43,150 रुपए पर था। वहीं सोने के दाम में मंगलवार को गिरावट दर्ज की गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 45 रुपए गिरकर 1,36,615 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,36,660 रुपए पर था। वहीं सोना 29 दिसंबर 2025 को 1,38,161 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75 प्रतिशत) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

पूर्वानुमान: चालू वित्त वर्ष में बढ़ेगी जीडीपी

2026 में 7.4% की रफ्तार से दौड़ेगी देश की इकोनॉमी

मुंबई, जेएनएन। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की आर्थिक रफ्तार में कुछ नरमी देखने को मिली थी, लेकिन चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। सरकार के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रह सकती है, जो 2024-25 में 6.5 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार का मानना है कि मजबूत घरेलू मांग, निवेश गतिविधियों में सुधार और नीतिगत समर्थन से आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, जिससे विकास दर में यह बढ़ोतरी संभव हो सकेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी जीडीपी के सरकारी पूर्वानुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक वृद्धि की अगुवाई सर्विस सेक्टर करेगा। अनुमान है कि सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहेगी, जबकि फाइनेंशियल, रियल एस्टेट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, डिफेंस और अन्य सेवाओं में सबसे तेज 9.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

जीडीपी में तेजी का अनुमान

इसके अलावा ट्रेड, होटल, ट्रांसपोर्ट, कम्युनिकेशन और ब्रॉडकास्टिंग से जुड़ी गतिविधियों में 7.5 प्रतिशत की बढ़त का अनुमान लगाया गया है, वहीं, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन सेक्टर के भी चालू वित्त वर्ष के दौरान 7.0 प्रतिशत की रफ्तार से आगे बढ़ने की संभावना जताई गई है। दूसरी ओर साख निर्धारण एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। जीएसटी और इनकम टैक्स में कटौती जैसे सुधारों, साथ ही ट्रेड डील से आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

घरों की कीमतें 19% बढ़ने के बावजूद मांग बरकरार

मुंबई, जेएनएन। देश के आठ प्रमुख शहरों में वर्ष 2025 के दौरान आवासीय प्रॉपर्टीज की बिक्री में हल्की गिरावट दर्ज की गई। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया के अनुसार, 2025 में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर 1 प्रतिशत घटकर 3,48,207 इकाइयों पर आ गई। ये आंकड़े सिर्फ प्राइमरी रेजिडेंशियल मार्केट से जुड़े हैं। एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में नाइट फ्रैंक इंडिया ने बताया कि इस दौरान औसत आवासीय कीमतों में 19 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, इसके बावजूद मांग में स्थिरता बनी रही। कंपनी के अनुसार, होम लोन पर ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक ग्रोथ और महंगाई दर में कमी जैसे फैक्टर्स ने संभावित मंदी की आशंकाओं के बावजूद बाजार को सहारा दिया। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद बिक्री की रफ्तार बनी रही। अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) का योगदान अब बढ़कर 12-15 प्रतिशत हो गया है, जो एक दशक पहले सिर्फ सिंगल डिजिट में था। इस स्टडी में देश के आठ बड़े शहर मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शहरों के हिसाब से देखें तो मुंबई क्षेत्र में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 1 प्रतिशत बढ़कर 97,188 इकाई हो गई।

वर्ष 2025 में आवासीय प्रॉपर्टीज की बिक्री में हल्की गिरावट दर्ज

निरंतर तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 102 अंक टूटा, वहीं निफ्टी फिसलकर 26,140 पर सेटल

मुंबई, जेएनएन। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार बुधवार को लाल निशान में बंद हुए। इसके साथ बाजार में लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में गिरावट दर्ज की गई। भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका के टैरिफ को लेकर चिंताओं ने कंपनियों के कमाई में वृद्धि को लेकर उम्मीदों को कमजोर कर दिया। आईटी शेयरों में बढ़त के बावजूद ऑटो और फाइनेंशियल शेयरों में मुनाफावसूली के चलते बाजार में गिरावट देखने को मिली।

तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स (बीएसई) बड़ी गिरावट लेकर 84,620 पर खुला। खुलने के बाद इंडेक्स में सपाट कारोबार देखने को मिला। बाद में गिरावट बढ़ गई। अंत में यह 102.20 अंक या 0.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 84,961.14 पर बंद हुआ। इसी तरह, नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 गिरावट के साथ 26,143 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 26,067 अंक तक फिसल गया था।

मुनाफा वसूली से सूचकांकों पर दबाव

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि तिमाही आधार पर वित्त वर्ष 26 के नतीजों और अमेरिका के अहम रोजगार आंकड़ों से पहले घरेलू बाजार का रुख सतर्क बना हुआ है और जोखिम से बचने का माहौल दिख रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि तिमाही आधार पर कंपनियों की कमाई में सुधार की उम्मीद है, लेकिन वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अभी भी जोखिम लेने से बच रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो और फाइनेंशियल शेयरों में मुनाफावसूली से सूचकांकों पर दबाव बना रहा। हालांकि आईटी, फार्मा और मिडकैप शेयरों में चुनिंदा खरीदारी से बाजार को कुछ सहारा मिला। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, सन फार्मा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल प्रमुख रूप से बढ़त वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं मारुति, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट, टाटा स्टील, हिंदुस्तान यूनीलीवर प्रमुख रूप से गिरावट में रहे। ब्रोडर मार्केट ने प्रमुख इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया।

एटर्नल कंपनी को मिला 3.7 करोड़ का नोटिस

मुंबई, जेएनएन। जोमैटो और ब्लिंकिट की पैरेंट कंपनी एटर्नल पर टैक्स का दबाव बढ़ने की आशंका है। कंपनी को अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए ब्याज और जुर्माने सहित 3,69,80,242 रुपए का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) डिमांड नोटिस प्राप्त हुआ है। यह आदेश पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) ने पारित किया। एटर्नल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि उत्पादन पर लगने वाले टैक्स के कम भुगतान के संबंध में ब्याज और जुर्माने सहित मांग आदेश प्राप्त हुआ है। कंपनी के अनुसार, उसका मानना है कि मामला उसके पक्ष में है और इस आदेश के खिलाफ संबंधित प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी। एटर्नल ने कहा कि उसे पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त राज्य कर आयुक्त (अपील) द्वारा अप्रैल 2019 से मार्च 2020 की अवधि के लिए छह जनवरी 2026 को पारित एक आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें 1,92,43,792 रुपए के जीएसटी की मांग की पुष्टि की गई है, जिसमें 1,58,12,070 रुपए का ब्याज और 19,24,380 रुपए का जुर्माना शामिल है।

THE INSTITUTE OF Company Secretaries of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

निविदा सूचना

"एडवरटाइजिंग और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए वेंडर्स को पैनल में शामिल करने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (RFP)" के लिए सक्षम सर्विस प्रोवाइडर्स से सीलबंद टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं।

टेंडर की विस्तृत नियम और शर्तें ICSI वेबसाइट यानी www.icsi.edu के टेंडर पेज पर उपलब्ध हैं।

इस टेंडर से संबंधित सभी आगे की जानकारी केवल ICSI वेबसाइट पर सूचित की जाएगी। टेंडर जमा करने की तारीख 08.01.2026 से 29.01.2026 दोपहर 2.30 बजे तक है।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना सं. SEE-GSUBLT-25-26-01

CAO/CON/RSP/MHX भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए 'खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि 29.01.2026 को 15:00 बजे तक निर्धारित है। ई-निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर किया जा सकता है।
Name of Works : At BGS :- Provision of Ballast less track at all platform lines of Begusarai (BGS) Station., **Approx. Cost (in Rs.) :** 13,18,11,402.04, **Earnest Money (in Rs.) :** 8,09,100.00.
उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार-किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा। उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, गतिशक्ति पूर्व मध्य रेल, सोनपुर
पीआर/1578/एसईई-जीएस/जीएस/टी/25-26/28

Kalyan Singh Super Speciality Cancer Institute
C.G. City, Sultanpur Road, Lucknow-(226002)
Website: https://cancerinstitute.edu.in, Email: jdmm.sscih@gmail.com

TENDER NOTICE

On-line offers are invited through GeM bidding from Original Equipment Manufacture/Direct Importers/Authorized Distributors (declared be principal firm only) for the supply & installation of **Automated Nucleic Acid Extraction System for DIAMOnDS Project (Under Pathology Department) of the Institute.**
The Vendors are required to submit their offers on GeM portal only in two bid system i.e. Technical and Financial bid as per norms of GeM Portal.
For more detailed information please visit the Gem portal www.gem.gov.in, The list of equipment will also be available on our website https://cancerinstitute.edu.in, for reference only.
The Director reserves the right to accept or reject any tender in part or full without assigning any reason thereof.
Advt No:- KSSSCI/Tender-16 /2025-26 DIRECTOR

52 डॉलर तक गिर सकता है कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल पर होगा असर

मुंबई, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड आइल फिर सवालों के घेरे में है। वेनेजुएला से जुड़े घटनाक्रम ने भले कुछ समय के लिए कीमतों को सहारा दिया हो, लेकिन क्या यह तेजी टिक पाएगी? जानकारों का कहना है कि बाजार की असली तस्वीर इससे अलग है। अलग-अलग रिसर्च और एनालिस्ट रिपोर्ट्स इशारा कर रही हैं कि वैश्विक स्तर पर सप्लाई ज्यादा होने से तेल की कीमतों में आगे और गिरावट आ सकती है, जिसका असर सिर्फ तेल बाजार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पेट्रोल-डीजल के दाम, महंगाई, रुपए की चाल और देश की आर्थिक रफ्तार पर भी दिख सकता है। केडिया एडवाइजरी के अनुसार, कच्चा तेल 58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वेनेजुएला को लेकर अमेरिकी कदमों से कीमतों में थोड़ी तेजी जरूर आई, लेकिन बाजार पर इसका असर नहीं दिख रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वेनेजुएला का वैश्विक तेल उत्पादन एक प्रतिशत से भी कम है, इसलिए उसकी सप्लाई में रुकावट का असर सीमित रहेगा। वहीं, दुनिया भर में तेल की सप्लाई पर्याप्त बनी हुई है, जिससे कीमतों पर दबाव बना हुआ है। सऊदी अरब ने एशिया के देशों के लिए तेल सस्ता किया है और ओएनजीसी+ ने अभी तेल उत्पादन बढ़ाने का फैसला टाल दिया है। इससे साफ है कि बाजार में तेल भरपूर है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
बैंक ऑफ बड़ौदा, रेलवे सोसायटी, अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल
फोन : 0755-4936706

कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)

सेक्यूरिटाइजेशन एण्ड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनानशियल एसेट्स एण्ड इनफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इंटरेस्ट एक्ट 2002 के तहत और सिक्यूरिटी इंटरेस्ट (इंफोर्समेंट) नियम 2002 के साथ पठित सेक्शन 13(12)सपठित नियम (3) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत बैंक ऑफ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधोहस्ताक्षरी ने दिनांक **11.08.2025** को निम्न वर्णित उधारकर्ताओं/जमानतदारों को डिमांड नोटिस जारी किया तथा नोटिस में दर्शायी गई निम्न वर्णित राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने के लिए जारी किया गया है।
उधारकर्ता/जमानतदार ऋण चुकाने में असफल रहे है, अतः उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों/संपत्ति मालिकों एवं जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम 8 के साथ पठित एक्ट के धारा 13 (4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का **कब्जा** दिनांक **06.01.2026** को ले लिया है। ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (**redeem** कराने) के संबंध में अधिनियम की धारा (13) एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है। उधारकर्ताओं एवं जमानतदारों/संपत्ति मालिकों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नलिखित संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्तियों के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा रेलवे सोसायटी अरेरा कालोनी शाखा, भोपाल** के अधीन होगा।

ऋणी / जमानतदार एवं खाते का नाम	कब्जा की गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि
ऋणी- **श्री हेमंत सिंह चौहान पुत्र श्री धन सिंह चौहान**	**बंधक संपत्ति स्थित प्लॉट क्रमांक-175, गणेश नगर पैराडाइज गृह निर्माण सोसायटी, ग्राम-निशातपुरा तहसील हुजूर जिला- भोपाल म.प्र. प्लॉट क्षेत्रफल 406.62 वर्गफीट/37.78 वर्गमीटर। खसरा क्रमांक 19,20,21,22,23 और 179/25 का भाग, संपत्ति मालिक- श्री हेमंत सिंह चौहान पुत्र श्री धन सिंह चौहान चर्तुसीमाएं-** पूर्व - प्लॉट क्रमांक 176, पश्चिम - मिलिटरी वाल, उत्तर - कॉलोनी रोड, दक्षिण - कॉलोनी रोड	दिनांक 11.08.2025 को ₹ **9,91,489.00** +देय ब्याज एवं अन्य खर्च

दिनांक : 06.01.2026, स्थानः भोपाल — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

सूबेदार/उपनिरीक्षक संवर्ग भर्ती परीक्षा-2025 के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश भोपाल से प्राप्त क्रमांक/पुमु/2/चयन/स-1/14/2026 भोपाल दिनांक 07.01.2026 के अनुसार सूबेदार/उपनिरीक्षक संवर्ग परीक्षा-2025 **हेतु उभयलिंगी अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र भरने हेतु तीन दिवस के लिए आवेदन** पोर्टल खोला जा रहा है, जिसकी तिथियां निम्नानुसार हैं :-
केवल उभयलिंगी अभ्यर्थियों हेतु

स. क्र.	आवेदन पत्र भरने की तिथि	संशोधन हेतु तिथि
1.	08.01.2026 से 10.01.2026	08.01.2026 से 11.01.2026

शेष शर्तें/जानकारी पूर्वानुसार यथावत रहेंगी।
विज्ञापन क्र. 96/2026

संचालक
मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल
(मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग)
"चयन भवन, चिनार पार्क (ईस्ट), मेन रोड नं. 1, भोपाल- 462011
म.प्र. माध्यम/123881/2026

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/113/2025)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in" पर "ई" निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्र	नियत तारीख
1.	30251537	रबर PAD फॉर प्राइमरी सस्पेंशन फॉर FIAT IR बोगी	7297नं.	29/01/2026
2.	81255507	Manufacture एंड सप्लाई ऑफ Joggled फिश प्लेट्स 60kg रेल्स विथ डबल "D" होल	21112 पेअर	29/01/2026
3.	40252745C	इमरजेंसी बैटरी चार्जर फॉर EOG टाइप	334 नं.	02/02/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। हस्ता
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

उत्तर मध्य रेलवे
पत्र सं.: JHS/Commercial/E-Auction/25/168 दिनांकः 05.01.2026
ई-नीलामी सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य)-झांसी द्वारा निम्न दी गयी श्रेणियों के अनुसार ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है :-
श्रेणीः प्रचार | केटलोग संख्याः JHS-NFR-ADV-37
एसेट्स डिटेल्सः (1) Advertisement right through RDN Non-digital LED FLANGE media inside **MRA, TKMG** station. (2) Advertisement right through RDN Non-digital media inside **NEW** station. (3) Advertisement right through RDN Digital media inside **MBA,KURJ,BNDA & CKTD** station. (4) Advertisement right through Out of home in the circulating area of **LAR ZONE-B, KURJ, DBA, MRA & CKTD** stations. (5) Advertisement right through Out of home at over bridge(ROB) of **KURJ, ORAI, BZM & BNDA** stations.
ई-नीलामी प्रारम्भ की तिथि व समयः दिनांक 19.01.2026 को समय- 12:00 से
ई-नीलामी समाप्त की तिथि व समयः दिनांक 19.01.2026 को समय- 15:00 तक
नोट- उक्त ठेकों के आवंटन हेतु नीलामी केवल ऑनलाइन वेवसाइट- **www.ireps.gov.in** के **e-auction module** के माध्यम से की जाएगी। लॉट अनुसार विवरण उपर्युक्त केटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। 19/26(A)
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रथम पृष्ठ के शेष

दृढ़ संकल्प के साथ...

वर्ष घोषित किया है। प्राकृतिक खेती को बढ़ाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। देश में सबसे आदर्श खेती मध्यप्रदेश में होती है। राज्य में सभी प्रकार के मोटे अनाज (श्रीअन्न) की अच्छी उत्पादकता है। प्राकृतिक खेती के लिए देशी खाद भी जरूरी है। इसके लिए गोपालन और दूध उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में देशी गोपालन को बढ़ावा दिया जा रहा हैं। एक अन्य सवाल पर सीएम ने कहा कि जीवन में स्वाध्याय करते हुए ज्ञान अर्जन करेंगे तो भाषण की गुणवत्ता स्वतः बढ़ जाएगी। कक्षा में पढ़ाई तो आवश्यक है, लेकिन कक्षा और पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी बहुत कुछ सीखना-समझना होगा।

छात्रावास अधीक्षक पर ...

क्षेत्रों के नियमित निरीक्षण के तहत बुधवार को गंजबासौदा के रैपुर में पाया गया कि अधीक्षक नियमित रूप से वहां निवास नहीं करते हैं और बच्चे भी वहां नहीं थे। इसे लेकर अधीक्षक और कर्मचारियों को हिदायत दी गई। मुझे लगता है कि इस दौरान मेरे द्वारा कुछ ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर लिया, जो मुझे नहीं करना चाहिए था। इन शब्दों से किसी की भावना को ठेस पहुंची हो तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। इससे पहले घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। छात्रावास अधीक्षक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छुट्टी के बाद बच्चे घर चले जाते हैं। स्कूलों में जिला प्रशासन ने दो दिन की छुट्टी घोषित की थी, इस वजह से आवासीय शाला में छात्र नहीं थे। हॉस्टल सुपरिटेंडेंट चैन सिंह चिढ़ार मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर कलेक्टर की शिकायत करने की बात कही है।

एशेज सीरीज: इंग्लैंड का दूसरी पारी में स्कोर 302/8, ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 567 रन

बेथेल के पहले टेस्ट शतक से इंग्लैंड की उम्मीद कायम

जेएनएन, सिडनी

जैकब बेथेल ने बुधवार को अपना पहला टेस्ट शतक बनाया, जिससे इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवां और अंतिम एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच पांचवें दिन तक खींचकर उम्मीद भी कायम रखी। बारबाडोस में जन्मे 22 साल के ऑलराउंडर बेथेल इंग्लैंड की दूसरी पारी के पहले ओवर में क्रीज पर आए, क्योंकि मिशेल स्टार्क ने पांचवीं गेंद पर जैक क्रॉली (01) को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया था। बेथेल ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक 232 गेंद का सामना करके 142 रन बनाए हैं। उनकी इस शानदार पारी की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 302 रन बनाए हैं। इस तरह से इंग्लैंड ने अभी तक 119 रन की बढ़त हासिल कर ली है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल की थी। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। बेथेल ने बेन डकेट (42) के साथ 81 रन, जो रूट (06) के साथ 32, हैरी ब्रूक (42) के साथ 102 और जेमी स्मिथ (26) के साथ 45 रन की साझेदारियां की। ऑस्ट्रेलिया पहले तीन मैच जीत कर एशेज अपने पास बरकरार रखने में सफल रहा, लेकिन चौथे मैच में जीत दर्ज करने वाला इंग्लैंड सीरीज में हार के अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

07 साझेदारियां 50 या उससे ज्यादा रन की ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान हुई। एशेज के इतिहास में ये पहली बार हुआ है, जबकि टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ है, जब किसी मैच की पारी में किसी टीम की तरफ से 7 साझेदारियां 50+ रन की हुई हो। इससे पहले किसी टेस्ट पारी में 7 फिफ्टी प्लस की साझेदारियां सिर्फ एक बार हुई थीं और वो इतिहास भारत ने रचा था। 2007 में राहुल द्रविड़ की अगुआई में ओवल टेस्ट में भारत की तरफ से पारी में 7 फिफ्टी प्लस की पार्टनरशिप हुई थीं।

ब्यू वेबस्टर ने तीन गेंद में लिए दो विकेट

ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर (51 रन देकर तीन विकेट) ऑस्ट्रेलिया की तरफ से अप्रत्याशित स्टार के रूप में उभरे। वेबस्टर ने 52वें ओवर में तीन गेंदों पर दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को वापसी दिलाई। उन्होंने ब्रूक को एलबीडब्ल्यू आउट किया और फिर विल जैक्स (00) को भी पवेलियन भेजा, जिन्होंने बेवजह शॉट खेलने की कोशिश में कैमरन ग्रीन को आसान कैच दिया। इससे इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 219 रन से पांच विकेट पर 219 रन हो गया। शाम के सत्र में ड्रिंक्स ब्रेक के बाद पहली ही गेंद पर जेमी स्मिथ रन आउट हो गए। उस समय बेथेल 123 रन पर थे और इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 264 रन था, जब उसके चोटिल कप्तान बेन स्टोक्स क्रीज पर आए। वेबस्टर ने हालांकि स्टोक्स (01) को टर्निंग बॉल को कट करने के लिए ललचाया और स्टीव स्मिथ ने स्लिप में शानदार कैच लिया।

स्मिथ-वेबस्टर के बीच आठवें विकेट के लिए शतकीय साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया ने सुबह पहली पारी सात विकेट पर 518 रन से आगे बढ़ाई, लेकिन उसने अपने बाकी बचे तीन विकेट 49 रन जोड़कर गंवा दिए। सुबह के सत्र में इंग्लैंड को तब झटका लगा, जब कप्तान बेन स्टोक्स को चोटिल होने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। उन्होंने 10 गेंदें फेंकीं और फिर दाहिनी मांसपेशी में दर्द के इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। बल्लेबाजी करते समय उन्हें चलने में परेशानी महसूस हो रही थी। ऑस्ट्रेलिया की पारी में ट्रैविस हेड (169) और स्टीव स्मिथ (138) ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, जबकि ऑलराउंडर वेबस्टर 71 रन बनाकर नाबाद रहे। स्मिथ ने सुबह 129 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई लेकिन उन्होंने जल्द ही जोश टोंग की गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे दिया, जिससे उनके और वेबस्टर के बीच आठवें विकेट के लिए 107 रन की साझेदारी समाप्त हो गई।

वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में शतक लगाने वाले सबसे युवा कप्तान

- भारत अंडर-19 टीम ने तीसरा और अंतिम मैच 233 रन से जीता
- तीन मैचों की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका का क्लीन स्वीप

प्लेयर ऑफ द मैच: वैभव 127 रन और एक विकेट

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), जेएनएन। कप्तान वैभव सूर्यवंशी (74 गेंद पर 127 रन) और आरोन जॉर्ज (118 गेंद पर 106 रन) के शतकों की मदद से भारत की अंडर-19 टीम ने तीसरे युवा वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 233 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज क्लीन स्वीप कर ली। वैभव यूथ वनडे में शतक बनाने वाले सबसे युवा कप्तान बन गए। वैभव ने मात्र 14 साल और कुछ महीने की उम्र में यह शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। सूर्यवंशी ने पारी में 10 छक्के और नौ चौके लगाए। उन्होंने और जॉर्ज ने पहले विकेट के लिए 227 रन की भागीदारी निभाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। इस तरह भारत ने सात विकेट पर 393 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो दक्षिण अफ्रीका के लिए बहुत बड़ा लक्ष्य साबित हुआ और टीम 35 ओवर में 160 रन पर ऑल आउट हो गई। मेजबान टीम के लिए नटांडो सोनी (61 रन देकर तीन विकेट) और जेसन रोल्स (59 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर पांच विकेट लिए। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने चौथे ओवर में 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए। 19 साल के किशन सिंह ने शीर्ष क्रम में जोरिच वैन शाल्कविक (01), अदनान लागडियन (09) और लेथाबो फाहलामोहलाका (शून्य) को आउट कर दिया। डैनियल बोसमैन (40) और रोल्स (19) ने कुछ देर तक संघर्ष किया। इससे दक्षिण अफ्रीका 23वें ओवर में 99 रन पर छह विकेट गंवा बैठी। पॉल जेम्स (41) और कॉर्ने बोथा (नाबाद 36 रन) ने सिर्फ हार को टाला। इससे पहले सूर्यवंशी ने अपनी 'पावर हिटिंग' से एक बार फिर सबका ध्यान खींचा और युवा वनडे में अपना तीसरा शतक पूरा किया। उन्होंने अब तक 18 मैच में चार अर्धशतक भी लगाए हैं। इस युवा खिलाड़ी ने अब 18 मैच में 54.05 की औसत और 164.08 के स्ट्राइक रेट से 973 रन बनाए हैं। भारत ने पहला मैच डकवर्थ लुइस पद्धति से 25 रन से और दूसरा मैच आठ विकेट से जीता था।

एयरपोर्ट से निकलते ही फैंस से घिरे कोहली

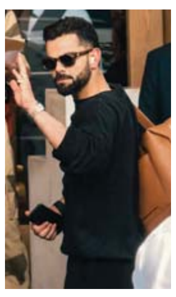

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बुधवार को वडोदरा पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर उनका जबरदस्त स्वागत हुआ। कोहली के एयरपोर्ट से निकलने के दौरान प्रशंसकों की भारी भीड़ ने उन्हें घेर लिया। वह इस दौरान काफी सहमे नजर आए और धीरे-धीरे भीड़ से बाहर निकले। प्रशंसकों ने उनका नाम पुकारते हुए उन्हें चारों तरफ से घेर लिया, जिससे वहां अफरातफरी का माहौल बन गया। कोहली और भारतीय टीम के अन्य सदस्य न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली वनडे सीरीज के लिए 7 जनवरी 2026 को वडोदरा पहुंचे।

श्रेयस फिट, न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेंगे

मुंबई, जेएनएन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उत्कृष्टता केंद्र से फिटनेस मंजूरी मिल गई है और अब वह आगामी न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। श्रेयस को फिट घोषित किया गया है। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई और हिमाचल प्रदेश के बीच खेले गए मुकाबले में बतौर कप्तान 82 रन की शानदार पारी खेली। अय्यर के 8 जनवरी को मुंबई और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले में खेलने की उम्मीद है, जिसके बाद आधिकारिक तौर पर उनके फिटनेस की घोषणा हो सकती है।

चोट के बाद वापसी कर रहीं सिंधू की संघर्षपूर्ण जीत सात्विक-चिराग भी मलेशिया ओपन के अगले दौर में

जेएनएन, कुआलालंपुर

चोटिल होने के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु तथा चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी ने नए सत्र की जीत से शुरुआत करते हुए बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में अपने-अपने वर्ग में अगले दौर में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 साल की सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थी। उन्होंने वापसी पर अच्छा खेल दिखाया तथा 51 मिनट तक चले महिला एकल के मुकाबले में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हराया। विश्व में 18वीं रैंकिंग सिंधू ने सहज खेल दिखाया और सुंग को दूसरी बार हराकर उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13, 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा। ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो की विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की अमेरिकी जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर बाहर हो गई।

भारतीय खिलाड़ियों को मिला इंडिया ओपन में मुश्किल ड्रॉ

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय खिलाड़ियों को इस महीने होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में मुश्किल ड्रॉ मिला है, जिसमें 2022 के चैंपियन लक्ष्य सेन पहले दौर में हमवतन आयुष शेट्टी से भिड़ेंगे, जबकि महिला एकल में पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु का सामना वियतनाम की थुई लिन गुयेन से होगा। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक इंडिया ओपन 13 से 18 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता अगस्त में इसी स्थान पर होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण होगी। भारतीय खिलाड़ियों पर नजर डालें तो सेन को अपने पहले मुकाबले में ही पूर्व विश्व जूनियर कांस्य पदक विजेता शेट्टी की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि प्रतियोगिता में शामिल चार भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों में से केवल तीन ही दूसरे दौर में पहुंच पाएंगे। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला 2024 में चीनी ताइपे की थॉमस कप कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य और विश्व में 12वें नंबर के खिलाड़ी लिन चुन यी से होगा। डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन के हटने के बाद मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले एच एस प्रणय हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

मैदान से हटकर

मुझे बीपीएल से निकाला नहीं मेरे लिए देश सबसे आगे है

मुस्तफिजुर रहमान को जब से आईपीएल से निकाला गया है, तब से भारत और बांग्लादेश के बीच खासकर क्रिकेट से जुड़े मामलों में तनाव देखा गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने पहले तो भारत में टी-20 विश्व कप खेलने से इनकार किया, फिर आईपीएल प्रसारण को प्रतिबंधित किया और अब खबर थी कि बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) से भारतीय मैच प्रेजेंटर रिद्धिमा पाठक को निकाल दिया गया है। लेकिन इस मामले को लेकर रिद्धिमा ने सच्चाई बताई। रिद्धिमा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, सच मायने रखता है। पिछले कुछ घंटों में एक कहानी चल रही है कि मुझे बीपीएल से निकाल दिया गया है। यह सच नहीं है। मैंने खुद यह फैसला लिया कि मैं इसमें हिस्सा नहीं लूंगी। मेरे लिए मेरा देश सबसे पहले आता है और मैं क्रिकेट के खेल को किसी भी एक असाइनमेंट से कहीं ज्यादा महत्व देती हूं। मुझे सालों तक ईमानदारी, सम्मान और जुनून के साथ इस खेल की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। यह नहीं बदलेगा। मैं ईमानदारी, स्पष्टता और खेल की भावना के लिए खड़ा रहूंगी। समर्थन के लिए संपर्क करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद। आपके संदेश मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। क्रिकेट सच्चाई का हकदार है। बस, मेरी तरफ से और कोई टिप्पणी नहीं। (जेएनएन)

आईसीसी भारत में विश्व कप खेलने की चिंताओं पर बात करन तैयार : बीसीबी

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत और श्रीलंका में होने वाले टी-20 विश्व कप में उसकी टीम की भागीदारी से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए उसके साथ 'काम करने की इच्छा व्यक्त की है।' बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे नाराज बीसीबी ने आईसीसी को पत्र लिखकर भारत में होने वाले विश्व कप के उसके चार मैचों को सह मेजबान श्रीलंका में आयोजित करने की मांग की थी। बीसीबी ने कहा कि टी-20 विश्व कप के लिए भारत में बांग्लादेश की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की सुरक्षा को लेकर बोर्ड द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं के संबंध में आईसीसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीसीबी ने टीम के मैचों को स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था। बयान ने कहा गया है, आईसीसी ने टूर्नामेंट में बांग्लादेश की टीम की पूर्ण और निर्बाध भागीदारी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। इसमें कहा गया है, आईसीसी ने हमारी चिंताओं को दूर करने के लिए बीसीबी के साथ मिलकर काम करने की अपनी इच्छा व्यक्त की है।

टाटा स्टील शतरंज: आनंद व नीमेन को संयुक्त बढ़त

कोलकाता, जेएनएन। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने युवाओं के बीच अपने खेल का लोहा मनवाते हुए टाटा स्टील शतरंज भारत के पहले दिन बुधवार को तीन रैपिड दौर के बाद 2.5 अंक लेकर संयुक्त बढ़त बना ली है। टूर्नामेंट में छह साल बाद लौटे 56 साल के आनंद ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर वेसले सो को पहले दौर में हराया। इसके बाद चीन के वेइ यि के साथ ड्रॉ खेला और तीसरे दौर में भारत के ही अराविंद चिदंबरम को मात दी। आनंद और अमेरिका के ग्रैंडमास्टर हैंस नीमेन संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। नीमेन ने पूर्व विश्व रैपिड चैंपियन वोलोदार मुरजिन को हराया, भारत के विदित गुजराती से ड्रॉ खेलने के बाद आर प्रज्ञानानंदा को मात दी। गुजराती ने हमवतन और विश्व रैपिड तथा ब्लिट्ज चैंपियनशिप में दो कांस्य जीतने वाले अर्जुन एरिगेसी को हराया। वहीं प्रज्ञानानंदा से हार गए। महिला वर्ग में अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय मास्टर कारिसा यिप एकल बढत पर हैं। भारत की वंतिका अग्रवाल के तीन में से दो अंक हैं, जिन्होंने आर वैशाली को हराया। द्रोणवल्ली हरिका और महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख के बीच 114 चालों की मैराथन बाजी ड्रॉ रही। तीसरे दौर में स्टाव्रूला सोलाकिडू ने दिव्या को हराया, जबकि कैटरीना लागनो ने वंतिका को मात दी। अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना ने वैशाली को शिकस्त दी।

गॉफ ने अमेरिका को सेमीफाइनल में पहुंचाया हुरकाज-स्वियातेक ने पोलैंड को दिलाई बढ़त

पर्थ, जेएनएन। कोको गॉफ ने ग्रुप चरण के एक मैच में हार को पीछे छोड़कर बुधवार को शानदार प्रदर्शन करके अपने एकल और युगल मैच जीते, जिससे मौजूदा चैंपियन अमेरिका ने यूनान को 2-1 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने मारिया सकारी को 6-3, 6-2 से हराकर अमेरिका को 1-0 से बढ़त दिलाई। टेलर फ्रिट्ज हालांकि पुरुष एकल में स्टेफानोस सिटसिपास से वह 6-4, 7-5 से हार गए। गॉफ ने इसके बाद क्रिश्चियन हैरिसन के साथ मिलकर मिश्रित युगल में सिटसिपास और सकारी को 4-6, 6-4, 10-8 से हराकर अमेरिका की सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। विश्व रैंकिंग में चौथे नंबर की खिलाड़ी गॉफ को इससे पहले ग्रुप चरण की अपने आखिरी एकल मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वह विश्व में 42वें नंबर की खिलाड़ी जेसिका बौजास मानेरो से 6-1, 6-7 (3), 6-0 से हार गईं थी। लेकिन फ्रिट्ज ने अपना एकल मैच जीता तथा गॉफ और हैरिसन ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करके अमेरिकी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया। सिडनी में खेले जा रहे मैचों में ह्यूबर्ट हुरकाज और इगा स्वियातेक ने अपने-अपने एकल मैच जीतकर पोलैंड को नीदरलैंड पर 2-0 की बढ़त दिलाई और ग्रुप एफ से क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। क्वार्टरफाइनल में पोलैंड का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होने की संभावना है।

पहली बार टी-20 विश्व कप में खेलेंगे 31 साल के जैकब डफी

वेलिंगटन, जेएनएन। वर्ष 2025 में शानदार प्रदर्शन करके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड 81 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जैकब डफी को बुधवार को टी-20 विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया गया। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक विकेट लेने के रिचर्ड हैडली (79 विकेट) के 40 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। डफी इस शानदार प्रदर्शन से विश्व टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड की टीम में डफी एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अभी तक टी-20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लिया है। डफी सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा होंगे, जिसमें मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और ऑलराउंडर जिमी नीशम शामिल हैं।

न्यूजीलैंड टीम: मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रैसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डैरिल मिशेल, एडम मिल्ने, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

सिटी स्पोर्ट्स

शूटिंग अकादमी में आज से शॉटगन चैंपियनशिप

भोपाल, खेप्र। मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में आठ जनवरी से चौथी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप आयोजित की जा रही है। 18 जनवरी तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में देश भर से 400 खिलाड़ी अपने लक्ष्य पर निशाना लगाएंगे। इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन आगामी एशियन गेम्स-2026 के लिए किया जाएगा।

लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट कल से

भोपाल, खेप्र। लाल परेड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का 11वां संस्करण नौ जनवरी से खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट लाल परेड के पुलिस जिम्नेजियम बैडमिंटन हाल में आयोजित किया जाएगा, जिसके फाइनल मुकाबले 14 जनवरी को होंगे। जिला बैड बैडमिंटन संघ भोपाल के तत्वाधान में होने वाले इस टूर्नामेंट में बालक, बालिका, महिला एवं पुरुष वर्गों में होगी भिड़ंत। आयोजन के सचिव गोपाल सिंह धाकड़ ने बताया कि टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा। टूर्नामेंट में विभिन्न वर्ग सब जूनियर व जूनियर, सीनियर व मास्टर्स में खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। सभी विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट सीनियर, जूनियर पुरुष व महिला ड्रैगन बोट चैंपियनशिप

मप्र ने दूसरे दिन जीते पांच स्वर्ण

भोपाल, खेप्र। मेजबान मध्यप्रदेश का 14वीं नेशनल सीनियर, जूनियर मेंस एंड विमेंस ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी है। शहर की छोटी झील पर आयोजित चैंपियनशिप में मप्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दिन पांच स्वर्ण और एक कांस्य सहित छह पदक जीते। पदक तालिका में मप्र छह स्वर्ण और एक कांस्य के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। आयोजक सचिव मयंक ठाकुर ने बताया कि बुधवार को डी20 व डी10 वर्ग के मुकाबले हुए। इसमें खिलाड़ियों ने 2000 मी और 500 मी इवेंट में हिस्सा लिया। डी-10 के 2000 मी में जूनियर पुरुष वर्ग में मप्र टीम ने स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा ने रजत तथा महाराष्ट्र ने कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में भी मप्र ने स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक ने रजत व दिल्ली ने कांस्य पदक अर्जित किया। डी-10 मिक्स इवेंट में मप्र की टीम ने स्वर्ण, कर्नाटक ने रजत व चंडीगढ़ ने कांस्य पदक जीता। डी-10 मिक्स में मप्र ने स्वर्ण महाराष्ट्र ने रजत तथा पंजाब टीम ने कांस्य पदक जीता है। डी-20 के 500 मीटर रेस में भी मप्र ने अपनी श्रेष्ठता दिखाई और स्वर्ण पदक जीता, कर्नाटक ने रजत व हरियाणा ने कांस्य पदक जीता। डी-10 के 500 मीटर पुरुष वर्ग में मप्र ने कांस्य पदक जीता। इसमें हरियाणा ने स्वर्ण व कर्नाटक ने रजत पदक जीता।

31वां आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट

विवेक की विस्फोटक पारी, पीपुल्स व जनसंपर्क ने दर्ज की आसान जीत

भोपाल, खेप्र। पीपुल्स ने प्रदेश टुडे को सात विकेट से हराकर 31वें आईईएस-डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में आसान जीत दर्ज की है। दिन के एक अन्य मैच में जनसंपर्क ने वर्टेक्स रायल को 10 विकेट से हराया। ओल्ड कैंपियन मैदान बुधवार को खेले गए पहले मैच में प्रदेश टुडे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 16.3 ओवर में 73 रन बनाए। इसरार ने 17 और शुभम ने 14 रन बनाए। जबकि कप्तान वॉमिक खान ने 10 रनों का योगदान दिया। संजय शर्मा ने चार विकेट झटके। जबकि फराज और विवेक साध्य ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में प्रदेश टुडे ने जरूरी मात्र 7.3 ओवर में तीन विकेट पर बना लिए। विवेक ने 47 रनों की अविजित पारी खेली। विवेक मानसरोवर प्लेयर ऑफ द मैच और संजय आरएनटीयू मोस्ट वेल्युएबल खिलाड़ी बने। वर्टेक्स रायल ने रोहित (24) और प्रिंस (23) की पारियों की बदौलत 18 ओवर में 110 रन बनाए। जनसंपर्क के खरे ने तीन और शुभम ने दो विकेट लिए। जवाब में जनसंपर्क ने 8.1 ओवर में एक विकेट पर जरूरी रन बना लिए। अजय ने 49 और तोषी ने 33 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश: नहर में कूदने से हिंदू युवक की मौत

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश के नाओगांव जिले में नहर में कूदने से 25 साल के हिंदू युवक की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मृतक की पहचान भंडारपुर गांव निवासी मिथुन सरकार के तौर पर हुई है। स्थानीय पुलिस ने बताया कि, कुछ लोगों ने हाट चकगौरी बाजार इलाके में मिथुन पर चोरी का आरोप लगाते हुए उसका पीछा किया। बचने की कोशिश में वह पास की नहर में कूद गया और लापता हो गया। बाद में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब चार घंटे बाद शाम 4 बजे गोताखोरों की मदद से मिथुन का शव नहर से बरामद किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जनरल अस्पताल भेज दिया गया है।

कुत्तों के कारण लोग कब तक झेलेंगे परेशानी: कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। आवारा कुत्तों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए पूछा कि कुत्तों की वजह से आम लोगों को आखिर कब तक परेशानी झेलनी पड़ेगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसका निर्देश सड़कों के लिए नहीं, बल्कि संस्थागत क्षेत्रों, जैसे स्कूल, अस्पताल और अदालत परिसरों के लिए है। पीठ ने सवाल उठाया कि स्कूलों, अस्पतालों और अदालतों के भीतर आवारा कुत्तों की क्या जरूरत है और यदि उन्हें इन परिसरों से हटाया जाए तो इसमें आपत्ति क्यों होनी चाहिए। सुनवाई करीब ढाई घंटे चली। मामले की अगली सुनवाई 8 जनवरी को होगी। आवारा कुत्तों के पक्ष में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि जो कुत्ता काटता है, उसकी नसबंदी की जा सकती है।

पर्सनल लॉ से आगे भी है भरण-पोषण का हक

नई दिल्ली, जेएनएन। केरल हाई कोर्ट ने अहम फैसले में कहा,तलाकशुदा मुस्लिम महिला पूर्व पति से मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत देय दायित्व पूरे होने के बाद भी भरण-पोषण की मांग कर सकती है। अदालत ने कुरान की आयत का भी हवाला दिया। न्यायमूर्ति कौसर एड़प्पागथ दिसंबर में पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई कर रहे थे, जिसमें 2012 के उस पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसने मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 के तहत पति द्वारा दायित्व पूरे कर देने के आधार पर महिला को सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत भरण-पोषण देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने आयत 241 का हवाला देते हुए कहा, 'तलाकशुदा महिलाओं के लिए भी उचित, न्यायपूर्ण ढंग से प्रावधान किया जाना चाहिए; यह परहेजगारों पर एक दायित्व है।'

महाराष्ट्र: कांग्रेस-भाजपा गठबंधन घंटेभर में टूटा

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र के अंबरनाथ नगर परिषद में हुआ भाजपा-कांग्रेस का गठबंधन कुछ ही वक्त में टूट गया है। बुधवार को इससे जुड़ी खबर सामने आई थी, जिसके बाद दोनों दलों की किरकिरी हो रही थी। अब कांग्रेस ने कदम पीछे खींच लिए। वहीं सीएम फडणवीस ने भी आपत्ति जताई थी। अंबरनाथ नगर परिषद में शिंदे की पार्टी का खेल बिगाड़ने दोनों दल साथ आए थे, लेकिन ये समीकरण ज्यादा नहीं टिक पाया। अब कांग्रेस ने अंबरनाथ के ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप पाटिल को सस्पेंड किया है। भाजपा के साथ स्थानीय स्तर पर अलायंस करने के लिए उन पर एक्शन हुआ है। स्थानीय युनिट को भी भंग कर दिया गया है,यही नहीं कांग्रेस ने अंबरनाथ से जीते सभी 12 पार्षदों को सस्पेंड कर दिया। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा, कांग्रेस और भाजपा के बीच कोई औपचारिक गठबंधन नहीं है।

ट्रंप के बयान पर राहुल बोले-मोदी का सरेंडर

तेहरान/दुबई, जेएनएन। नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से की। राहुल ने एक्स पर 'फर्क समझो सर जी' कैप्शन के साथ 3 जून का वीडियो शेयर किया। राहुल ने

कहा- मोदी ट्रम्प के आगे सरेंडर हो जाते हैं, लेकिन इंदिरा ने अमेरिका को झुकाया था। आपको वह समय याद होगा जब फोन कॉल नहीं था, सातवां फ्लीट आया था। 1971 के युद्ध में अमेरिका ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर और हथियार भेजे थे। तब इंदिरा गांधी जी ने कहा था, 'मुझे जो करना है, मैं करूंगी। राहुल ने कहा, इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जरा सा दबाव डालो वे सरेंडर कर देते हैं। मैं अब इन भाजपा-आरएसएस के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। उन्हें थोड़ा धक्का दो और वे डर के मारे भाग जाएंगे। राहुल का यह वीडियो ट्रंप के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें ट्रंप ने कहा था- प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और कहा सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं।

सुपर पॉवर अमेरिका में अब तक नहीं दौड़ सकी बुलेट ट्रेन

बेशुमार दौलत, सबसे लंबा रेल नेटवर्क फिर भी पीछे महाशक्ति

वॉशिंगटन, जेएनएन। भारत में बुलेट ट्रेन का काम बहुत तेजी से चल रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने तारीखों का ऐलान भी कर दिया है। रेल मंत्री के मुताबिक 15 अगस्त 2027 यानी अगले साल से भारत में बुलेट ट्रेन दौड़ने लगेगी। 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 508 किमी लंबे रूट पर अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। जापान की मदद से भारत में बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारियां है। चीन, जापान जैसे देशों में बुलेट ट्रेन दौड़ रही है, लेकिन आपको जानकारी हैरानी होगी कि अमेरिका में अब तक बुलेट ट्रेन नहीं चल पाई है, जबकि वह विश्व की महाशक्ति है, जिसके पास दुनिया का सबसे विस्तृत रेल ट्रैक है, जिसके पास पैसों का अथाह भंडार है। अमेरिका में 71 इंटरस्टेट हाईवे और 5000 से अधिक हवाई अड्डे हैं, लेकिन वहां बुलेट ट्रेन नहीं चलती है, जबकि चीन की हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की कुल लंबाई इस 50000 किमी से अधिक हो चुकी है। अमेरिका में ट्रेनों को लेकर बेरूखी के चलते सरकार ने कभी हाई स्लीड ट्रेनों पर ध्यान नहीं दिया। अमेरिकी लेखक और पत्रकार विल डोइग की माने तो अमेरिका कार-अबसेडेड कंट्री है। यानी वहां के लोग हाई-स्पीड रेल के बजाए अपनी कारों से चलना पसंद करते हैं। वहीं कुछ लोग नहीं चाहते कि वो जिस इलाके में रहते हैं, वहां से कोई हाई स्पीड ट्रेन गुजरे। लोगों की दिलचस्पी नहीं होने से अमेरिकी सरकार ने भी इस ओर खास ध्यान नहीं दिया है। ऐसा नहीं है कि कभी कोशिश नहीं हुई। सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजेलिस के बीच दौड़ने वाली हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना की शुरुआत 2008 में रखी गई, लेकिन 4 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट को कैबिनेट ती मंजूरी नहीं मिली।

अमेरिका की सबसे तेज ट्रेन

34 करोड़ की आबादी वाले वाले अमेरिका के पास दुनिया का सबसे लंबा रेल नेटवर्क है। अमेरिका के पास करीब 2,50,000 किमी लंबा रेल नेटवर्क है। 13 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी वाले अमेरिका में कोई बुलेट ट्रेन नहीं चलती है। अमेरिका की सबसे तेल चलने वाली ट्रेन एमट्रैक की एसेला है, जिसकी स्पीड 257 किमी/घंटा है। पूर्वोत्तर कॉरिडोर में चलने वाली यह ट्रेन निजी ब्राइटलाइन फ्लोरिडा में 201 किमी/घंटा से साथ चलती है।

वेनेजुएला में तेल का खेल: अमेरिकी कब्जे से ऑयलशिप बचाने दो महाशक्तियों में टकराव

अमेरिका ने जब्त किए दो जहाज, एक पर लगा था रूसी झंडा, बचाने नहीं पहुंच पाई पनडुब्बी

मॉस्को/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका ने बुधवार को वेनेजुएला से तेल खरीदने जा रहे 2 टैंकरों को पकड़ लिया। इसमें से एक रूस का जहाज मैरिनेरा है, जबकि दूसरे का नाम सोफिया है। सोफिया पर पनामा देश का झंडा है, लेकिन यह किस देश का है इसकी जानकारी नहीं है। अमेरिका ने रूसी झंडे वाला तेल टैंकर मैरिनेरा को उत्तरी अटलांटिक में जब्त किया, जबकि दूसरा जहाज कैरिबियन सी में पकड़ा गया। ये दोनों जहाज कुछ घंटे के अंतराल पर पकड़े गए। रूस ने अपने जहाज की सुरक्षा के लिए सबमरीन और अन्य नौसैनिक जहाज भेजे, लेकिन वे इसे बचाने में सफल नहीं हुए। रिपोर्ट के मुताबिक यह जहाज वेनेजुएला से तेल लेने जा रहा था, ताकि उसे चीन या दूसरे देशों को पहुंचाया जा सके। अमेरिकी सैनिक दो हफ्तों से मैरिनेरा जहाज का पीछा कर रहे थे। अमेरिका ने जिस रूसी जहाज को पकड़ा है, पहले इसका नाम बेला-1 था। अमेरिका ने इसे प्रतिबंधित जहाजों की लिस्ट में डाल दिया था। दिसंबर 2025 में यह वेनेजुएला की ओर जा रहा था, लेकिन अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने इसे रोकने की कोशिश की। उस समय जहाज के क्रू मेंबर की होशियारी से यह जहाज बच गया था। अमेरिकी कोस्ट गार्ड के पास इस जहाज को जब्त करने का वॉरंट था। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप था कि यह जहाज अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा था और ईरानी तेल ढो रहा था। तब यह जहाज गुयाना के झंडे के तहत रजिस्टर्ड था। लेकिन इसके बाद इस जहाज का नाम बदलकर 'मैरिनेरा' कर दिया गया था।

समंदर में डकैती कर रहा अमेरिका : रूस

उत्तरी अटलांटिक महासागर में वेनेजुएला से आ रहे रूसी तेल टैंकर 'मरीनेरा' पर अमेरिकी सैन्य कब्जे के बाद रूस और अमेरिका के बीच युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई है। मॉस्को ने कार्रवाई को खुले समंदर में की गई स्पष्ट समंदरी डकैती करार देते हुए अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन का गंभीर आरोप लगाया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, वह रूसी झंडे वाले तेल टैंकर पर अमेरिकी सैन्य बलों की लैंडिंग से जुड़ी खबरों पर नजर बनाए हुए है।

अमेरिका को 5 करोड़ बैरल तेल देगा वेनेजुएला: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाने के लिए अचानक हुए सैन्य अभियान के बाद 'उनके देश को 5 करोड़ बैरल तक तेल देगा'। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ये तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा और इससे मिलने वाली कीमत उनके नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला में अमेरिकी तेल उद्योग 18 महीनों के अंदर पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इससे वेनेजुएला में भारी निवेश आएगा।

ट्रंप ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सेना भेज सकते हैं: व्हाइट हाउस

अमेरिकी प्रशासन ने फिर ग्रीनलैंड पर कब्जे की बात कही है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लेविट ने मंगलवार को इसे अमेरिकी सुरक्षा के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा, उनकी टीम इसे साकार करने के कई तरीके तलाश रही है, जिनमें सैन्य बल का इस्तेमाल भी शामिल है। इससे पहले ट्रंप कई बार ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं। ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है, जो नाटो का हिस्सा भी है।

ताइवान का दावा-चीन के 9 एयरक्राफ्ट ने पार की रेड लाइन

तनाव के बीच ताइवान ने चीन पर जलडमरूमध्य की रेखा पार करने का आरोप लगाया है। ताइवान ने दावा किया है कि चीनी सेना पीएलए के नौ एयरक्राफ्ट सीमा पार कर उसके वायु क्षेत्र में घुस आए। ताइवान ने कहा, जरूरी प्रतिक्रिया दी गई है। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा है कि सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास पीएलए के 11 विमान, नेवी के 6 जहाज व एक अन्य चीनी जहाज एक्टिव पाए गए।

अमेरिकी ऑपरेशन में मारे गए 24 सुरक्षा अधिकारी

अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में चलाए गए सैन्य अभियान के दौरान 24 वेनेजुएला के सुरक्षा अधिकारी मारे गए हैं। इस ऑपरेशन में कुल मौतों की संख्या अब 56 तक पहुंच चुकी है, जिसमें आम नागरिकों और अन्य सुरक्षाकर्मियों के भी शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने अभियान को गंभीर मानते हुए इसे संभावित युद्ध अपराध करार देने की बात भी कही है।

इसरो के पूर्व प्रमुख किरण कुमार बोले-

2040 तक अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजेगा भारत

अहमदाबाद, जेएनएन। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख एएस किरण कुमार ने बुधवार को कहा कि भारत की योजना 2040 तक चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने की है। वर्तमान में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष कुमार एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एएसआई) के 5वें सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, 'अब से लेकर 2040 तक अंतरिक्ष गतिविधियों में कई मिशन चलाए जाने वाले हैं। 2040 तक हमारी योजना भारतीयों को चंद्रमा पर भेजने और उन्हें सुरक्षित वापस लाने की है। भारत 2040 तक एक अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है।' पीआरएल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के इतर मीडिया से बातचीत में इसरो के पूर्व प्रमुख ने देश के अंतरिक्ष अन्वेषण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, निकट भविष्य में चंद्रयान से संबंधित एक मिशन होगा और जापान के साथ लैंडर और रोवर पर काम चल रहा है। कुमार ने कहा, 'हमें चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में कुछ विशिष्ट जानकारी खोजने का प्रयास करना चाहिए।

जस्टिस वर्मा कैश कांड: सुप्रीम कोर्ट बोला-संसदीय जांच पैनल में खामी

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर कहा कि लोकसभा स्पीकर की ओर से गठित संसदीय जांच पैनल में कुछ खामी दिखाई देती है। हालांकि, कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को खत्म किया जाए। जस्टिस दीपांकर दत्ता व जस्टिस सतीशचंद्र शर्मा की बेंच जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। फिर भी लोकसभा ने अकेले जांच समिति बनाई, जो गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजेज इन्वायरी एक्ट के तहत लोकसभा स्पीकर के पास यह अधिकार है कि वह जस्टिस वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति गठित कर सकें, भले ही राज्यसभा में ऐसा ही प्रस्ताव खारिज हो चुका हो।

इस बार रविवार को आम बजट पेश करेगी केंद्र सरकार?

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय बजट 2026-27 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। हर बार की तरह इस बार भी केंद्र सरकार 1 फरवरी 2026 को बजट पेश कर सकती है। हाल के सालों में ये पहली बार होगा कि केंद्र रविवार के दिन बजट पेश करेगी। 28 जनवरी 2026 को राष्ट्रपति के भाषण के साथ संसद का बजट सत्र शुरू होने की संभावना है। संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में बजट सत्र की तारीख निर्धारित हो सकती है। इसी के साथ 1 फरवरी को बजट पेश होने की भी संभावना है। 2017 से पहले बजट फरवरी के आखिरी दिन पेश किया जाता था, लेकिन पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पहली बार 2017 में 1 फरवरी को बजट पेश किया था, जिसके बाद से हर साल बजट 1 फरवरी को ही सामने आता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को संसद में बजट पेश करती हैं। इस साल 1 फरवरी को रविवार का दिन पड़ रहा है और पहली बार बजट रविवार को पेश होगा।

बार्डर-2 की शूटिंग के दौरान वरुण धवन ने सहा था दर्द

28 साल बाद एक बार फिर से बड़े पर्दे पर आर्मी ऑफिसर बनकर सनी देओल सभी के दिलों में देशभक्ति का जोश और आंखों को नम करने वाले हैं। इंडिया-पाकिस्तान की 1971 युद्ध पर बेस्ड इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है। ये फिल्म 1997 में रिलीज हुई बॉर्डर का सीक्वल है। इस फिल्म

के गाना और टीजर जबरदस्त है। बॉर्डर-2 की शूटिंग झांसी, पुणे, देहरादून और अमृतसर सहित कई अलग-अलग शहरो में की गई है। हाल ही में फिल्म के मुख्य अभिनेता ने शूटिंग के समय के अनुभव शेयर करते हुए बताया कि कैसे उनकी टेन बोन पर चोट लग गई थी। वॉर ड्रामा फिल्म 'बॉर्डर 2' में मेजर होशियार सिंह दहिया का किरदार अदा कर रहे वरुण धवन ने फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर आने से पहले ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर फैंस के कई सवालों के जवाब दिए, जिसमें पाकिस्तान में फिल्म रिलीज से लेकर बॉर्डर 2 की शूटिंग का अनुभव तक शामिल सवाल थे। एक फैन ने पूछा, तो धवन ने कहा, बहुत तैयारी करनी पड़ी थी। युद्ध की शूटिंग करते समय मैं टेल बोन भी चोटिल कर बैठा था। उसके लिए मैंने बबीना में असली सैनिकों से साथ 40 दिनों तक शूटिंग की। फैन ने धवन से पूछा, वह अपना किरदार निभाते हुए खुद का कितना इनपुट उसमें डालते हैं? तो वरुण ने जवाब दिया, बॉर्डर 2 में पीवीसी प्ले करते हुए मैं अपना ज्यादा कुछ नहीं दिखा सकता था, क्योंकि हमारे जवान हमसे बहुत अलग जिंदगी जीते हैं। मुझे आर्मी ऑफिसर्स की तरफ से जो भी गाइडेंस मिली, मैंने उसे उस पल में ईमानदारी से निभाने की कोशिश की।

आधी रात दिल्ली पुलिस पर पथराव, पांच कर्मी घायल

मस्जिद गिराने की अफवाह पर जुटी भीड़

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में मंगलवार रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई। कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके, जिससे 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ, जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पोस्ट खालिद मलिक नाम के व्यक्ति की थी। वीडियो में उसने लोगों से बड़ी संख्या में अपने घरों से बाहर निकलने की अपील की थी। इसके तुरंत बाद कई लोग वहां जमा हो गए और कुछ ने पुलिस और एमसीडी कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। मामले में अब तक एक नाबालिग समेत 5 उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है। मामले में गिरफ्तार लोगों की पहचान मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद कैफ (23), मोहम्मद काशिफ (25), मोहम्मद हामिद (30) और एक नाबालिग के रूप में हुई है। एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर विवेक कुमार ने कहा कि अभियान के दौरान एक डायग्नोस्टिक सेंटर और बैंक्वेट हॉल और दुकानों को तोड़ा गया है।

राजनीतिक प्रतिशोध में हुई हादी की हत्या

ढाका, जेएनएन। बांग्लादेश में छात्र नेता उस्मान हदी की हत्या के बाद देश में हिंसक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थी। हादी की हत्या का ठीकरा भारत पर फोड़ने की कोशिश हो रही थी और इसके चलते वहां के हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इस बीच अब बांग्लादेशी पुलिस ने हादी की हत्या को लेकर अपनी चार्जशीट में हत्या के लिए शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग की यूथ विंग का जिम्मेदार बताया गया है। बांग्लादेशी पुलिस की चार्जशीट में कहा गया कि हादी की हत्या आवामी लीग की यूथ विंग द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध के तौर पर की गई। इस चार्जशीट में मुख्य आरोपी फैजल करीम का नाम है, इसके अलावा 17 अन्य लोगों को भी आरोपी बताया गया है। चार्जशीट के मुताबिक, हादी की हत्या का मुख्य साजिश करता ताइजुल इस्लाम चौधरी बप्पी है, जो आवामी लीग की यूथ विंग जुबो लीग की ढाका (उत्तर) यूनिट का संगठन सचिव है। चार्जशीट में उस पर ही हत्या की प्लानिंग करने का संदेह है। प्रोथोम आलो की एक रिपोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार, हादी की हत्या के लिए गोली चलाने वाले के तौर पर फैजल करीब नाम के शख्स की पहचान हुई है, जो कि यूथ विंग का ही पूर्व नेता है।

बांग्लादेश पुलिस ने पेश की चार्जशीट

M.P. POWER GENERATING COMPANY LIMITED
Office of The Addl. C.E. (P&W), Shree Singaji Thermal Power Project
Dongalia Distt. Khandwa (M.P.), E-mail ID : sepnw.sstpp1@gmail.com
No. 515-1700/SSTPP/MPPGCL/P&W/8418 Date : 07.01.2026

S. No.	Tender No.	Tender Particulars	Estimated Cost (Rs.) Including GST	EMD in Rs.	Tender Cost Rs. Including GST	Due Date and Time for Closing of Online Submission
1.	MPPGCL Tender No. T-2025_ MPPGC_ 461175	Procurement of GTC Plasma coated shaft sleeves for various pumps at TMD OS and BMDOS at 2x600 MW, SSTPP, MPPGCL, Dongalia. - As per schedule	Rs. 3318759/- Inclusive of GST	66400/-	1000/-	Dtd. 02.02.2026 Up to 15.30 hrs.

For extension & other details, the bidders are requested to please visit e-portal of GoMP at www.mptenders.gov.in
M.P. Madhyam/123872/2026 // SAVE ELECTRICITY // SE (P&W)

दैनिक जागरण वर्गीकृत

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 600/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

Requirement

TARANG Edu. Com
(1) Teaching-BSC, Msc-55 Post
(2) Non Teaching 12th Pass-12 Post
MEDI A3 Pharma-70 Post
12th, Bsc, Msc, B.A., M.A. M.Com
Call-9767652798, 9673096935, 7498587973
(11-1)

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान
कार्यालय संचालक, कलियासोत डैम के पास
कोलार रोड, पोस्ट.बा. 588 रविशंकर नगर
पोस्ट ऑफिस, भोपाल 462016, दूरभाष (0755) 2492433, 2492460
ई-मेल : iehebhopal@mp.gov.in, वेबसाइट : www.iehe.ac.in

निविदा संबंधी सूचना

संस्थान में स्थापित डिजिटल स्टूडियो में विभिन्न कार्यों हेतु MP-eTender के माध्यम से निविदाऐं आमंत्रित की जाती हैं।

स. क्र.	निविदा	निविदा क्र. (Tender ID)
1	डिजिटल स्टूडियो में सामग्री प्रदाय करने संबंधी।	2026_HED_473987_1
2	डिजिटल स्टूडियो में लाइट बोर्ड क्रय करने संबंधी।	2026_HED_473996_1

इच्छुक प्रदायकर्ता फर्में MP-eTender पोर्टल पर दर्शित नियम एवं शर्तों के अनुरुप में सम्मिलित हो सकते है। क्रय प्रक्रिया वर्तमान में मान्य ''मध्यप्रदेश भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथासंशोधित-2022)'' के अनुसार की जावेगी।
म.प्र. माध्यम/123876/2026 संचालक

छाया : एचसी वर्मा

ठंड बढ़ी तो छोटी झील में उतरे विदेशी मेहमान

भोपाल का तापमान जैसे-जैसे गिर रहा है, वैसे-वैसे दूर-दराज के इलाकों से आए प्रवासी पक्षी झील के पानी पर उतरने लगे हैं। इन्हीं प्रवासियों में शामिल सफेद पंखों वाले सीगल की चहल-पहल झील की सुंदरता बढ़ा रही है। साथ ही यह संकेत भी दे रही है कि सर्दियों का मौसम अपने पूरे रंग में आ चुका है। भोपाल की छोटी झील पर ठंड बढ़ते ही दूर-दराज के ठंडे इलाकों से सीगल पहुंचने लगते हैं। आमतौर पर नवंबर के अंत से फरवरी तक भोपाल की बड़ी और छोटी झीलों में इन पक्षियों की मौजूदगी दिखाई देती है। यहां मुख्य रूप से दो प्रकार के सीगल आते हैं। इनमें भी साइबेरिया, मध्य एशिया और मंगोलिया से ब्राउन-हेडेड सीगल सबसे ज्यादा शहर में आते हैं।

संक्षिप्त खबरें

जल्द शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

नई दिल्ली, जेएनएन। तेंदुलकर परिवार में जल्द ही शहनाइयां बजने वाली हैं। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के बेटे और भारतीय क्रिकेटर अर्जुन तेंदुलकर इस साल मार्च में अपनी मंगेतर सानिया चंढोक के साथ सात फेरे लेने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्जुन और सानिया की शादी की तारीख 5 मार्च 2026 तय हो चुकी है। कई महीनों से चल रही अटकलों और निजी पारिवारिक आयोजनों के बाद अब यह खबर पक्की मानी जा रही है। अर्जुन हाल ही में आईपीएल में मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड हुए हैं और अब अपनी निजी जिंदगी में भी एक नया अध्याय शुरू करने जा रहे हैं। सानिया चंढोक एक सफल उद्यमी हैं और मुंबई के जाने-माने बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह लंबे समय से तेंदुलकर परिवार के बेहद करीबी दायरे का हिस्सा रही हैं। अर्जुन और सानिया ने अगस्त 2025 में बेहद निजी समारोह में सगाई की थी, जिसमें केवल परिवार के करीबी सदस्य ही शामिल हुए थे। यह जानकारी सार्वजनिक तब हुई, जब सचिन तेंदुलकर ने एक रेडिट सेशन के दौरान खुद इसकी पुष्टि की।

विहिप के व्हाट्सऐप ग्रुप हैक, ठगी के प्रयास

जागरण, जबलपुर। साइबर ठगों ने विश्व हिंदू परिषद (विहिप) महाकौशल से जुड़े सैकड़ों व्हाट्सएप ग्रुप को निशाना बनाकर बड़ा साइबर हमला किया है। ठगों ने ग्रुप हैक कर उनके नाम और प्रोफाइल फोटो भी बदल दी और खुद को एडमिन बना लिया। अब तक पुलिस, कस्टम, क्राइम ब्रांच और इनकम टैक्स अधिकारी बनकर ठगी करने वाले साइबर ठगों ने नया तरीका अपनाते हुए हिंदू संगठनों के ग्रुप को ठगी का माध्यम बनाया है। विहिप महाकौशल के इन ग्रुप में संगठन से जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है। ग्रुप में कई संदिग्ध लिंक भी नजर आए, जिससे ठगी की आशंका और गहराई। इसके बाद विहिप कार्यकर्ताओं ने बुधवार को साइबर पुलिस से शिकायत की है। विहिप पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि घटना के बाद विहिप कार्यकर्ता एक-दूसरे को सतर्क कर रहे हैं।

फ्लोराइड युक्त पानी से दांत पड़ रहे पीले

जागरण, खंडवा। जिले के किल्लौद ब्लॉक के दर्जनभर से ज्यादा गांवों में लोग मजबूरी में फ्लोराइड युक्त पानी पी रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पानी ने बच्चों और युवाओं की सेहत बिगाड़ दी है। कई गांवों में बच्चों के दांत पीले पड़ गए हैं, युवाओं के हाथ ठीक से नहीं मुड़ पा रहे, वहीं इंफेक्शन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों के अनुसार जांच के दौरान कई गांवों में पानी में फ्लोराइड की मात्रा 2.0 से 5.0 पार्ट्स पर मिलियन पाई गई है, जबकि सुरक्षित सीमा 1.0 पीपीएम से कम मानी जाती है।

लाखों की स्टांप ड्यूटी चुराई, दो साल जांच के बाद दंपती के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मृत बिजनेस पार्टनर के परिवार से करोड़ों की जमीन हड़पने पति-पत्नी ने रची साजिश

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में फिल्म 'खोसला का घोंसला' की तर्ज पर बेशकीमती जमीन से जुड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। ईओडब्ल्यू की जांच में उजागर हुआ है कि एक शातिर दंपत्ति ने अपने मृत बिजनेस पार्टनर के परिवार को बेदखल करने के लिए न केवल फर्जी दस्तावेज तैयार किए, बल्कि 11 साल पुराने पहले से ही इस्तेमाल हुए स्टाम्प पेपर का दोबारा उपयोग कर लाखों रुपए की राजस्व की भी चोरी की। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) ने इस पूरे मामले का पर्दाफाश करते हुए आरोपी विनोद अग्रवाल और उनकी पत्नी अनीता अग्रवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

इस तरह किया फर्जीवाडा: विनोद और उनकी पत्नी अनीता ने विजय अग्रवाल के निधन के सात साल बाद साल 2023 में एक पार्टनरशिप डीड तैयार की, लेकिन उस पर तारीख 11 अप्रैल 2012 की डाल दी। इसका मकसद था कि जमीन की रजिस्ट्री से पहले ही फर्म का अस्तित्व दिखाया जा सके। इस डीड के लिए इस्तेमाल स्टाम्प नंबर (एच488523 व एच488524) असल में किसी देवीराम नाम के व्यक्ति ने रजिस्ट्री के लिए खरीदे थे और वे पहले ही इस्तेमाल हो चुके थे। इस तरह रजिस्ट्री में लाखों का राजस्व नुकसान राज्य सरकार को भी हुआ। इस फर्जी डीड के पीछे न्यू एरा इंफ्रास्ट्रक्चर लिखा गया, जबकि मूल फर्म का नाम ईरा इंफ्रास्ट्रक्चर था। यह इसलिए किया गया ताकि असली वारिसों को उलझाया जा सके। इसके बाद विनोद और अनीता ने इसी फर्जी डीड के आधार पर आदिनाथ कंस्ट्रक्शन्स नाम की कंपनी के साथ एक एमओयू साइन कर जमीन पर कॉलोनी बसाने का काम शुरू कर दिया और इसके लिए मृत पार्टनर विजय अग्रवाल के परिवार से कोई अनुमति नहीं ली गई।

स्टाम्प वेंडर के रजिस्टर ने खोल दी पोल: इस हाई-प्रोफाइल जालसाजी का सबसे बड़ा सबूत स्टाम्प वेंडर इंद्रपाल जैन का रजिस्टर बना। वेंडर ने साफ तौर पर बयान दिया कि उन्होंने ये स्टाम्प कभी विनोद या अनीता अग्रवाल को बेचे ही नहीं थे। जांच में यह भी साफ हुआ कि जो डीड 2012 की बताई जा रही थी उसकी नोटरी असल में 2023 में की गई थी। ईओडब्ल्यू ने दो साल की पड़ताल के बाद आरोपी विनोद अग्रवाल, अनीता अग्रवाल और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 471 और 120 बी के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी दस्तावेज बनाने और आपराधिक षड्यंत्र रचने की एफआईआर दर्ज की है। ईओडब्ल्यू के अफसरों के मुताबिक जांच में साफ हुआ है कि आरोपियों ने स्टाम्प शुल्क चोरी की और मृत व्यक्ति के वारिसों का हक मारने के लिए दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ की है। इस मामले में विवेचना जारी है।

यह है मामला

शिकायतकर्ता प्रमिला अग्रवाल के मुतातबिक, उनके पति विजय अग्रवाल ने 2012 में विनोद अग्रवाल के साथ मिलकर भोपाल के नजदीक सनखेड़ी (हुजूर) में करीब 1.4 एकड़ बेशकीमती जमीन खरीदी थी। इसमें विजय अग्रवाल की 40 फीसदी की हिस्सेदारी थी। इसका वर्तमान बाजार भाव 6 करोड़ से अधिक बताया जा रहा है। 2017 में विजय अग्रवाल का निधन हो गया। उनकी मौत के बाद पार्टनर विनोद अग्रवाल की नीयत डोल गई और उन्होंने करोड़ों की इस जमीन से विजय अग्रवाल के परिवार को बाहर करने का प्लान तैयार किया।

फ्लाइट में बच्चे को सांस लेने में हुई तकलीफ, मौत

बैंगलुरु जा रहे विमान की इंदौर में इमरजेंसी लैंडिंग

जागरण, इंदौर। जयपुर से बैंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में सवार एक साल के बच्चे की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद इंदौर में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग कराई। बच्चे को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इंदौर में अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1240 मंगलवार को जयपुर से शाम 5.30 बजे रवाना होकर रात 8.10 बजे बेंगलुरु पहुंचने वाली थी। यात्रा के दौरान विमान में सवार एक साल के बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। परिजनों ने तत्काल क्रू को इसकी सूचना दी। स्थिति गंभीर होने पर पायलट ने नजदीकी एयरपोर्ट इंदौर से संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को इंदौर एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी और एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर दी गई। इलाज के लिए एयरोब्रिज पर ही डॉक्टरों की टीम तैनात कर दी गई। रात को विमान के लैंड करते ही बच्चे को तुरंत बाहर लाया गया। विमान में मौजूद एक डॉक्टर पहले से ही बच्चे को सीपीआर दे रहे थे। इंदौर एयरपोर्ट पर मौजूद डॉक्टरों ने भी लगातार सीपीआर देते हुए बच्चे को एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। यहां से उसे डॉल्फिन हॉस्पिटल रेफर किया गया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी।

पहले से ही तबीयत खराब थी

बच्चे का नाम मोहम्मद अबरार था और उसकी उम्र एक साल थी। वह अपने पिता मोहम्मद अजलान, मां फिरोजा और बड़े भाई के साथ जयपुर से बैंगलुरु अपने घर जा रहा था। फ्लाइट में बैठने से पहले ही बच्चे की तबीयत कुछ ठीक नहीं थी। आशंका जताई जा रही है कि उड़ान के दौरान पानी या दूध पिलाते समय वह श्वांस नली में चला गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई।

रणवीर-अक्षय स्टारर फिल्म ने बनाया नया रिकॉर्ड

पुष्पा-2 को पीछे छोड़ 'धुरंधर' बनी सबसे कमाऊ हिंदी फिल्म

मुंबई, जेएनएन। भारतीय सिनेमा के बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों इतिहास रचा जा रहा है। 'धुरंधर' ने रिलीज के 32वें दिन भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म अब तक 831.40 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन कर चुकी है। इसने 'पुष्पा 2' के हिंदी वर्जन के 821 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म में रणवीर सिंह की आक्रामक और करिश्माई मौजूदगी के साथ अक्षय खन्ना की सधी हुई और क्रूर अदाकारी को दर्शकों ने हाथोंहाथ लिया है। 6 जनवरी को फिल्म ने भारत में 5.70 करोड़ रुपए की कमाई की, जबकि वर्ल्डवाइड इसका कुल कलेक्शन 1253.83 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। यह उपलब्धि इसलिए भी अहम है, क्योंकि कहा जा रहा था कि ओटीटी के बाद सिनेमाघरों में दर्शक कम हो गए हैं।

यह है बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर' का गणित

'धुरंधर' की बॉक्स ऑफिस की मौजूदा सफलता को समझने के लिए इसके पीछे का गणित देखना जरूरी है।

- पहला हफ्ता: **218.00 करोड़**
- दूसरा हफ्ता: **261.50 करोड़**
- तीसरा हफ्ता: **189.30 करोड़**
- चौथा हफ्ता: **115.70 करोड़**
- पांचवां हफ्ता: **35.80 करोड़**
- 32वां दिन (सोमवार): **5.40 करोड़**
- 33वां दिन (मंगलवार): **5.70 करोड़**

भारत में कुल नेट कलेक्शन
831.40 करोड़ रुपए

3200 से अधिक बीमार, लेकिन हेल्थ अफसरों के मुताबिक केवल 487 अस्वस्थ

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैली बीमारियों की जांच करने के लिए राष्ट्रीय संस्थानों की टीमें पहुंचीं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के कारण उल्टी-दस्त की महामारी जैसी स्थिति बनी हुई है। ऐसा पहली बार देखने में आया है कि किसी छोटे से इलाके में ही इतनी बड़ी संख्या में लोग एक ही बीमारी से प्रभावित हुए हैं। इलाकें में अब तक 3200 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं, जिनमें बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हैं। इस दौरान 15 से अधिक मौतें भी हुई हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग का दावा इससे उलट है। विभाग की तरफ से जारी जानकारी के अनुसार इलाके में कुल 457 बिमार मिले थे, जिनमें से 381 को उपचार के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। हालांकि अब तक स्वास्थ्य विभाग की तरफ से इस इलाके में दूषित जल से बीमारी होने के बाद हुई मौतों की कोई जानकारी नहीं दी गई है।

जांच के लिए कई एजेंसियां एक्टिव

वाटर सप्लाई करने वाली पाइपलाइन में लीकेज से सीवेज का पानी मिल गया था, जिससे फीकल कोलिफॉर्म बैक्टीरिया जैसे खतरनाक तत्व पानी में पहुंचे। डायरिया और उल्टी का प्रकोप तेजी से फैला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भागीरथपुरा में देश की प्रमुख स्वास्थ्य और अनुसंधान संस्थाओं की टीमें जांच और निगरानी कर रही है। कोलकाता की नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैक्टीरियोलाजी, एनएचएम के स्टेट इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम (एसआईडीएसपी) और एम्स दिल्ली के एख्सपर्ट की टीमें इंदौर में एक्टिव हैं। ये टीमें भागीरथपुरा के हर घर में जाकर पानी के नमूनों, मरीजों की रिपोर्ट और अन्य पहलुओं की जांच कर रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग का दावा, केवल 56 मरीज ही भर्ती

इधर भागीरथपुरा मामले पर जारी घमासान के बीच स्वास्थ्य विभाग ने अपने आंकड़े जारी किए हैं। बुधवार शाम इंदौर जिले के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ माधव प्रसाद हासानी ने इलाके का बुलेटिन जारी किया है। इसमें दावा किया गया है कि भारीरथपुरा में दूषित पानी से पीड़ित हुए मरीजों की बुधवार शाम तक कुल संख्या महज 437 थी, जिनमें से 381 मरीजों को डिस्चार्ज भी किया जा चुका है। सीएमएचओ का दावा है कि अबह केवल 56 मरीज ही अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें से केवल 9 का उपचार आईसीयू में चल रहा है। इन मरीजों का उपचार एमवाय अस्पताल, अरविंदों अस्पताल और चाचा नेहरू चिकित्सालय में चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि बुधवार को 189 मरीजों का फॉलोअप लिया गया और इलाके में 686 परिवारों को ओआरएसके पैकेट बांटे गए।

कंसर्ट टूरिज्म | युवा भारतीयों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों यात्राओं का प्रमुख कारण म्यूजिक

62 प्रतिशत युवा म्यूजिक इवेंट्स के लिए बना रहे यात्रा की योजना

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत में जेन जी के बीच ट्रैवल का ट्रेंड तेजी से बदल रहा है। अब छुट्टियों की योजना सिर्फ मौसम या लंबे वीकेंड पर नहीं, बल्कि म्यूजिक कंसर्ट और फेस्टिवल को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। ट्रैवल पोर्टल एयरबीएनबी के एक हालिया सर्वे के मुताबिक, भारत के 62 फीसदी जेन जी युवा 2026 में कंसर्ट और म्यूजिक फेस्टिवल के लिए यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। म्यूजिक अब युवा भारतीयों के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह की यात्राओं का प्रमुख कारण बन चुका है। 76 फीसदी जेजी युवाओं ने माना कि वे किसी शहर में पहली बार सिर्फ किसी लाइव म्यूजिक इवेंट में शामिल होने के लिए पहुंचे। वहीं देश के भीतर, ये कंसर्ट्स टूरिज्म डिस्पर्सल में मदद कर रहे हैं, जिससे नए इलाकों और लोकल बिजनेस जैसे कैफे, रेस्तरां और नाइटलाइफ को फायदा मिल रहा है।

कंसर्ट सिर्फ इवेंट नहीं, जेन जी के लिए है दुनिया घूमने की शुरुआत

रिपोर्ट के अनुसार, जेन जी ट्रैवलर्स कंसर्ट को एक सीमित कार्यक्रम के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे नई जगहों को एक्सप्लोर करने की शुरुआत मानते हैं। करीब 53 फीसदी युवा कंसर्ट खत्म होने के बाद भी कुछ दिन वहीं रुकते हैं और आसपास के इलाकों, लोकल मार्केट, कैफे और नाइटलाइफ को एक्सप्लोर करते हैं। यह ट्रेंड बताता है कि अब सांस्कृतिक और अनुभव आधारित पल ट्रैवल डेस्टिनेशन चुनने में पारंपरिक छुट्टियों के कैलेंडर से ज्यादा अहम हो गए हैं।

विदेशी डेस्टिनेशन में प्राथमिकताएं

48 फीसदी जेन जी युवाओं की पसंद अमेरिका है
46 फीसदी जेन जी युवा एशिया में ट्रेवल करना चाहते हैं
45 फीसदी के लिए यूरोप है पहली पसंद

खुलकर खर्च

सर्वे में जेन जी की खर्च करने की क्षमता भी सामने आई है।

- 10 में से 6 युवा म्यूजिक से जुड़ी यात्राओं पर अपनी मासिक आय का 21 फीसदी से 40 फीसदी तक खर्च करने को तैयार हैं।
- औसतन, एक म्यूजिक-आधारित ट्रिप पर करीब 51,000 खर्च किए गए।

विदेशों तक फैला है

कंसर्ट टूरिज्म सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। सर्वे के मुताबिक, 40 फीसदी से ज्यादा जेन जी युवा म्यूजिक इवेंट्स के लिए विदेश जाने को भी तैयार हैं। यह सर्वे साफ संकेत देता है कि भारत में युवा पीढ़ी के लिए ट्रैवल अब सिर्फ घूमना नहीं, बल्कि अनुभव, संगीत और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम बन चुका है।

अपात्र से पात्र कॉलेजों में छात्रों के संबंध में क्या कार्रवाई हुई

जागरण, जबलपुर। नर्सिंग कॉलेज मान्यता फर्जीवाड़े के मामले में बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीबीआई जांच में अपात्र पाए गए कॉलेजों के छात्रों के भविष्य का मामला उठाया। कोर्ट को बताया गया कि पूर्व में नर्सिंग काउंसिल को कहा गया था कि अपात्र कॉलेजों में अध्ययनरत छात्रों को पात्र कॉलेजों में शिफ्ट किया जाए। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने नर्सिंग काउंसिल से पूछा है कि इस संबंध में अभी तक क्या कार्रवाई की। कोर्ट ने 12 फरवरी तक काउंसिल को हलफनामा पेश करने के निर्देश दिए। मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में अनियमितताओं के मामले में लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता विशाल बघेल ने जनहित याचिका दायर की थी।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,**
संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।